लखनऊ

रविवार, 24 अगस्त, 2025

वर्ष : 11 । अंक: 44

मूल्य : 1 रुपये

पृष्ठ : 8

UPHIN/2014/57034

हिंदी दैनिक

आर्यावर्त क्रांति

जिंदगी में अगर बुरा वक्त नहीं आता तो अपनों में छुपे हुए गैर, और गैरों में छुपे हुए अपनों का कभी पता न चलती

TODAY WEATHER

DAY 37° Hi

NIGHT 26° Low

संक्षेप

पीएम, सीएम को पद से हटाने संबंधी विधेयक पर बनी जेपीसी में नहीं होंगे टीएमसी सांसद, पार्टी ने बताया- तमाशा

कोलकाता। तृणमूल कांग्रेस ने प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्रियों को पद से हटाने की रूपरेखा तय करने वाले तीन विधेयकों पर विचार के लिए गठित संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) को 'तमाशा' करार देते हुए कहा कि वह इसमें कोई सदस्य नहीं भेजेगी। केंद्र सरकार ने मानसून सत्र के दौरान केंद्र शासित प्रदेश सरकार (संशोधन) विधेयक 2025, संविधान (130वां संशोधन) विधेयक 2025 और जम्मू-कश्मीर पुनर्गठन (संशोधन) विधेयक 2025 लोकसभा में पेश किए। विपक्ष के हंगामे के बाद इन्हें संसद की एक संयुक्त समिति को भेज दिया गया है। तृणमूल कांग्रेस ने एक बयान में कहा, 'हम 130वें संविधान संशोधन विधेयक का अभी प्रस्ताव के चरण में ही विरोध करते हैं और हमारे विचार से जेपीसी एक तमाशा है। इसलिए, हम तृणमूल कांग्रेस से किसी को नामित नहीं कर रहे हैं।' प्रस्तावित विधेयक में गंभीर आरोपों में लगातार 30 दिनों तक गिरफ्तार रहने पर प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्रियों और मंत्रियों को पद से हटाने का प्रावधान है। दोनों सदनों ने विधेयकों को एक संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) को भेजने का प्रस्ताव पारित किया है, जिसमें लोकसभा के 21 और राज्यसभा के 10 सदस्य शामिल होंगे। समिति को संसद के शीतकालीन सत्र में सदन को अपनी रिपोर्ट पेश करनी है। शीतकालीन सत्र नवंबर के तीसरे सप्ताह में आयोजित होने की |संभावना है।

ट्रंप की कठोर नीति के चलते अमेरिका में कम हुई अप्रवासी आबादी, विशेषज्ञ बोले- अर्थव्यवस्था को होगा नुकसान

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का अप्रवासियों के खिलाफ सख्त रुख रहा है। इसके चलते ट्रंप प्रशासन में बड़े पैमाने पर अवैध अप्रवासियों को निर्वासित किया गया और सीमा पर सख्ती की गई। अब उनकी कठोर नीतियों का असर दिखना भी शुरू हो गया है। दरअसल अमेरिका में रहने वाले अप्रवासियों की संख्या में भारी गिरावट दर्ज की गई है। प्यू रिसर्च सेंटर के एक ताजा अध्ययन के अनुसार, अमेरिका में जनवरी 2025 से लेकर जून 2025 के बीच अप्रवासियों की संख्या में करीब 15 लाख की कमी दर्ज की गई है। प्यू रिसर्च सेंटर के अनुसार अमेरिका में आप्रवासियों की कुल संख्या इस साल की शुरुआत में 5.33 करोड़ थी, जो अब घटकर लगभग 5.19 करोड़ रह गई है। प्यू रिसर्च सेंटर की यह रिपोर्ट गुरुवार को जारी की गई। प्यू रिसर्च सेंटर के वरिष्ठ जनसांख्यिकीविद् जेफरी पासेल ने मीडिया को बताया, 'हम जिस डेटा पर गौर कर रहे हैं, वह एक नाटकीय बदलाव दर्शाता है।' इस गिरावट का असर श्रम बाजार पर भी पड़ रहा है। प्यू रिसर्च सेंटर के अनुसार, आप्रवासियों की संख्या में कमी के कारण कार्यबल ने 7,50,000 से ज्यादा कर्मचारियों को खो दिया है। रिपोर्ट में पासेल के हवाले से बताया गया कि 'अमेरिका में कामकाजी उम्र के लोगों की आबादी नहीं बढ़ रही है। इसका मतलब है कि कार्यबल में वृद्धि का एकमात्र तरीका नए प्रवासियों का आना है। अगर कार्यबल नहीं बढ़ता है, तो अर्थव्यवस्था के लिए मुश्किलें खड़ी होंगी।'

नेशनल स्पेस डे पर पीएम मोदी ने कहा, भारत जल्द ही गगनयान मिशन लॉन्च करेगा

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को अंतरिक्ष वैज्ञानिकों से मानवता के भविष्य को उज्ज्वल बनाने वाले रहस्यों को उजागर करने के लिए एक गहन अंतरिक्ष अन्वेषण मिशन की तैयारी करने को कहा. इससे पहले उन्होंने स्पेस से जुड़े सभी युवाओं और वैज्ञानिकों को नेशनल स्पेस डे की शुभकामनाएं दी।

राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस पर एक वीडियो संबोधन में पीएम मोदी ने घोषणा की कि भारत भविष्य के मिशनों के लिए अंतरिक्ष यात्रियों का एक समूह बनाने की तैयारी कर रहा है और उन्होंने युवाओं से इस समूह का हिस्सा बनने का आग्रह किया। पीएम मोदी ने कहा, हम चंद्रमा और मंगल तक पहुंच गए हैं। अब हमें गहरे अंतरिक्ष में झांकना है, जहां मानवता के भविष्य के लिए लाभकारी कई रहस्य छिपे हैं।

प्रधानमंत्री ने देश भर से आए अंतरिक्ष वैज्ञानिकों, छात्रों और नीति निर्माताओं को संबोधित करते हुए कहा, आकाशगंगाओं से परे हमारा क्षितिज है, अनंत ब्रह्मांड हमें बताता है कि कोई भी सीमा अंतिम नहीं है और अंतरिक्ष क्षेत्र में भी नीति के स्तर पर कोई अंतिम सीमा नहीं होनी चाहिए। देश विद्युत प्रणोदन और अर्ध-क्रायोजेनिक इंजन जैसी महत्वपूर्ण तकनीकों में प्रगति कर रहा है। उन्होंने आगे कहा , वैज्ञानिकों की कड़ी मेहनत की बदौलत देश जल्द ही गगनयान मिशन लॉन्च करेगा और अंतरिक्ष में अपना स्टेशन भी बनाएगा। प्रधानमंत्री ने निजी क्षेत्र से यह भी पूछा कि क्या अगले पांच वर्षों में पांच स्टार्टअप यूनिकॉर्न बन सकते हैं। उन्होंने अंतरिक्ष वैज्ञानिकों और इंजीनियरों से पूछा, मैं चाहूंगा कि निजी क्षेत्र आगे आए। क्या हम उस मुकाम तक पहुंच सकते हैं जहां हम हर साल 50 रॉकेट लॉन्च कर सकें?

नेशनल स्पेस डे की शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा, इस बार नेशनल स्पेस डे की थीम है आर्यभट से गगन यान तक इसमें अतीत का आत्मविश्वास भी है और भविष्य का संकल्प भी है। आज हम देख रहे हैं कि इतने कम समय में ही नेशनल स्पेस डे हमारे युवाओं में उत्साह और आकर्षण का केंद्र बन गया है।

ये देश के लिए गर्व की बात है। अभी भारत ने इंटरनेशनल ओलंपियाड ऑन एस्ट्रॉनोमी एंड एस्ट्रोफिजिक्स उसकी मेजबानी भी की है। इस प्रतियोगिता में 60 देशों से अधिक 300 से ज्यादा युवाओं ने भाग लिया। भारत के युवाओं ने मेडल भी जीते हैं। ये ओलंपियाड स्पेस सेक्टर भारत की उभरती लीडरशीप का प्रतीक है। मैं इन प्रतियोगिताओं में भाग लेने वालों को बधाई देता हूं।

यह लड़ाई नहीं, विचारों का टकराव है..., उपराष्ट्रपति चुनाव पर बोले इंडिया ब्लॉक के उम्मीदवार बी सुदर्शन रेड्डी

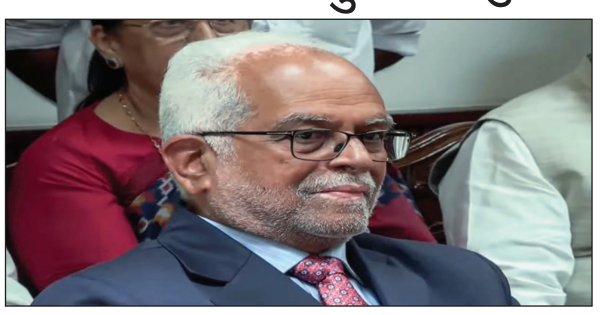

नई दिल्ली, एजेंसी। इंडिया ब्लॉक के उपराष्ट्रपति पद के उम्मीदवार बी सुदर्शन रेड्डी ने शनिवार को कहा कि उपराष्ट्रपति का चुनाव कोई लड़ाई नहीं, बल्कि विचारधारा का टकराव है। उन्होंने इस बात पर ज़ोर दिया कि वह इस विचारधारा से असहमत हैं, न कि एनडीए उम्मीदवार सीपी राधाकृष्णन से। एएनआई से बात करते हुए, इंडिया ब्लॉक के उपराष्ट्रपति पद के उम्मीदवार बी सुदर्शन रेड्डी ने कहा कि यह कोई लड़ाई नहीं, बल्कि विचारों का टकराव है... दूसरा पक्ष यह प्रचार कर रहा था कि यहाँ एक व्यक्ति है जो जीवन भर आरएसएस का पूर्ण सदस्य रहा है, इसलिए मैं उस विचारधारा से असहमत हूँ, सीपी राधाकृष्णन जी से नहीं।

बी सुदर्शन रेड्डी ने आगे कहा कि एनडीए उम्मीदवार सीपी राधाकृष्णन से उनका कोई निजी विरोध नहीं है। उन्होंने कहा कि सीपी राधाकृष्णन और मेरे बीच कोई निजी मतभेद नहीं है। हम एक-दूसरे से कभी मिले भी नहीं हैं। इसलिए मैं चाहता था कि यह एक सभ्य मुकाबला हो, व्यक्तियों के बीच नहीं, बल्कि दो अलग-अलग विचारधाराओं के बीच। रेड्डी ने वैचारिक मतभेदों को उजागर करते हुए कहा कि मुझे किसी विचारधारा को पसंद या नापसंद करने का कोई अधिकार नहीं है, लेकिन जिस तरह से यह (आरएसएस) काम करता है, उससे मेरे गंभीर मतभेद हैं, क्योंकि मैं एक उदार संवैधानिक लोकतांत्रिक व्यक्ति हूँ। मैं धर्मनिरपेक्षता, सामाजिक न्याय और बाबासाहेब की बंधुत्व की विचारधारा में विश्वास करता हूँ।

गुरुवार को, भारतीय जनता पार्टी के उपराष्ट्रपति पद के उम्मीदवार और सर्वोच्च न्यायालय के पूर्व न्यायाधीश बी सुदर्शन रेड्डी ने कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी की उपस्थिति में अपना नामांकन दाखिल किया। राकांपा (एससीपी) प्रमुख शरद पवार, समाजवादी पार्टी के सांसद राम गोपाल यादव, द्रमुक सांसद तिरुचि शिवा, शिवसेना (यूबीटी) सांसद संजय राउत और गठबंधन के कई अन्य नेता भी मौजूद थे।

इससे पहले, इंडिया ब्लॉक ने 9 सितंबर को होने वाले आगामी उपराष्ट्रपति चुनाव के लिए सुप्रीम कोर्ट के पूर्व न्यायाधीश बी सुदर्शन रेड्डी को अपना उम्मीदवार चुना था। इंडिया ब्लॉक की बैठक के बाद राष्ट्रीय राजधानी में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने यह घोषणा की। रेड्डी एनडीए उम्मीदवार सीपी राधाकृष्णन के खिलाफ चुनाव लड़ेंगे।

हम किसी से नहीं डरते, सच बोलते हैं... खुद के खिलाफ एफआईआर दर्ज होने पर बोले तेजस्वी यादव

पटना, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर एक 'आपत्तिजनक' पोस्ट को लेकर अपने खिलाफ एफआईआर दर्ज होने के बाद, राजद नेता तेजस्वी यादव ने शनिवार को कहा कि वह किसी भी एफआईआर से 'डरे हुए' नहीं हैं। उन्होंने पूछा कि क्या जुमला शब्द कहना अपराध बन गया है और आरोप लगाया कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सच्चाई से डर रही है। कटिहार में पत्रकारों से बात करते हुए, यादव ने कहा कि एफआईआर से कौन डरता है? 'जुमला' शब्द कहना भी अपराध बन गया है। वे सच्चाई से डरते हैं। हम किसी एफआईआर से नहीं डरते और हम सच बोलते हैं।

राजद नेता और बिहार के पूर्व उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव के खिलाफ सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ कथित आपत्तिजनक पोस्ट और अपमानजनक सामग्री को लेकर महाराष्ट्र के गढ़चिरौली में एफआईआर दर्ज की गई है। राजद प्रवक्ता शक्ति सिंह यादव ने कहा कि क्या चुनाव आयोग ने प्रधानमंत्री मोदी के ख़िलाफ़ नफ़रत भरे भाषण के लिए कोई कार्रवाई की या एफ़आईआर दर्ज की... हालाँकि, विपक्ष के लोगों के साथ ऐसा अक्सर होता रहता है। लेकिन इससे कौन डरता है? जब सरकार आम लोगों के गुस्से से डर जाती है, तो वह अदालत और पुलिस का सहारा लेगी। लेकिन हम इससे नहीं डरेंगे। हम उन्हें आमने-सामने चुनौती देंगे।

सरकार विपक्ष की बात सुनेगी, लेकिन राष्ट्रीय हितों से समझौता नहीं... किरेन रिजिजू की दो टूक

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने ज़ोर देकर कहा कि सरकार विपक्ष द्वारा उठाए गए मुद्दों को सुनेगी, लेकिन राष्ट्रीय हितों से कभी समझौता नहीं करेगी। किरेन रिजिजू शुक्रवार को नई दिल्ली के शंकर लाल ऑडिटोरियम में एक सभा को संबोधित कर रहे थे। अपने आधिकारिक 'X' हैंडल पर एक पोस्ट साझा करते हुए केंद्रीय मंत्री ने इस घटनाक्रम की जानकारी दी। 'X' पोस्ट में कहा गया कि सरकार विपक्ष की बात सुनेगी, लेकिन राष्ट्रीय हितों से समझौता नहीं करेगी! हम 2047 तक विकसित भारत बनाने के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विज़न को पूरा करने के लिए समर्पित हैं! सभा को संबोधित करते हुए, किरेन रिजिजू ने कहा कि सरकार लोकतांत्रिक लोगों द्वारा चलाई जाती है और वे लोकतांत्रिक तरीके से

काम करते हैं, यही वजह है कि उन्होंने संसद के पहले तीन हफ़्तों में कोई विधेयक नहीं लाया। उन्होंने संसद में लगातार हो रहे हंगामे की ओर भी इशारा किया और कहा कि सरकार विपक्ष की बात सुनना चाहती है, लेकिन वे हमेशा हंगामा मचाते दिखते हैं। किरेन रिजिजू ने कहा कि हम देश की सुरक्षा के लिए काम करते हैं। आपने (विपक्ष ने) विशेष गहन संशोधन के बारे में सुना होगा। विपक्षी दलों ने संसद में खूब हंगामा किया। हम लोकतांत्रिक लोग हैं और हम लोकतांत्रिक तरीके से काम करते हैं, इसलिए हमने पहले तीन हफ्तों तक कोई विधेयक पारित नहीं किया। मंत्री ने कहा कि हम हर दिन विपक्ष से कहते रहे कि आप बहस और चर्चा में हिस्सा लें, सरकार एक महत्वपूर्ण विधेयक लेकर आई है। बहस में हिस्सा लेकर और सुझाव देकर अपना योगदान दें। हम विपक्षी दलों के सुझाव भी सुनना चाहते हैं। हमने उन्हें बार-बार कहा है, लेकिन वे सुनते ही नहीं हैं। उन्होंने कहा कि विपक्ष द्वारा संसद में लगातार व्यवधान के बावजूद, सरकार ने राष्ट्रहित में कई विधेयक पारित किए हैं। रिजिजू ने आगे कहा कि विपक्ष सरकार की नीतियों पर सवाल उठा सकता है, लेकिन संसद के कामकाज में बाधा नहीं डाल सकता।

अनिल अंबानी के मुंबई स्थित आवास पर सीबीआई का छापा

मुंबई, एजेंसी। रिलायंस समूह के अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक अनिल अंबानी की परेशानियां कम होने का नाम नहीं ले रही हैं। अब केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने मुंबई स्थित अनिल के आवास पर छापेमार कार्रवाई की है। कुछ ही दिन पहले प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने ओडिशा और पश्चिम बंगाल में अनिल अंबानी के ठिकानों पर छापेमारी की थी। ये कार्रवाई करोड़ों रुपये की कथित बैंक धोखाधड़ी मामले में बताई जा रही है।

अभी छापेमारी की आधिकारिक वजह सामने नहीं आई है, लेकिन बताया जा रहा है कि ये मामला कथित तौर पर 2,000 करोड़ रुपये के लोन घोटाले से जुड़ा है। 13 जून, 2025 को भारतीय स्टेट बैंक ने इस

खाते को फर्जी घोषित कर दिया था। एसबीआई ने इसकी सूचना भारतीय रिजर्व बैंक को भी दी थी। इसके बाद सीबीआई में शिकायत दर्ज करने की प्रक्रिया शुरू की गई और आज अनिल के आवास पर छापेमारी हुई है।

रिपोर्ट के मुताबिक, सीबीआई के अधिकारी सुबह करीब 7 बजे मुंबई के सीविंड स्थित अनिल के आवास पर पहुंचे। सूत्रों के हवाले से बताया कि 7 से 8 अधिकारी परिसर में पहुंचे और तलाशी ले रहे हैं। तलाशी के दौरान अनिल और उनका परिवार भी आवास पर मौजूद हैं। कुछ रिपोर्ट्स में कहा गया है कि अनिल के आवासा के अलावा कुछ अन्य जगहों पर भी छापेमारी हुई है। ईडी ने 31 जुलाई की शाम अनिल की कंपनियों से जुड़े भुवनेश्वर में 3 और कोलकाता में एक ठिकाने पर छापा मारा था। ये मामला करोड़ों रुपये की फर्जी बैंक गारंटी से जुड़ा हुआ है। इससे पहले 24 जुलाई को भी ईडी ने अनिल के मुंबई और दिल्ली समेत 50 से ज्यादा कंपनियों और ठिकानों पर छापेमारी की थी और दर्जनों लोगों से पूछताछ की गई थी। ये छापेमारी 3,000 करोड़ रुपये के लोन घोटाले से जुड़ी थी। रिलायंस समूह की कंपनियों को 2017-2019 के बीच यस बैंक से करीब 3,000 करोड़ रुपये का लोन मिला था।

कांग्रेस एमएलए केसी वीरेंद्र गिरफ्तार, छापेमारी में मिला 12 करोड़ कैश और सोना-चांदी

बेंगलुरु, एजेंसी। कर्नाटक में कांग्रेस विधायक केसी वीरेंद्र को प्रवर्तन निदेशालय (ED) ने शनिवार को गिरफ्तार कर लिया है। विधायक वीरेंद्र को मनी लॉन्ड्रिंग मामले में गिरफ्तार किया गया है। शुक्रवार को ED ने वीरेंद्र के कई ठिकानों पर छापेमार कार्रवाई की थी। इस दौरान 12 करोड़ से ज्यादा कैश और सोना चांदी बरामद हुआ था। इसके साथ ही एक करोड़ से ज्यादा विदेश करेंसी बरामद की गई है।

बेंगलुरु की प्रवर्तन निदेशालय (ED) ने 22 और 23 अगस्त को देशभर में बड़ी कार्रवाई करते हुए अवैध सट्टेबाजी और ऑनलाइन गेमिंग रैकेट का भंडाफोड़ किया है। यह मामला कर्नाटक के चित्रदुर्ग जिले के विधायक के।सी। वीरेंद्र और उनके

करीबियों से जुड़ा हुआ है।

छापेमारी के दौरान 12 करोड़ से ज्यादा कैश बरामद

सूत्रों के मुताबिक, ईडी की टीमों ने एक साथ 31 जगहों पर छापेमारी की, जिनमें गंगटोक, चित्रदुर्ग, बेंगलुरु, हुबली, जोधपुर, मुंबई और गोवा शामिल हैं। गोवा में भी ईडी ने पांच बड़े कैसीनो पपीज़ कैसिनो गोल्ड, ओशन रिवर्स कैसीनो, पपीज़ कैसिनो प्राइड, ओशन 7 कैसीनो और बिग डैडी कैसिनो पर तलाशी ली। छापेमारी के दौरान ईडी को करीब 12 करोड़ रुपये नकद, जिसमें 1 करोड़ रुपये विदेशी करंसी भी शामिल है, लगभग 6 करोड़ रुपये का सोना, 10 किलो चांदी और चार लग्जरी गाड़ियां मिलीं हैं। इसके अलावा 17 बैंक खाते और 2 लॉकर भी फ्रीज कर दिए गए हैं।

बेटिंग साइट्स से कमाया पैसा

जांच में सामने आया है कि विधायक वीरेंद्र कई ऑनलाइन बेटिंग साइट्स जैसे King567 और Raja567 चला रहे थे। उनका भाई के।सी। थिप्पेस्वामी दुबई से तीन कंपनियांडायमंड सॉफ्टेक, टीआरएस टेक्नोलॉजीज और प्राइम 9 टेक्नोलॉजीज के ज़रिए यह धंधा संभाल रहा था। वहीं, एक और भाई के।सी। नागराज और उसका बेटा पृथ्वी एन। राज भी इस काम में शामिल बताए जा रहे हैं।

भागवत बोले- कृषि क्षेत्र में आत्मनिर्भर बन सकता है भारत, पारंपरिक खेती को आधुनिक तकनीक से जोड़ना जरूरी

मुंबई, एजेंसी। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के प्रमुख मोहन भागवत ने शनिवार को कहा कि अगर पारंपरिक खेती और देशी गायों के पालन को आधुनिक तकनीक के साथ जोड़ा जाए, तो भारत कृषि क्षेत्र में आत्मनिर्भर बन सकता है। भागवत 28वें ज्येष्ठ पशुवैद्य प्रतिष्ठान के स्थापना दिवस को संबोधित कर रहे थे। इस दौरान किसानों, पशु चिकित्सा से जुड़े स्नातकों और विशेषज्ञों को सम्मानित किया गया।

भागवत ने कहा कि आज दुनिया में जो अस्थिरता है, वह बताती है कि भारत को कृषि के क्षेत्र में आत्मनिर्भर होना जरूरी है। उन्होंने कहा कि अगर खेती और पशुपालन को आधुनिक तकनीक के साथ जोड़ा जाए, तो इसस किसानों को लाभ होगा और देश आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ेगा।

आरएसएस प्रमुख ने यह भी कहा कि पशु चिकित्सक उन जीवों की पीड़ा को समझने की कला जानते हैं, जो बोल नहीं सकते और उपचार के समय विरोध नहीं कर सकते। उन्होंने कहा कि प्राचीन पशु चिकित्सा विशेषज्ञ शालिहोत्र ने घोड़े की उम्र और गुणवत्ता जानने का विज्ञान बताया था। यह परंपरा हमारे लिए गर्व की बात है। उन्होंने आगे कहा कि अगर पश्चिमी तकनीक को जरूरत के अनुसार अपनाया जाए और उसे भारतीय खेती और पशुपालन के तरीकों के साथ जोड़ा जाए, तो इससे किसानों को काफी लाभ मिलेगा।

उन्होंने कहा कि लोगों का भरोसा देशी गायों और पारंपरिक खेती के तरीकों पर फिर से बढ़ रहा है। उन्होंने यह भी कहा कि भारतीय कृषि को आधुनिक तरीके से विकसित करके हम इस क्षेत्र में आत्मनिर्भरता की दिशा में बढ़ सकते हैं। इस मौके पर पशुपाल के क्षेत्र में अहम योगदान देने वाले किसानों और पशु चिकित्सकों को आदर्श किसान, आदर्श पशु चिकित्सक, उत्कृष्ट पशु चिकित्सक और आदर्श प्रोफेसर जैसे पुरस्कारों से सम्मानित किया गया। पशु चिकित्सा विज्ञान में सबसे ज्यादा अंक लाने वाले और अलग-अलग क्षेत्रों में अच्छा प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को भी सम्मानित किया गया और एक स्मारिका भी जारी की गई।

पाकिस्तानी विमानों के लिए 24 सितंबर तक बंद रहेगा भारतीय हवाई क्षेत्र, सरकार ने बढ़ाया समय

नई दिल्ली, एजेंसी। जम्मू-कश्मीर में हुए पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत की ओर से पाकिस्तानी विमानों के लिए बंद किए गए अपने हवाई क्षेत्र की अवधि को सरकार ने और आगे बढ़ा दिया है। भारत की ओर से जारी नोटिस टू एयरमेन के अनुसार, अब पाकिस्तानी विमान 24 सितंबर तक भारतीय हवाई क्षेत्र में दाखिल नहीं हो सकेंगे। इससे पहले पाकिस्तान ने भारतीय विमानों के लिए 24 अगस्त तक अपना हवाई क्षेत्र बंद किया था। भारत सरकार की ओर से 22 अगस्त को जारी नोटम के अनुसार, भारतीय हवाई क्षेत्र पाकिस्तान में पंजीकृत विमानों और सैन्य उड़ानों सहित पाकिस्तानी एयरलाइंस/ऑपरेटरों द्वारा संचालित/स्वामित्व वाले या पट्टे पर लिए गए विमानों के लिए भारतीय समयानुसार 24 सितम्बर को सुबह 05:30 बजे उपलब्ध नहीं होगा। बता दें कि भारत ने पहली बार 30 अप्रैल को पाकिस्तानी विमानों के लिए अपने हवाई क्षेत्र को बंद करने की घोषणा की थी। उसके बाद से इसे लगातार बढ़ाया जा रहा है। 22 अप्रैल को पहलगाम में हुए आतंकी हमले में 26 पर्यटकों की मौत हो गई थी। इसका बदला लेने के लिए भारत ने सिंधु जल संधि को निलंबित करने के साथ वीजा पर भारत आए पाकिस्तानी नागरिकों को वापस भेज दिया था। इसके बाद 30 अप्रैल को अपना हवाई क्षेत्र भी बंद कर दिया था। इसी तरह 6 मई की रात को 'ऑपरेशन सिंदूर' चलाकर 9 आतंकी ठिकानों को ध्वस्त कर 100 से अधिक आतंकियों को ढेर कर दिया था।

लाश के टुकड़े करने के लिए एक लाख में सौदा... पूर्व प्रधान ने इसलिए की प्रेमिका की हत्या; ये हैं वो दो कारण

आर्यावर्त संवाददाता

झांसी। झांसी के टोड़ी फतेहपुर में किशोरपुरा गांव में रचना यादव हत्याकांड मामले में पुलिस मुठभेड़ में घायल बदमाश गरौठा निवासी प्रदीप उर्फ दीपक अहिरवार ने कई सनसनीखेज खुलासे किए।

पूछताछ में उसने पुलिस को बताया रचना के प्रेमी पूर्व ग्राम प्रधान संजय पटेल ने रचना के शरीर के टुकड़े करने के लिए 15 हजार रुपये की पेशगी के साथ एक लाख रुपये देने का सौदा किया था। पैसा मिलने से पहले ही संजय गिरफ्तार हो गया। प्रदीप भी बृहस्पतिवार देर रात हुई मुठभेड़ के दौरान घायल होकर पुलिस के हत्थे चढ़ गया। पुलिस ने उसे जेल भेज दिया।

आरोपी प्रदीप ने पूछताछ के दौरान बताया कि नौ अगस्त को उसने

महेबा के पूर्व ग्राम प्रधान संजय पटेल उर्फ संजू एवं उसके भतीजे संदीप पटेल के साथ मिलकर रचना की हत्या की थी। पूर्व ग्राम प्रधान संजय पटेल के भतीजे संदीप से उसकी जेल में दोस्ती हुई थी। रचना ने संजय पटेल पर शादी का दबाव बनाना शुरू कर दिया।

संजय पटेल ने रची रचना को रास्ते से हटाने की साजिश

रचना के गर्भवती होने की आशंका से भी संजय पटेल परेशान था। रचना को रास्ते से हटाने के लिए संजय पटेल ने हत्या की साजिश रची। संदीप ने प्रदीप को भी शामिल कर लिया। शिनाख्त मिटाने के लिए संजय पटेल ने रचना के शव के टुकड़े करके फेंकने को कहा। यह काम प्रदीप को सौंपा।

कार में छिपाकर रखी थी कुल्हाड़ी और बोरी

उसे पेशगी के तौर पर 15 हजार रुपये दिए। काम होने पर एक लाख रुपये देने की बात कही। नौ अगस्त को रचना को रामराजा अस्पताल से डिस्चार्ज कराने के बाद संदीप और प्रदीप के साथ संजय पटेल कार में लेकर निकला। उन लोगों ने कुल्हाड़ी और बोरी कार में छिपाकर रखी थी।

आगे सीट पर बैठी रचना की संजय ने की थी हत्या

मौका मिलने पर संजय पटेल ने आगे सीट पर बैठी रचना का गला घोंट दिया। वहां से वह लोग किशोरपुरा गांव पहुंचे। यहां संदीप की मदद से प्रदीप ने शव के टुकड़े करके कुएं में फेंक दिए। हत्या के चार दिन बाद पुलिस ने 13 अगस्त को विनोद पटेल के खेत से रचना का कई टुकड़ों में बंटा शव बरामद किया था।

महिला की सिर कटी लाश की हुई शिनाख्त, मामले का खुलासा

झांसी के टोड़ी फतेहपुर के किशोरपुरा गांव में मिली महिला की सिर कटी लाश के मामले में पुलिस ने बुधवार को खुलासा कर दिया है। एसएसपी बीबी जीटीएस मूर्ति ने बताया कि महिला की हत्या प्रेम प्रसंग के चलते उसके प्रेमी एवं महेबा (टोड़ी फतेहपुर) के पूर्व ग्राम प्रधान संजय पटेल ने अपने भतीजे संदीप पटेल और गरौठा निवासी दोस्त प्रदीप उर्फ दीपक अहिरवार की मदद से की थी। महिला पूर्व ग्राम प्रधान पर शादी करने का दवाब बना रही थी। वह राजी नहीं था। इस वजह से प्रेमिका की गला घोंटकर हत्या करने के बाद शव के टुकड़े करके कुएं में फेंक दिए। शिनाख्त मिटाने के लिए सिर और पांव लखेरी नदी में फेंक दिए थे।

पुलिस ने प्रेमी और उसके भतीजे को किया गिरफ्तार

सात दिन की मशक्कत के बाद पुलिस हत्यारोपियों तक पहुंच सकी। पुलिस ने पूर्व ग्राम प्रधान संजय एवं उसके भतीजे संदीप को गिरफ्तार कर लिया था, जबकि प्रदीप फरार था। एसएसपी ने उस पर 25 हजार रुपये का इनाम घोषित कियास था। प्रदीप को भी बृहस्पतिवार देर रात हुई मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार कर लिया गया।

दो बोरियों में मिला था युवती का टुकड़ों में शव

एसएसपी ने बताया कि 13 अगस्त को विनोद पटेल के खेत से दो बोरियों में महिला का टुकड़ों में बंटा शव बरामद हुआ था। सिर की तलाश के लिए कुएं को खाली कराया गया लेकिन सिर नहीं मिला था। इसके लिए 10 टीमें लगाई गई थीं।

रचना का फोन भी आ रहा था स्विच ऑफ

छानबीन के दौरान पुलिस टीम के महेबा गांव पहुंचने पर गांव के लोगों ने उसके रचना होने की आशंका जाहिर की। उन लोगों ने टीकमगढ़ में रहने वाले रचना के भाई दीपक को इस बारे में बताया। दीपक ने अपनी बहन रचना को तलाशा, लेकिन उसका पता नहीं चला। फोन भी स्विच ऑफ था। दीपक बीते मंगलवार शाम टोड़ी फतेहपुर पहुंचा। पुलिस ने दीपक से रचना का फोन नंबर लेकर उसे सर्विलांस पर लगाया।

रात में शव के टुकड़े कर कुएं में फेंके

इसमें पूर्व ग्राम प्रधान संजय से उसकी कई बार फोन पर बात मिली। तलाश करने पर पूर्व ग्राम प्रधान घर से लापता मिला। देर रात दबिश देकर पुलिस ने उसे पकड़ लिया। पूछताछ करने पर उसने शव के रचना का होने की बात कुबूल कर ली। उसने बताया कि 9 अगस्त को उसने अपने भतीजे संदीप एवं दोस्त के साथ मिलकर रचना की हत्या की थी।

'माफ कर दो...नौकरी चली जाएगी', हाथ जोड़ बोला जीआरपी दीवान; चलती ट्रेन में सो रही छात्रा संग किया घिनौना कांड

आर्यावर्त संवाददाता

प्रयागराज। दिल्ली से आ रही प्रयागराज एक्सप्रेस में एक छात्रा से छेड़छाड़ की गई। आरोप है कि एस्कॉर्ट ड्यूटी पर तैनात जीआरपी के दीवान आशीष गुप्ता ने उसे गलत तरीके से छुआ और अभद्रता की। विरोध पर माफी मांगने लगा। छात्रा ने रेलवे हेल्पलाइन पर शिकायत दर्ज कराई।

प्रथमदृष्टया शिकायत सही पाए जाने पर आरोपी सिपाही को निलंबित कर दिया गया है। साथ ही मामले में जांच बैठा दी गई है। घटना 13 अगस्त की रात में हुई। प्रयागराज में रहकर पढ़ाई करने वाली एक छात्रा प्रयागराज एक्सप्रेस से दिल्ली से लौट रही थी। उसका आरोप है कि रात में वह सो रही थी। इसी दौरान वर्दी में आए एक दीवान ने उसे गलत तरीके से छुआ और अभद्रता की। नींद खुलने पर उसने विरोध किया तो वह भागने लगा। मोबाइल से वीडियो

बनाने पर माफी मांगने लगा।

छात्रा की आपबीती सुनकर बगल की सीट पर यात्रा कर रही महिला ने पूछताछ की तो दीवान उनसे भी माफी मांगने लगा। ट्रेन कानपुर पहुंचने वाली थी तभी यह घटना हुई। इसके बाद छात्रा ने रेलवे हेल्पलाइन 139 पर शिकायत दर्ज कराई।

आरोपी दीवान प्रयागराज जीआरपी थाने में तैनात

मामला जीआरपी अफसरों के संज्ञान में आया तो उन्होंने प्रारंभिक जांच कराई। पता चला कि आरोपी दीवान आशीष गुप्ता प्रयागराज जीआरपी थाने में तैनात है। प्रारंभिक जांच के बाद उसे निलंबित कर दिया गया।

वीडियो बनाने पर बोला, माफ कर दो... नौकरी चली जाएगी

घटना का वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हुआ है। 51 सेकंड के इस वीडियो के शुरू होते ही आरोपी दीवान हाथ जोड़कर माफी मांगता नजर आता है। इस दौरान छात्रा उससे पूछती है कि उसने ऐसा क्यों किया। बगल की सीट पर बैठी महिला उसे फटकारती है कि ट्रेन में उसकी ड्यूटी सुरक्षा के लिए है या यह सब करने के लिए।

इस पर दीवान हाथ जोड़कर बार-बार माफी मांगता नजर आता है। इससे पहले छात्रा के वीडियो बनाने व शिकायत करने की बात कहने पर वह

> प्रारंभिक जांच में शिकायत सही मिलने पर आरोपी दीवान को निलंबित कर दिया गया है। इस पूरे प्रकरण की जांच सीओ जीआरपी प्रयागराज को सौंपी गई है। आगे की कार्रवाई जांच रिपोर्ट के आधार पर की जाएगी।
>
> **- प्रशांत वर्मा एसपी, जीआरपी प्रयागराज**

यह कहता भी सुनाई पड़ता है कि माफ कर दो... नौकरी चली जाएगी।

एफआईआर दर्ज कराने से इन्कार

जीआरपी थाना प्रभारी राजीव रंजन उपाध्याय ने बताया कि छात्रा ने फिलहाल कोई तहरीर नहीं दी है। संपर्क करने पर उसने कहा कि वह एफआईआर नहीं दर्ज कराना चाहती। उसने घटना की शिकायत रेलवे कंप्लेंट हेल्पलाइन पर कर दी है।

ससुर से की 20 लाख की ठगी, दामाद पर दर्ज हुआ मुकदमा

सुल्तानपुर। कुड़वार थाना क्षेत्र के बांसिं गांव निवासी बुजुर्ग चंद्रमान सिंह से 20 लाख रुपये की ठगी का सनसनीखेज मामला सामने आया है। कोर्ट के आदेश पर साइबर थाने में मुकदमा दर्ज कर पुलिस ने जांच शुरू कर दी है।पीड़ित चंद्रमान सिंह ने बताया कि उनकी पुत्री प्रियंका सिंह की शादी हलियापुर के जरईकला निवासी दीपक सिंह से हुई है। हलियापुर निवासी आरोपी रामसिंह ने उनके दामाद दीपक सिंह के सहारे उनसे नजदीकियां बढ़ाईं। आरोप है कि वर्ष 2024 में आरोपी ने झांसा देकर पहले दो लाख रुपये अपनी कथित कंपनी के खाते में जमा कराए और ब्याज के नाम पर रकम लौटाने का भरोसा दिलाया। इसके बाद धीरे-धीरे अलग-अलग किश्तों में करीब 20 लाख रुपये मार्च 2025 तक आरोपी के खाते में ट्रांसफर करवा लिए।चंद्रमान सिंह का कहना है कि जब उन्होंने रकम वापसी का दबाव बनाया तो आरोपी ने मोबाइल बंद कर लिया।

संस्कृति बोध परियोजना के अन्तर्गत महासम्पर्क अभियान का हुआ उद्घाटन

आर्यावर्त संवाददाता

सुलतानपुर। सरस्वती विद्या मन्दिर वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय ज्ञान कुंज विवेकानन्द नगर सुल्तानपुर में संस्कृति बोध परियोजना के अन्तर्गत महासम्पर्क अभियान का उद्घाटन करते हुए विद्यालय के प्रधानाचार्य राकेश मणि त्रिपाठी ने संस्कृति बोध परियोजना के महत्व पर प्रकाश डाला। तथा उसे एक महान पुनीत कार्य बताते हुए,समाज में सनातन संस्कृति को जन-जन तक पहुंचाने का आह्वान किया। उन्होंने उद्घाटन सत्र में उपस्थित आचार्य बन्धु भगिनी एवं भैया बहनों से आग्रह किया कि इस महा यज्ञ को सम्पन्न कराने में आप सभी लोग अपना-अपना योगदान सुनिश्चित करें । संस्कृति बोध परियोजना प्रमुख रणविजय सिंह ने संस्कृति बोध परियोजना के सन्दर्भ में संचालित किए जाने वाले कार्यक्रमों की रुपरेखा प्रस्तुत की।इस अवसर पर उप प्रधानाचार्य रवीन्द्र तिवारी संस्कृति बोध परियोजना के अन्य सहयोगी आचार्य राजबहादुर शर्मा, अनिल पाण्डेय, महेश शुक्ल, श्रद्धा सिंह, शशी द्विवेदी, ज्योति त्रिपाठी,शोभा रानी, सीमा यादव, आरती जी समेत परियोजना के विविध कार्यक्रमों के प्रमुख भी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन संजीव चतुर्वेदी ने किया।

पति ने की मौत की 'भविष्यवाणी', पत्नी ने सच कर दिखाया, साड़ी के पल्लू से घोंट दिया गला, पिता बोले- पता होता तो...

आर्यावर्त संवाददाता

गोंडा। उत्तर प्रदेश के गोंडा जिले से एक दिल दहला देने वाली वारदात सामने आई है। यहां वैवाहिक कलह और नशे की लत ने एक परिवार को उजाड़ दिया। पत्नी ने ही अपने पति का गला साड़ी के पल्लू से कस दिया, जिससे उसकी मौत हो गई। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में खुलासा होने के बाद पिता की तहरीर पर पुलिस ने आरोपी पत्नी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। इस घटना ने पूरे गांव को हिला कर रख दिया है।

घटना कटरा बाजार थाना क्षेत्र के कस्बा पहाड़ापुर की है। यहां रहने वाले 25 वर्षीय शिवम शुक्ल की मौत ने पूरे इलाके में सनसनी फैला दी है। पुलिस ने खुलासा करते हुए बताया कि शिवम की हत्या उसकी पत्नी निशा शुक्ला ने ही की थी। वारदात में प्रयुक्त साड़ी को पुलिस ने बरामद कर लिया है और आरोपी पत्नी को

गिरफ्तार कर लिया गया है।

कोतवाल राजेश सिंह ने बताया कि पति-पत्नी के बीच लंबे समय से विवाद चल रहा था। 16 अगस्त की रात शिवम गांव में जन्माष्टमी कार्यक्रम देखकर देर रात नशे की हालत में घर लौटा। इसके बाद दोनों के बीच झगड़ा बढ़ा और हाथापाई तक पहुंच गया। इसी दौरान गुस्से में आकर निशा ने अपनी ही साड़ी से पति का गला कस दिया। और उसकी सांसें थमने तक नहीं छोड़ा। कॉल डिटेल की जांच में किसी अन्य व्यक्ति की संलिप्तता नहीं मिली। पूछताछ में निशा ने अपना अपराध स्वीकार करते हुए बताया कि शिवम रोज नशे में धुत होकर घर आता था और आए दिन उसे पीटता था। जन्माष्टमी की रात भी वही हुआ। लेकिन इस बार उसने सबकुछ खत्म करने का फैसला कर लिया।

मृतक ने 2 दिन पहले जो बताया वह सच निकला

मृतक के पिता की मानें तो हत्या से दो दिन पहले शिवम ने अपनी मां ममता शुक्ला से कहा था। निशा मुझे जिंदा नहीं देखना चाहती, एक दिन वो मुझे मार डालेगी। परिजनों ने उस समय बेटे को समझाकर शांत करा दिया। पिता लल्लू शुक्ला का कहना है- अगर हमें जरा भी अंदाजा होता कि शिवम की बात सच हो जाएगी, तो निशा को मायके भेज देते। कम से कम बेटे की जान बच जाती।

नासरा बानो ने साबिरा बानो के आरोपों का किया खंडन

सुलतानपुर। शिक्षा क्षेत्र बल्दीराय के गांव कस्बा माफियात की संस्था मदरसा टी. निशा. पर अवैध जमीन पर संचालन और बिना मान्यता के चलने के आरोपों को संस्था की प्रधानाचार्य नासरा बानो ने खारिज कर दिया है। नासरा बानो का कहना है कि विपक्षी साबिरा बानो द्वारा लगाए गए आरोप बेबुनियाद और निराधार हैं। *आरोपों का खंडन* नासरा बानो ने बताया कि मदरसा संचालन के लिए स्वर्गीय सफदर हुसैन ने अपना मकान 3 दिसंबर 1997 को तहसील मुसाफिरखाना में हिबानामा कर दिया था, जिसके दस्तावेज मौजूद हैं। संस्था को कक्षा 1 से 10 तक की मान्यता प्राप्त है और आलिम यानी कक्षा 12 की मान्यता के लिए प्रयास जारी हैं। मान्यता प्राप्त होने पर ही कक्षा 12 तक की कक्षाओं का संचालन किया जायेगा । कब्रिस्तान की जमीन से संस्था का कोई लेना देना नहीं है मौके पर कब्रिस्तान की जमीन सुरक्षित है ।

आंखों में आंसू और हाथों में झोला, अंदर थी नवजात की लाश रोते-रोते डीएम के पास पहुंचा पिता, बताई डॉक्टरों की करतूत

आर्यावर्त संवाददाता

लखीमपुर खीरी। उत्तर प्रदेश के लखीमपुल खीरी स्थित एक निजी अस्पताल में डिलीवरी के दौरान एक नवजात की मौत हो गई। इसके बाद नाराज पिता नवजात के शव को झोले में लेकर कलेक्ट्रेट पहुंच गया। यह देख अधिकारियों के हाथ-पांव फूल गए। उसने अस्पताल पर लापरवाही का आरोप लगाया और वहां चीख-चीखकर अपने साथ हुई बदसलूकी की कहानी सुनाई। मामले की सूचना पर सीएमओ, एसडीएम और कोतवाल फोर्स एक साथ मौके पर पहुंच गए। सीएमओ ने अस्पताल को सील कर दिया है और पूरे मामले की जांच की जा रही है।

मामला भीरा थाना क्षेत्र के नौसर गांव हैं। यहां के रहने वाले विपिन गुप्ता की पत्नी के गर्भवती थी। महिला को प्रसव पीड़ा होने पर गोलदार अस्पताल में भर्ती कराया गया। आरोप है कि उसकी गर्भवती पत्नी को निजी गोलदार अस्पताल में धक्का देकर बाहर निकाल

दिया गया। उसका प्रसव भी नहीं कराया गया। पीड़ित ने बताया कि अस्पताल में 8 हजार रुपये जमा किये लेकिन पैसे कम होने की वजह से इलाज नहीं किया गया और हालत बिगड़ने पर उसे अस्पताल से बाहल निकल दिया गया। इसके बाद महिला को दूसरे अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उसने मृत बच्चे को जन्म दिया।

अस्पताल में महिला के साथ अभद्रता

पति ने आरोप लगाया है कि उसकी पत्नी के साथ बहुत ही अभद्रता से व्यवहार किया गया। उसने कहा गोलदार अस्पताल की लापरवाही ने उनके बच्चे की जान ले ली और पत्नी की जिंदगी भी खतरे में डाल दी है। विपिन ने अस्पताल पर कार्रवाई की मांग की है। मामले को संज्ञान में लेते हुए अधिकारियों ने तुरंत सीएमओ डॉक्टर संतोष गुप्ता व एसडीएम सदर अश्विनी कुमार को आदेश दिया, कि वे तत्काल जाएं और अस्पताल को सील करने के साथ ही महिला के साथ बदसलूकी करने वालों पर कठोर कार्रवाई करें। इसके बाद गोलदार अस्पताल को सील कर वहां के मरीजों को सुरक्षित जिला महिला अस्पताल में शिफ्ट कराया।

डीएम ने उठाया इलाज का खर्च

मामले में डीएम ने निर्देश दिये कि प्रसूता के इलाज में कोई कमी नहीं होनी चाहिए। उसे अच्छे से अच्छा इलाज मुहैया कराया जाए। प्रशासन ने पीड़ित को हर संभव मदद उपलब्ध कराने को कहा है। अब उसकी स्थिति में सुधार हो रहा है। मामले में डीएम ने खुद प्रसूता का पूरा खर्ज वहन करने की जिम्मेदारी उठाई है।

किसान की समस्याओं को अनदेखा कर रही है भाजपा : अभिषेक सिंह राणा

खाद संकट को लेकर कांग्रेस का जोरदार प्रदर्शन, सौंपा ज्ञापन

आर्यावर्त संवाददाता

सुलतानपुर। जनपद में खाद संकट, कालाबाजारी और किसानों की समस्याओं को लेकर शनिवार को कांग्रेस कार्यकर्ता सड़कों पर उतर आए। जिलाध्यक्ष अभिषेक सिंह राणा के नेतृत्व में जिला व शहर कांग्रेस कमेटी के सैकड़ों कार्यकर्ताओं ने नारेबाजी करते हुए जिला कार्यालय से कलेक्ट्रेट तक मार्च निकाला। कलेक्ट्रेट के मुख्य गेट पर घंटों विरोध-प्रदर्शन के बाद उन्होंने जिलाधिकारी के माध्यम से महामहिम राज्यपाल को संबोधित ज्ञापन सिटी मजिस्ट्रेट को सौंपा।ज्ञापन में किसानों को यूरिया-डीएपी की उपलब्धता सुनिश्चित करने, खाद की कालाबाजारी रोकने वाले दुकानदारों पर कठोर कार्रवाई, किसानों को मुफ्त सिंचाई हेतु बिजली उपलब्ध कराने

और शहर में विद्यालयों की छुट्टी के समय लगने वाले जाम से निजात दिलाने की मांग की गई।कांग्रेस जिलाध्यक्ष अभिषेक सिंह राणा ने कहा कि भाजपा सरकार किसानों की समस्याओं को पूरी तरह नजरअंदाज कर रही है। किसान समितियों पर सुबह से लाइन में लगे रहते हैं लेकिन उन्हें खाद नहीं मिलती। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि जल्द ही खाद की उपलब्धता सुनिश्चित नहीं हुई और कालाबाजारी पर अंकुश नहीं लगाया गया तो कांग्रेस बड़े आंदोलन के लिए बाध्य होगी।शहर कांग्रेस अध्यक्ष शकील अंसारी ने भाजपा सरकार को किसान विरोधी बताते हुए कहा कि किसानों को खाद-पानी-बिजली देने की बजाय लाठियां दी जा रही हैं, जो बेहद निंदनीय है। वहीं मुख्य अतिथि के रूप में पहुंचे एआईसीसी सदस्य बीपी सिंह ने कहा कि भाजपा को किसानों की याद सिर्फ चुनाव के समय आती है, चुनाव बाद किसानों के हित भुला दिए जाते हैं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस हमेशा किसानों की लड़ाई लड़ती आई है और आगे भी लड़ती रहेगी।इस मौके पर निकलेश सरोज, स्वेच्छा सिंह, नफीस फारूकी, मनोज तिवारी, किसान कांग्रेस अध्यक्ष ओम प्रकाश सिंह, सलाहुद्दीन हाशमी, अपरबल सिंह, रियाज अहमद, अरुण त्रिपाठी, अतहर नवाब, ओम प्रकाश त्रिपाठी, मोहम्मद अनवर, असलम अंसारी, आवेश अहमद, सुब्रत सिंह, ममनून आलम, अनवर हुसैन, उमाकांत त्रिपाठी, विनय त्रिपाठी, नंद लाल मौर्या, विभु पांडेय, हर्ष नारायण शुक्ला समेत सैकड़ों कांग्रेस कार्यकर्ता मौजूद रहे।

शिक्षा मित्र से शिक्षक बने शिक्षकों ने पेंशन विकल्प पत्र भरवाने का बीएसए को सौंपा ज्ञापन

सुलतानपुर। जनपद में शिक्षामित्र से अध्यापक बने शिक्षकों ने संयुक्त समायोजित शिक्षक संघ के पदाधिकारियों के साथ उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक संघ के शिक्षक नेता रणवीर सिंह के संरक्षण में जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी उपेन्द्र गुप्ता से मिलकर सचिव बेसिक शिक्षा परिषद प्रयागराज के दिनांक 19/7/2024 को जारीआदेश के क्रम में उत्तर प्रदेश रिटायरमेंट बेनिफिट रूल 1961 केअधीन कबर होने वाले ऐसे शिक्षक/शिक्षणेत्तर कर्मी जिनका चयन रिक्त पदों के सापेक्ष दिनांक 28 मार्च 2005 के पहले जारी विज्ञापन के आधार पर हुआ है के द्वारा पुरानी पेंशन का विकल्प पत्र भरा जाना है के आधार पर पुरानी पेंशन विकल्प पत्र भरवाये जाने संबंधी आदेश निर्गत करने हेतु जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी सुल्तानपुर श्री उपेन्द्र गुप्ता से मिलकर मांग पत्र सौंपा।

हरा नीम का पेड़ कटवाने के लिए ठेकेदार को लेकर पहुंचा सिपाही

आर्यावर्त संवाददाता

सुलतानपुर। बल्दीराय थाना क्षेत्र में इन दिनो वन विभाग व स्थानीय पुलिस के संरक्षण में हरे वृक्ष की कटान चरम पर हैं पुलिस की रवैया तो इतनी खतरनाक हो गई है कि हल्का सिपाही स्वंय ही ठेकेदार को हरा वृक्ष कटवाने के लिए कटान स्थल तक पहुंचा रहा है इसका एक वीडियो शोसल मीडिया पर वायरल हुआ तो जिले के पुलिस अधीक्षक अनुपम सिंह निश्पक्षता पर सवाल खड़े हुए है।

मामला बल्दीराय थाना क्षेत्र के ग्राम कुमासी मजरे रसहरा का है गांव की निवासिनी कुलसुम पत्नी कलीम ने उप जिलाधिकारी बल्दी राय को एक शिकायती पत्र देकर आरोप लगाया है कि उसके सहन दरवाजे पर एक बहुत पुराना नीम का पेड़ है जिसे कटवाने के लिए थाना बल्दीराय का

सिपाही विशाल वन माफिया को लेकर गांव पहुंचा तो ग्रामीणो ने उसकी एक वीडियो बना कर शोसल मीडिया पर वायरल कर दी देखते देखते नीम के पेड़ की दो डाल भी काट डाला जब पेड़ मालिक को पता चला तो विरोध करने लगा जब सिपाही की करतूत की वीडियो लोग बनाने लगे वीडियो बनता देख सिपाही विशाल ने मोबाइल छीन लिया तब तक आस पड़ोस के लोग भी जमा हो गए। भीड़ बढ़ती देख तुरंत सिपाही सहित ठेकेदार एक ही बाइक पर बैठ कर धमकी देते हुए भाग गए।

इस घटना के संबंध में कुलसुम निशा पत्नी कलीम ने उपजिलाधिकारी को प्रार्थना पत्र देकर आरोप लगाया है कि गांव के ही अरबाज कुरैसी व प्रधान प्रतिनिधि जुनेद ने जबरन पुलिस की मदद से नीम का हरा पेड़ कटवा रहे थे।मना करने पर भद्दी भद्दी गालियां व जान से मारने की धमकी देते हुए भाग गए। प्रार्थिनी ने बताया कि ये लोग दबंग सरहंग किस्म के लोग हैं पुलिस से मिलकर कभी भी मेरे खिलाफ साजिस रच सकते है। फिलहाल पुलिस की इस कार्य शैली को लेकर साफ छवि के लिए चर्चित कोतवाल नारद मुनि सिंह की छवि को यह हल्का सिपाही धूमिल कर रहा है।

सीएम योगी ने गोरखपुर को दी बड़ी सौगात, विपक्ष पर किया तीखा प्रहार, कहा- यूपी में अब हावी नहीं हो सकती माफिया प्रवृत्ति

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को कहा कि आज दंगामुक्त, माफियामुक्त उत्तर प्रदेश हकीकत है। अब यूपी में माफिया प्रवृत्ति हावी नहीं हो सकती। माफिया प्रवृत्ति को जड़मूल से उखाड़ दिया गया है। अब गुंडे यहां बहन, बेटियों और व्यापारियों के लिए खतरा नहीं बन सकते। गोरखपुर में दो कल्याण मंडपम (मानबेला व राप्तीनगर विस्तार योजना) का लोकार्पण करने के बाद मानबेला में उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुये उन्होने कहा कि आठ वर्ष पूर्व तक कोई सोच भी नहीं सकता था कि उत्तर प्रदेश दंगामुक्त और माफियामुक्त होगा मगर अब यूपी का आमजन परेशान नहीं होता और न ही यहां के नौजवानों को रोजगार के लिए भटकना पड़ता है। दोनों कल्याण मंडपम का निर्माण गोरखपुर विकास प्राधिकरण (जीडीए) द्वारा क्रमशः 2 करोड़ 65 लाख तथा 85 लाख रुपये की लागत से कराया गया है। मानबेला में बने कल्याण मंडपम के लिए मुख्यमंत्री ने अपनी विधायक निधि से धनराशि दी है। कल्याण मंडपम के लोकार्पण समारोह में सीएम योगी ने कहा कि उत्तर प्रदेश में सकारात्मक बदलाव इसलिए आया है कि 2017 से जनता ने अच्छी सरकार चुनी। अच्छी सरकारें अच्छे के लिए सोचती हैं। मुख्यमंत्री ने जनता के बीच कुछ सवाल रखे और फिर उसका जवाब भी दिया। कहा कि उत्तर प्रदेश में निवेश, फोरलेन कनेक्टिविटी, बंद खाद कारखाने को दोबारा चलाने, नए उद्योग लगवाने के बारे में कोई सोच भी नहीं सकता था। पर, आज देश में सबसे ज्यादा निवेश यूपी में हो रहा है। बड़े-बड़े उद्योग लग रहे हैं। हर तरफ फोरलेन सड़कों की कनेक्टिविटी हो रही है। गोरखपुर का बंद खाद कारखाना दोबारा चालू हो गया है। उन्होने मानबेला के जिस क्षेत्र में कल्याण मंडपम का लोकार्पण किया, वह क्षेत्र 2017 तक इंसेफेलाइटिस की चपेट वाला माना जाता था। इंसेफेलाइटिस के इलाज और उन्मूलन के लिए सांसद के रूप में लंबा संघर्ष करने वाले योगी को यह बात याद है। इसका उल्लेख भी उन्होंने अपने संबोधन में किया। कहा कि आठ वर्ष पूर्व इस सीजन में नवकी बीमारी (इंसेफेलाइटिस) से बहुत सारे बच्चे काल के गाल में समा जाते थे। आठ वर्षों में सरकार ने इंसेफेलाइटिस और उसके कारकों का इलाज तो किया ही, प्रदेश को बीमार हाल पर छोड़ देने वाली बीमार मानसिकता का भी इलाज किया। यहां उनका इशारा पूर्व की सरकार की तरफ था। मानबेला में इंसेफेलाइटिस के दौर को याद कर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भावुक हो गए। कहा कि आठ वर्ष पहले इंसेफेलाइटिस का समाधान सोचना भी मुश्किल लगता था लेकिन आज इसका समाधान डबल इंजन सरकार द्वारा तय लक्ष्य से पहले हो गया है।

कायस्थ समाज महिला शाखा की नवनिर्वाचित पदाधिकारियों का स्वागत

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। कायस्थ समाज (महिला शाखा) उत्तर प्रदेश ने शुक्रवार की देर शाम सहारा शापिंग काम्प्लेक्स कार्यालय में प्रदेश अध्यक्ष शेखर कुमार के नेतृत्व में भव्य कार्यक्रम आयोजित किया। कार्यक्रम की शुरुआत चित्रगुप्त वन्दना से हुई।

इस मौके पर प्रदेश अध्यक्ष-कायस्थ समाज महिला सुनीता श्रीवास्तव ने सभी नवनिर्वाचित पदाधिकारियों का स्वागत करते हुए कहा कि अब आपकी जिम्मेदारी समाज के प्रति बहुत बढ़ गई है। इसके साथ ही राजनीतिक परिदृश्य में भी जबर्दस्त भागीदारी सुनिश्चित करनी होगी। निधि श्रीवास्तव को प्रदेश वरिष्ठ उपाध्यक्ष, श्रद्धा श्रीवास्तव को प्रदेश वरिष्ठ महामंत्री, निधि श्रीवास्तव को प्रदेश संगठन महामंत्री, सारिका श्रीवास्तव को प्रदेश महामंत्री, दीप्ति श्रीवास्तव को महामंत्री व अमृता खरे को प्रदेश संगठन महामंत्री, अनुपमा श्रीवास्तव, बिन्दु श्रीवास्तव, प्रतिभा श्रीवास्तव, अमृता श्रीवास्तव, मालविका श्रीवास्तव को प्रदेश उपाध्यक्ष,अंजना श्रीवास्तव सचिव, वर्षा श्रीवास्तव को प्रदेश प्रशासनिक, अनिता श्रीवास्तव को मीडिया प्रभारी, संगीता, सुमन, प्रीति, शैलजा सहित 21 लोगों की कार्यकारिणी सदस्य घोषित किया। सुनीता श्रीवास्तव ने सभी को सम्मानित किया। प्रदेश अध्यक्ष शेखर कुमार ने सभी नवनिर्वाचित पदाधिकारियों का स्वागत करते हुए सभी को बखूबी जिम्मेदारियों के निर्वहन की बात कही। लखनऊ नगर निगम चुनाव में 20 पार्षदों को चुनाव लड़ाने का पुनः संकल्प लेते हुए पांच महिलाओं को चुनाव लड़ने का आश्वासन लिया। शेखर कुमार ने प्रदेश अध्यक्ष महिला सुनीता श्रीवास्तव से आग्रह किया कि प्रदेश का दौरा करते हुए महिलाओं में राजनीतिक चेतना पैदा करते हुए संगठन को और मजबूत करें। कार्यक्रम में लखनऊ खण्ड स्नातक प्रत्याशी प्रो. आर्किटेक्ट सुनील कुमार श्रीवास्तव की विशेष उपस्थिति रही, उनको सम्मानित किया गया। मंच संचालन निधि श्रीवास्तव ने किया और समापन श्रद्धा श्रीवास्तव ने किया।

रक्षाबंधन पर महिलाओं को मिली फ्री बस यात्रा की सौगात, परिवहन निगम ने बनाया रिकॉर्ड

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। उत्तर प्रदेश सरकार ने विगत वर्षों की भांति इस बार भी रक्षाबंधन पर्व पर महिलाओं के लिए निशुल्क बस यात्रा की सुविधा उपलब्ध कराई। इस वर्ष यह सुविधा रिकॉर्ड 66 घंटे तक दी गई, जिसमें महिलाओं के साथ एक सहयात्री को भी मुफ्त यात्रा करने का अवसर मिला। प्रदेश सरकार की यह पहल महिलाओं, बहनों और बेटियों के सम्मान और सशक्तिकरण की दिशा में उठाया गया एक अत्यंत सराहनीय कदम साबित हुई।उत्तर प्रदेश राज्य सड़क परिवहन निगम ने इस अवसर पर कीर्तिमान स्थापित करते हुए बताया कि निगम की बसों से इस बार लगभग 63 लाख महिलाओं और 15 लाख सहयात्रियों ने मुफ्त यात्रा की। निगम ने लाखों बहनों को उनके भाइयों और परिवार तक सुरक्षित पहुंचाने का दायित्व बखूबी निभाया और रक्षाबंधन के इस पावन पर्व को सफल बनाने में अपनी पूरी भूमिका निभाई। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इस अवसर पर परिवहन निगम की सराहना करते हुए कहा कि यह कदम न केवल महिलाओं की गरिमा और सुरक्षा को नई दिशा देता है। बल्कि समाज में सरकार की जनहितकारी सोच का भी प्रतीक है। मुख्यमंत्री ने निगम के अधिकारियों और कर्मचारियों की मेहनत और समर्पण की प्रशंसा की, जिन्होंने पूरे उत्साह और जिम्मेदारी के साथ रक्षाबंधन पर बसों का संचालन किया।रक्षाबंधन पर्व के दौरान परिवहन निगम ने प्रदेश के सभी 20 क्षेत्रों में कुल 11,813 बसों का संचालन किया। निगम ने बड़ी संख्या में बसों की उपलब्धता सुनिश्चित कर महिलाओं और उनके परिजनों को निर्बाध यात्रा की सुविधा दी।

उत्तर प्रदेश राजकीय पुरातत्व विभाग ने मौद्रिक इतिहास पर व्याख्यान का आयोजन

लखनऊ। उत्तर प्रदेश राजकीय पुरातत्व विभाग द्वारा आयोजित पुरातत्त्व अभिरुचि पाठ्यक्रम के चौथे दिन दो सत्रों में मौद्रिक विकास पर विशेष व्याख्यान आयोजित किए गए। कार्यक्रम में डॉ. अमित कुमार उपाध्याय, प्रोफेसर, प्राचीन भारतीय इतिहास, संस्कृति एवं पुरातत्व विभाग, काशी हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी ने "भारतीय मौद्रिक विकास की यात्रा: प्रारंभ से गुप्त काल तक" और "गुप्तोत्तर काल से 12वीं शताब्दी ई. तक" विषयों पर पीपीटी के माध्यम से विस्तृत व्याख्यान प्रस्तुत किए।डॉ. उपाध्याय ने बताया कि मुद्राएँ केवल लेन-देन का माध्यम नहीं, बल्कि इतिहास, कला, संस्कृति और आर्थिक स्थिति की झलक भी हैं। उन्होंने पंचमार्क सिक्कों से लेकर गुप्तकालीन स्वर्ण मुद्राओं तक की ऐतिहासिक यात्रा का चित्रण किया और सिक्कों पर अंकित प्रतीकों, लिपियों तथा कलात्मक आकृतियों की पुरातात्त्विक महत्ता और निर्माण तकनीकों के विकास पर प्रकाश डाला।

पेट्रोल पंप में हिस्सेदारी का झांसा देकर 54 लाख की ठगी

जानकीपुरम पुलिस ने आरोपी को दबोचा

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। पुलिस कमिश्नरेट के जानकीपुरम थाना क्षेत्र में पेट्रोल पंप की साझेदारी दिलाने के नाम पर करोड़ों का फर्जीवाड़ा करने वाले आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। मामला उस समय सामने आया जब पीड़िता सुलक्षणा मिश्रा ने थाना जानकीपुरम में तहरीर दी कि आरोपी राम नारायण त्रिवेदी ने उन्हें और उनके पति को भारत पेट्रोलियम कंपनी लिमिटेड के पेट्रोल-डीजल पंप के लाइसेंस में 50 प्रतिशत हिस्सेदारी दिलाने का झांसा दिया और इसके एवज में 54 लाख रुपये हड़प लिए। जब पीड़िता ने पैसे वापस मांगे तो उन्हें जान से मारने की धमकी दी गई। पुलिस ने पीड़िता की शिकायत पर मुकदमा पंजीकृत किया और विवेचना के दौरान पर्याप्त सबूत मिलने पर मामले में गंभीर धाराओं की बढ़ोतरी की। जांच आगे बढ़ाते हुए थाना जानकीपुरम पुलिस की टीम ने उ0नि0 हेमेन्द्र सिंह के नेतृत्व में दबिश दी और आरोपी राम नारायण त्रिवेदी को सीतापुर के विजयलक्ष्मी नगर से गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने बताया कि गिरफ्तार आरोपी राम नारायण त्रिवेदी उम्र 63 वर्ष, मूल रूप से सीतापुर जिले के अढावल खुर्द, मजलिसपुर का रहने वाला है। और वर्तमान में विजयलक्ष्मी नगर, सीतापुर में रहता था।जानकीपुरम पुलिस के अनुसार आरोपी ने पेट्रोल पंप के लाइसेंस में हिस्सेदारी दिलाने के नाम पर पीड़ित परिवार से धोखाधड़ी की और रकम हड़प ली। उसके खिलाफ मुकदमा अपराध संख्या 108/2025 धारा 351(2), 318(4), 338, 336(3), 340(2), 61(2)a बीएनएस के तहत कार्रवाई की गई है। पुलिस आरोपी के अन्य आपराधिक इतिहास की भी जांच कर रही है।गिरफ्तारी करने वाली टीम में व0उ0नि0 जितेन्द्र कुमार वर्मा, उ0नि0 हेमेन्द्र सिंह, म0उ0नि0 सुश्री शिवानी वर्मा और का0 गोविंद सिंह शामिल रहे।

संक्षेप

सरिया लदा ट्रक गायब करने वाले गिरोह का सदस्य पश्चिम बंगाल से गिरफ्तार

लखनऊ। सुशान्त गोल्फ सिटी इलाके से सरिया से लदा ट्रक गायब करने वाले गिरोह के वांछित 01 शातिर अभियुक्त को पश्चिम बंगाल राज्य से गिरफ्तार कर शनिवार को जेल भेज दिया गया। पुलिस के मुताबिक अजय कंसल निवासी म0नं0 209 सेक्टर आई शिवबिहार कालोनी जानकीपुरम थाना मडियांव, लखनऊ के द्वारा दिनांक 26 मई 2025 को रिपोर्ट दर्ज कराई गई कि (ट्रक नं0-BR11GA-2250) के चालक धनंजय ओझा पुत्र वरिन्द्र ओझा निवासी अमृतपुर चकदहा सुरी, बीरभूम (पश्चिम बंगाल) दिनांक 14 मई 2025 को ट्रक को लेकर बक्कास रेलवे स्टेशन के लिए निकलना जो नही पहुंचा। इस प्रकरण में प्रकाश में आए 01 अभियुक्त शमशेर को दिनांक 07 जून 2025 को गिरफ्तार कर जेल भेजा जा चुका है। प्रकरण में वांछित अन्य लोगों की तलाश की जा रही थी जिसके क्रम में प्रकाश में आए अभियुक्त रमेश बाल्मीकि उर्फ छोटू को पुलिस थाना दुर्गापुर जिला पश्चिम वर्धमान पश्चिम बंगाल व थाना सुशान्त गोल्फ सिटी की संयुक्त पुलिस टीम द्वारा अभियुक्त रमेश बाल्मीकि उर्फ छोटू निवासी निकट हनुमान मंदिर कोटमोर थाना दुर्गापुर जिला पश्चिम वर्धमान पश्चिम बंगाल जो कि अपने घर पर मौजूद मिला तत्पश्चात पुलिस टीम को एकाएक देखकर भागने का प्रयास करने लगा को दविश देकर अभियुक्त को गिरफ्तार कर लखनऊ ले आई। जिसे शनिवार को जेल भेज दिया गया।

उत्तर प्रदेश में ग्रामीण राजमिस्त्रियों को प्रशिक्षण देकर रोजगार और गुणवत्ता सुनिश्चित

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मा0 उप मुख्यमंत्री श्री केशव प्रसाद मौर्य के नेतृत्व व निर्देशन में ग्राम्य विकास विभाग ग्रामीण राजमिस्त्रियों को कुशल, दक्ष और हुनरमंद बनाने के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम चला रहा है। इस पहल से न केवल मिस्त्रियों के लिए रोजगार के नए अवसर खुले हैं, बल्कि प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण और मुख्यमंत्री आवास योजना-ग्रामीण के तहत बन रहे आवासों की गुणवत्ता में भी सुधार हुआ है।ग्राम्य विकास विभाग के प्रशिक्षण कार्यक्रम के तहत प्रशिक्षण प्राप्त पुरुष और महिला मिस्त्री सर्टिफिकेशन के बाद बड़े निर्माण परियोजनाओं एवं निर्माण एजेंसियों में कार्य कर बेहतर मजदूरी प्राप्त कर रहे हैं। इस योजना में अब महिलाओं को भी शामिल किया गया है। रानी मिस्त्रियों का प्रशिक्षण महिला सशक्तीकरण और आत्मनिर्भरता की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।ग्राम्य विकास विभाग उन व्यक्तियों को चिन्हित कर प्रशिक्षण प्रदान कर रहा है, जो राजमिस्त्री का कार्य सीखना चाहते हैं। पहले से कार्यरत मिस्त्रियों को 15 दिन और नए प्रशिक्षुओं को 45 दिन का प्रशिक्षण दिया जाता है। यह प्रशिक्षण राष्ट्रीय कौशल विकास निगम (एनएसडीसी) के ग्रामीण राजमिस्त्री अर्हता पैक (Q.P) के अनुसार संचालित किया जा रहा है।आयुक्त ग्राम्य विकास श्री जी.एस. प्रियदर्शी ने बताया कि प्रदेश में अब तक 45 हजार पुरुष और 7,017 महिला मिस्त्रियों को प्रशिक्षित किया जा चुका है। प्रदेश में प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण के अंतर्गत 36.56 लाख आवास आवंटित किए गए हैं, जिनमें से 36.34 लाख पूर्ण हो चुके हैं।

गांवों में राजमिस्त्रियों का प्रशिक्षण बना रोजगार और सशक्तिकरण का जरिया

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य के नेतृत्व और निर्देशन में ग्राम्य विकास विभाग द्वारा ग्रामीण क्षेत्रों में राजमिस्त्रियों को प्रशिक्षण देकर उन्हें और अधिक कुशल, दक्ष और हुनरमंद बनाया जा रहा है। इस प्रशिक्षण से ग्रामीण मिस्त्रियों के लिए रोजगार के नए अवसर खुल रहे हैं और उनकी आय में बढ़ोतरी हो रही है। साथ ही प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण और मुख्यमंत्री आवास योजना-ग्रामीण के तहत बनाए जा रहे आवासों की गुणवत्ता में भी उल्लेखनीय सुधार हो रहा है।गांवों के पुरुषों के साथ-साथ अब महिलाएं भी 'रानी मिस्त्री' के रूप में घरों के निर्माण कार्य में हाथ बंटा रही हैं। प्रशिक्षण प्राप्त करने वाले पुरुष और महिलाएं सर्टिफिकेशन के बाद न केवल अपने गांवों में बल्कि बड़े निर्माण स्थलों और एजेंसियों में भी काम पा रहे हैं, जिससे उन्हें बेहतर मजदूरी और स्थायी रोजगार का अवसर मिल रहा है। ग्राम्य विकास विभाग का मानना है कि यह पहल ग्रामीण परिवारों के उत्थान और आत्मनिर्भरता की दिशा में एक बड़ी उपलब्धि है।उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने कहा है कि प्रशिक्षण के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्रों में पर्याप्त संख्या में राजमिस्त्रियों की उपलब्धता से निर्माण कार्यों में तेजी आएगी। साथ ही यह योजना रोजगार सृजन का भी एक अहम माध्यम है। उन्होंने विशेष रूप से महिला मिस्त्रियों के प्रशिक्षण को उल्लेखनीय बताते हुए कहा कि यह महिला सशक्तिकरण और आत्मनिर्भरता की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण के अंतर्गत 'रूरल मेसन ट्रेनिंग' कार्यक्रम को इसी उद्देश्य से संचालित किया जा रहा है। इसके अंतर्गत अब तक 45 हजार से अधिक पुरुष राजमिस्त्रियों और लगभग 7017 महिला मिस्त्रियों को प्रशिक्षित किया जा चुका है। प्रशिक्षण की प्रक्रिया में ग्रामीण क्षेत्रों के इच्छुक लोगों को चिन्हित किया जाता है। जो व्यक्ति पहले से राजगीरी का कार्य करते हैं, उन्हें 15 दिन का प्रशिक्षण दिया जाता है, जबकि जिन लोगों को मिस्त्री का काम नहीं आता या वे बिल्कुल नए हैं, उन्हें 45 दिन का प्रशिक्षण देकर दक्ष बनाया जाता है। यह प्रशिक्षण राष्ट्रीय कौशल विकास निगम (एनएसडीसी) के ग्रामीण राजमिस्त्री अर्हता पैक (क्यूपी) के अनुसार दिया जाता है।ग्राम्य विकास आयुक्त जी.एस. प्रियदर्शी ने जानकारी दी कि प्रदेश में प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण के तहत अब तक 36.56 लाख आवास आवंटित किए गए हैं, जिनमें से 36.34 लाख आवास पूर्ण हो चुके हैं। यह उपलब्धि लगभग 99.39 प्रतिशत की पूर्णता दर्शाती है, जो इस योजना की सफलता और प्रदेश में गुणवत्तापूर्ण आवास निर्माण की दिशा में उठाए गए कदमों का प्रमाण है।

31 अगस्त को गोमतीनगर में मनाया जाएगा 'विमुक्त जाति दिवस', मुख्यमंत्री रहेंगे मुख्य अतिथि

लखनऊ। समाज कल्याण विभाग आगामी 31 अगस्त को गोमतीनगर स्थित भागीदारी भवन में 'विमुक्त जाति दिवस' का आयोजन करेगा। इस अवसर पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे। कार्यक्रम की जानकारी समाज कल्याण राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) असीम अरुण ने दी। उन्होंने बताया कि इस कार्यक्रम में प्रदेश भर से विमुक्त जाति के लोग शामिल होंगे।वर्तमान सरकार इस दिन को विशेष महत्व देते हुए समाज के इस समुदाय के उत्थान एवं सशक्तिकरण के लिए कई कदम उठा रही है। इतिहास में अंग्रेजों द्वारा बनाए गए काले कानून 'क्रिमिनल ट्राइब्स एक्ट' को 31 अगस्त 1952 को समाप्त किया गया था। इसे स्मरण करते हुए सरकार ने इस दिन को 'विमुक्त जाति दिवस' के रूप में मनाने की परंपरा स्थापित की है।

एक ही बाइक पर सवार होकर अस्पताल से घर लौट रहे भाई भाभी व बहन को रोडवेज ने मारी टक्कर

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। लखनऊ-सुल्तानपुर हाइवे पर गोसाईंगंज इलाके में कोडरा गांव के पास तेज रफ़्तार रोडवेज बस ने बाइक में पीछे से टक्कर मार दी। जिससे बाइक सवार तीन लोग घायल हो गए। जिन्हें स्थानीय पुलिस द्वारा सीएचसी गोसाईंगंज ले जाया गया। जहां डॉक्टरों ने बहन को मृत घोषित कर दिया। जबकि बाइक सवार उसका भाई और भाभी गंभीर रूप से घायल होंने के कारण मृतक की भाभी को लोहिया अस्पताल व भाई को पास के ही एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया। इंस्पेक्टर ब्रजेश कुमार त्रिपाठी के मुताबिक नगराम थाना क्षेत्र के करसडा गांव निवासी हंसराज मजदूरी करके जीवन यापन करता है। शनिवार की सुबह अपनी बहन ज्योति के साथ अपनी पत्नी कामनी की दवा लेने गोसाइंगंज आया था। जहाँ से वो दवा लेने के बाद एक ही बाइक पर सवार होकर तीनो वापस घर जा रहे थे। तभी लखनऊ-सुल्तानपुर हाइवे पर कोडरा गांव के पास तेज रफ़्तार रोडवेज बस ने पीछे से बाइक में टक्कर मार दी। जिससे बाइक सवार तीनो लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। जिन्हें इलाज के लिए सीएचसी लाया गया। जहाँ डॉक्टरों ने ज्योति(28) को मृत घोषित कर दिया। जबकि उसके भाई और भाभी को सीएचसी से प्राथमिक उपचार के बाद रिफर कर दिया गया । वही बस चालक बस को मौके पर छोड़ कर फरार हो गया। मृतक के परिजनों ने बताया कि मृतक की भाभी गर्व से है जिसके अस्पताल म3 दिखाने ने लिए पहले भाभी के पास पहुंची फिर भाई के साथ दोनों अस्पताल आई थी। वापसी के दौरान हादसा हो गया। मृतक के परिवार में पति अतुल मजदूरी करता है एक बेटी लक्ष्मी (14) बेटा यश (7) है।

रंग महोत्सव में युवाओं की नाट्य प्रस्तुति ने दर्शकों का मन मोहा

शिक्षा, स्वास्थ्य व पर्यावरण संरक्षण पर लघु नाटकों की प्रस्तुति

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। पार्टीसिपेटरी एक्शन कम्युनिटी इम्पावरमेंट (पेस) संस्था के तत्वावधान में शनिवार को अंतरराष्ट्रीय बौद्ध शोध संस्थान प्रेक्षागृह में रंग महोत्सव-2025 आयोजित किया गया। इस मौके पर युवाओं ने शिक्षा, स्वास्थ्य, पर्यावरण, सतत विकास लक्ष्य (एसडीजी) जैसे समसामयिक विषयों पर अनोखे अंदाज में लघु नाट्य प्रस्तुति से दर्शकों की खूब तालियाँ बटोरने के साथ ही लोगों को प्रेरक सन्देश भी प्रदान किया। महोत्सव में राजस्थान और दिल्ली के साथ ही उत्तर प्रदेश के आठ जिलों की संस्थाओं के युवा कलाकारों ने अपनी प्रस्तुति दी।

राजस्थान के युवा कलाकारों ने "अरावली का दर्द" लघु नाट्य के माध्यम से अवैध खनन और वनों की कटाई से पर्यावरण को हो रहे नुकसान के बारे में अपनी शानदार प्रस्तुति दी। इसी तरह दिल्ली से आई कलाकारों की टोली ने वायु प्रदूषण, प्लास्टिक के नुकसान और स्वच्छता को लेकर अपनी प्रस्तुति दी। उत्तर प्रदेश के विभिन्न जिलों से आये कलाकारों ने स्वास्थ्य और पोषण, बाल श्रम, बाल विवाह, महिला हिंसा आदि के मुद्दों पर लघु नाट्य प्रस्तुत किए। इसके अलावा संविधान के प्रति जागरूकता और उनके मूल्य मान्यताओं के बारे में भी अपनी प्रस्तुति के माध्यम से कलाकारों ने लोगों को सजग किया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रदीप घोष और विशिष्ट अतिथि बाल कल्याण समिति के अध्यक्ष संतोष सिंह रहे। पेस संस्था के निदेशक थामसन और सचिव राजविंदर कौर ने कहा कि युवाओं को आपस में जोड़ने और सामाजिक मुद्दों पर एक सकारात्मक सोच विकसित करने के उद्देश्य से ही रंग महोत्सव का आयोजन किया जाता है। यह एक ऐसा मंच है जिससे युवाओं की प्रतिभा को निखारा जाता है। कार्यक्रम के आयोजन में टेरे डेस होम्स (टीडीएच) की प्रज्ञा सेठी की अहम भूमिका रही। महोत्सव में पेस बलरामपुर और सीतापुर संस्था के प्रतिनिधियों के अलावा स्वतंत्र तालीम, यश फाउंडेशन, विज्ञान फाउंडेशन, सेव सोसायटी आदि संस्थाओं के प्रतिनिधियों ने भी हिस्सा लिया।

वृक्षारोपण अभियान रिपोर्ट

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। साई विकास सेवा समिति द्वारा पशु आश्रय केंद्र, बसरहिया, गोसाईगंज तथा समीपवर्ती गौशाला क्षेत्र, लखनऊ (उत्तर प्रदेश) में एक व्यापक वृक्षारोपण अभियान आयोजित किया गया। इस अभियान में श्री योगेन्द्र सिंह जी (ब्लॉक अध्यक्ष) के मार्गदर्शन एवं प्रेरणा से कुल 500 वृक्ष – नीम, पीपल, पाकर एवं बरगद – लगाए गए।

यह पहल श्री योगेन्द्र सिंह जी के विचारशील सुझाव से प्रेरित थी। उन्होंने प्रखर ग्रीष्म ऋतु में गौशाला की गायों की कठिनाइयों को देखकर यहाँ अधिक वृक्ष लगाने का आग्रह किया। छाया और हरियाली की आवश्यकता को समझते हुए उन्होंने हमारे एनजीओ के साथ सहयोग किया और इस पुनीत कार्य में अपना पूर्ण समर्थन दिया।

हम हृदय से आभार व्यक्त करते हैं सेठ आनंदराम जैपुरिया स्कूल, लखनऊ की प्राचार्या श्रीमती पूनम कोचिट्टी का, जिन्होंने इस अभियान के लिए उदारतापूर्वक 70 वृक्ष दान किए। इस अभियान को और भी सार्थक बनाने में विद्यालय के माली तथा उत्साही छात्र-छात्राओं ने सक्रिय भागीदारी निभाई और वृक्षारोपण में अपना योगदान दिया।

यह अभियान हमारे हरित पर्यावरण निर्माण के संकल्प की दिशा में एक और महत्वपूर्ण कदम है, जो न केवल पारिस्थितिक संतुलन बनाएगा बल्कि पशुओं को भी राहत और संरक्षण प्रदान करेगा।

विकसित भारत के लिए मोदी का सुधारों का ब्रह्मास्त्र

मुझे अपने स्कूल के दिनों से ही 15 अगस्त के भाषणों में भाग लेने का सौभाग्य प्राप्त होता रहा है, लेकिन शुक्रवार को प्रधानमंत्री मोदी का 12वें स्वतंत्रता दिवस का भाषण अभूतपूर्व और असाधारण था। इसमें विकसित भारत के पथ पर भारत की गति बढ़ाने के दिशा में सीधे तौर पर लक्षित–ब्रह्मास्त्र- अर्जुन का अकाट्य पौराणिक अस्त्र - छोड़ा गया।

वैश्विक अर्थव्यवस्था में व्याप्त असामान्य उथल-पुथल के दौर के बीच, विकसित भारत का सपना संजोए भारत सबसे तेज़ी से बढ़ती बड़ी अर्थव्यवस्था के रूप में निरंतर आगे बढ़ना जारी रखे हुए है। यह भाषण केवल अपनी व्यापकता के लिए ही नहीं, बल्कि अपने दायरे— साहसिक, भविष्योन्मुखी और 1.4 बिलियन लोगों के भाग्य को नया आकार देने में सक्षम अगली पीढ़ी के सुधारों —और उस विजन के प्रति स्पष्टता के लिए भी उल्लेखनीय है, जिसका यह राष्ट्र इससे पहले कभी साक्षी नहीं रहा।

उदाहरण के लिए, डिजिटल इंडिया स्टैक को ही लें, यूपीआई दुनिया के आधे रीयल-टाइम लेनदेन के लिए उत्तरदायी है और साल के अंत तक होने वाला, पहली मेड-इन-इंडिया चिप का लॉन्च, वैश्विक डिजिटल अर्थव्यवस्था में भारत की अग्रणी स्थिति को दर्शाता है। ऐसे समय में जब राष्ट्रों की नियति सेमीकंडक्टर निर्धारित करते हैं, महत्वपूर्ण तकनीकों पर संप्रभुता का भारत का यह दावा किसी डिजिटल स्वराज से कम नहीं है।

ऊर्जा सुरक्षा लंबे समय से भारत के विकास की राह की सबसे बड़ी कमज़ोरी रही है। दशकों तक, झिझक और नो गो क्षेत्रों ने अन्वेषण को बाधित किया और आयात पर निर्भरता बढ़ा दी। वह दौर अब बीत चुका है। प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में, भारत ने ईईजेड में नो गो क्षेत्रों को लगभग 99 प्रतिशत तक कम कर दिया है, जिससे 10 लाख वर्ग किलोमीटर क्षेत्र ईएंडपी के लिए मुक्त हो गया है। ओएएलपी के साथ, इसने भारतीय और वैश्विक दिग्गजों, दोनों के लिए समान रूप से एक विशाल क्षेत्र खोल दिया है—हमारे हाइड्रोकार्बन बेसिन अब निष्क्रिय नहीं रहेंगे, बल्कि राष्ट्रीय प्रगति के लिए उपयोग में लाए जाएँगे। लाल किले की प्राचीर से घोषित ऐतिहासिक राष्ट्रीय गहरे जल अन्वेषण मिशन, बंगाल की खाड़ी और अरब सागर में एक महत्वाकांक्षी दूरदर्शी एजेंडा निर्धारित करता है। इस मिशन का लक्ष्य लगभग 40 वाइल्डकैट कुओं की ड्रिलिंग के माध्यम से 600-1200 मिलियन मीट्रिक टन तेल और गैस भंडारों का पता लगाना है। पहली बार, बंगाल की खाड़ी से लेकर अरब सागर तक भारत अपनी जटिल अपतटीय सीमाओं को व्यवस्थित रूप से खोलेगा, एक ऐसे ढाँचे के साथ जो सूखे कुओं की स्थिति में 80 प्रतिशत तक और व्यावसायिक खोज पर 40 प्रतिशत तक लागत की वसूली की अनुमति देकर निवेश के जोखिम को कम करता है।

यह पहल एक व्यापक योजना का हिस्सा है, जिसके तहत 2032 तक घरेलू तेल और गैस उत्पादन को तिगुना बढ़ाकर 85 मिलियन टन और राष्ट्रीय भंडार को दोगुना करके एक से दो बिलियन टन के बीच किया जा सकता है। लगभग 8 मिलियन टन उत्पादन के बराबर, अतिरिक्त 100-250 बिलियन क्यूबिक मीटर गैस उपलब्ध कराने के लिए प्लग-एंड-प्ले आधार पर अपतटीय साझा बुनियादी ढाँचा बनाया जाएगा। ये सभी उपाय न केवल पहले से अटकी हुई खोजों का मुद्रीकरण करेंगे, बल्कि एक आत्मनिर्भर ईएंडपी इकोसिस्टम का निर्माण भी करेंगे, जहाँ स्थानीय आपूर्ति श्रृंखलाओं की हिस्सेदारी आज के 25-30 प्रतिशत से बढ़कर 70 प्रतिशत से अधिक हो जाएगी। यह आज़ादी के बाद से भारत का सबसे व्यापक अपस्ट्रीम सुधार है।

साथ ही, ऊर्जा परिवर्तन के क्षेत्र में भारत वैश्विक स्तर पर अग्रणी बनकर उभरा है। भारत 2030 के लक्ष्य से पाँच साल पहले ही 2025 तक 50 प्रतिशत स्वच्छ ऊर्जा के लक्ष्य तक पहुँच गया है। जैव ईंधन और हरित हाइड्रोजन प्रायोगिक स्तर से उत्पादन की ओर बढ़ रहे हैं; इथेनॉल मिश्रण और सीबीजी स्केल-अप एक नए ग्रामीण-औद्योगिक आधार का निर्माण कर रहे हैं; एलएनजी के बुनियादी ढाँचे का विस्तार जारी है। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि असैन्य परमाणु ऊर्जा को निजी भागीदारी के लिए खोल दिया गया है। वर्तमान में, 10 नए परमाणु रिएक्टर चालू हैं, और भारत का लक्ष्य अपनी स्वतंत्रता के 100वें वर्ष तक अपनी परमाणु ऊर्जा क्षमता को दस गुना बढ़ाना है। यह महत्वाकांक्षी लक्ष्य 2047 तक ऊर्जा स्वतंत्रता प्राप्त करने की भव्य योजना का हिस्सा है।

प्रधानमंत्री द्वारा राष्ट्रीय महत्वपूर्ण खनिज मिशन की घोषणा हमारी औद्योगिक रणनीति में एक महत्वपूर्ण मोड़ है। ऐसे समय में जब दुनिया लिथियम, दुर्लभ मृदा तत्व , निकल और कोबाल्ट के सामरिक महत्व को पहचान रही है, भारत ने 1,200 से अधिक स्थलों पर अन्वेषण शुरू किया है और साझेदारी, प्रसंस्करण और पुनर्चक्रण का ढाँचा तैयार कर रहा है ताकि नवीकरणीय ऊर्जा, सेमीकंडक्टर, ईवी और उन्नत रक्षा क्षेत्र कभी भी बाहरी अवरोधों के अधीन न रहें।

एलएसी पर मजबूत सैन्य ढाँचा बना चुका है चीन, 150 KM पीछे हटा तो भी 3 घंटे में वापस आ सकता है

हम आपको बता दें कि चीनी सेना की संयुक्त हथियार ब्रिगेड, जिनमें प्रत्येक में 4,500–5,000 सैनिक टैंकों, आर्टिलरी, आर्मर्ड वाहन और सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइल प्रणालियों से लैस होते हैं, कई इलाकों में अब भी अग्रिम मोर्चे पर तैनात हैं।

नीरज कुमार दुबे

भारत और चीन के बीच हाल के दिनों में संवाद की प्रक्रिया तेज़ हुई है। डि-एस्केलेशन की बात हो रही है, सीमा विवाद को शांतिपूर्वक सुलझाने की कोशिशें चल रही हैं और उच्च-स्तरीय राजनीतिक व सैन्य संवाद भी सक्रिय हुए हैं। यही नहीं, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी चीन यात्रा पर जाने वाले हैं। देखा जाये तो यह सब निश्चित रूप से सकारात्मक संकेत हैं, लेकिन भारत के लिए यह अत्यंत सावधानी बरतने का भी समय है। इसका सबसे बड़ा कारण यह है कि चीन ने पिछले पाँच वर्षों में वास्तविक नियंत्रण रेखा (LAC) पर व्यापक सैन्य बुनियादी ढाँचा तैयार कर लिया है। बताया जा रहा है कि एलएसी पर सड़कें, पुल, सुरंगें और सैनिकों के लिए आवासीय ढांचे बनाये गये हैं जिससे पीएलए (PLA) की टुकड़ियाँ आसानी से 100–150 किलोमीटर पीछे हटकर भी 2–3 घंटे में अग्रिम चौकियों पर वापस लौट सकती हैं। दूसरी ओर भारतीय सेना के पास अभी वैसा त्वरित गतिशीलता का ढांचा नहीं है। यही असमानता किसी भी वार्ता और समझौते में भारत के लिए सबसे बड़ा सुरक्षा जोखिम बनती है।

हालाँकि पिछले वर्ष देपसांग और डेपचोक जैसे विवादित क्षेत्रों से सैनिकों की वापसी के बाद स्थिति कुछ स्थिर हुई है और दोनों सेनाओं की समन्वित गश्त जारी है, लेकिन आपसी विश्वास की कमी अभी भी गहरी है। अप्रैल–मई 2020 की घुसपैठ के बाद से भारत और चीन की सेनाएँ भारी हथियारों के साथ LAC पर तैनात हैं। इस बीच चीनी सेना की सैन्य तैयारियों और ढाँचागत विस्तार में कोई कमी नहीं आई है, जिससे भारत को लगातार चौकन्ना रहना पड़ रहा है।

हम आपको बता दें कि रिपोर्टों के अनुसार, चीनी सेना की संयुक्त हथियार ब्रिगेड, जिनमें प्रत्येक में 4,500–5,000 सैनिक टैंकों, आर्टिलरी, आर्मर्ड वाहन और सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइल प्रणालियों से लैस होते हैं, कई इलाकों में अब भी अग्रिम मोर्चे पर तैनात हैं। कुछ ब्रिगेड भले ही 100 किमी पीछे हट चुकी हों, लेकिन यह पीछे हटना स्थायी नहीं माना जा सकता। इसके विपरीत भारत के पास सीमित ढाँचागत सुविधाएँ होने से त्वरित प्रतिक्रिया की क्षमता अपेक्षाकृत धीमी है। यही वजह है कि किसी भी डि-एस्केलेशन वार्ता में इस असमानता को नज़रअंदाज नहीं किया जा सकता।

हम आपको बता दें कि दोनों देशों ने सीमा पर शांति बनाए रखने के लिए मौजूदा कूटनीतिक और सैन्य वार्ता तंत्र को और मज़बूत करने का निर्णय लिया है। इसके तहत अब पूर्वी (सिक्किम, अरुणाचल) और मध्य (उत्तराखंड, हिमाचल) सेक्टरों में 'जनरल स्तर की बैठक प्रणाली' शुरू करने पर सहमति बनी है। पश्चिमी (लद्दाख) क्षेत्र में पहले से ही भारतीय 14 कोर कमांडर और दक्षिण शिनजियांग सैन्य जिले के प्रमुख के बीच संवाद तंत्र मौजूद है। बताया जा रहा है कि भारतीय पक्ष से मध्य क्षेत्र में बरेली स्थित उत्तर भारत क्षेत्र (UB Area) के लेफ्टिनेंट जनरल और पूर्वी क्षेत्र में दीमापुर स्थित 3 कोर या तेजपुर स्थित 4 कोर के लेफ्टिनेंट जनरल वार्ता में शामिल हो सकते हैं।

हम आपको बता दें कि भारत के लिए फिलहाल सबसे अहम मुद्दा उन 'नो पेट्रोल बफर जोन' का समाधान है, जो 2020–2022 के बीच हुए समझौतों में बने थे। ग़लवान, पैंगोंग झील का उत्तरी किनारा, कैलाश रेंज और गोगरा-हॉटस्प्रिंग्स क्षेत्र में 3–10 किमी तक फैले ये बफर ज़ोन अस्थायी रूप से बनाए गए थे, परंतु अब तक इन्हें हटाने की दिशा में कोई प्रगति नहीं हुई है। चूँकि ये क्षेत्र भारत की दावेदारी वाली ज़मीन पर आते हैं, इसलिए भारत का स्पष्ट लक्ष्य गश्त अधिकारों की बहाली होना चाहिए।

देखा जाये तो भारत को केवल सीमा सुरक्षा पर ही नहीं, बल्कि समुद्री सुरक्षा, प्रौद्योगिकी और आर्थिक मोर्चों पर भी रणनीतिक तैयारी रखनी होगी। चीन की व्यापक रणनीति को ध्यान में रखते हुए भारत को बहुआयामी दृष्टिकोण अपनाना होगा। साथ ही भारत को केवल चीन से रिश्तों पर निर्भर न रहते हुए अमेरिका, जापान, ऑस्ट्रेलिया और यूरोपीय देशों के साथ भी अपने रणनीतिक साझेदारी को संतुलित रखना होगा, ताकि किसी एक पक्ष पर अत्यधिक निर्भरता न हो। भारत-चीन संबंधों में संवाद और शांति का रास्ता स्वागतयोग्य है, लेकिन यह राह लंबी और पेचीदा है। भारत को 'विश्वास करो लेकिन परखो' की नीति अपनानी होगी— जहाँ संवाद जारी रहे, लेकिन सुरक्षा और रणनीतिक तैयारी में कोई ढील न दी जाए।

बहरहाल, डि-एस्केलेशन की प्रक्रिया कूटनीतिक स्तर पर शांति का संकेत ज़रूर देती है, लेकिन वास्तविकता यह है कि LAC पर सैन्य संतुलन चीन के पक्ष में झुका हुआ है। भारत को न केवल सतर्क रहना होगा, बल्कि सीमा क्षेत्रों में सड़क, सुरंग और हवाई पट्टी जैसी आधारभूत सुविधाओं का त्वरित विस्तार करना होगा। क्योंकि भरोसा भले ही धीरे-धीरे बन सकता हो, लेकिन सुरक्षा की गारंटी केवल सामरिक क्षमता और तत्परता से ही मिल सकती है।

अजब-गजब

मछुआरों के हाथ लगी अजीबोगरीब शॉर्क, ऑरेंज स्किन, सफेद आंखें देख वैज्ञानिकों ने भी पकड़ लिया अपना माथा!

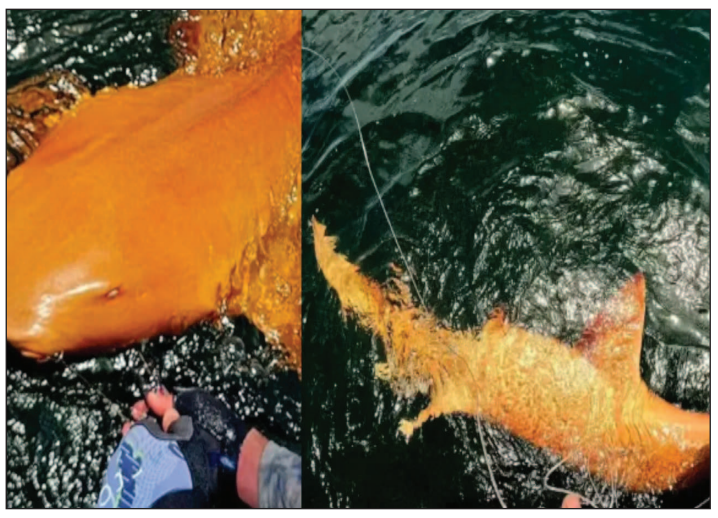

समुद्र में अक्सर कुछ ऐसा देखने को मिल जाता है जिसकी कल्पना भी मुश्किल होती है। हाल ही में कोस्टा रिका के एक मछुआरे को ऐसा ही कुछ देखने को मिला। जिसे देखने के बाद हर कोई हैरान रह गया। दरअसल मछुवारों के इन ग्रुप ने अपनी जाल में एक बेहद दुर्लभ शार्क पकड़ी। यह साधारण शार्क नहीं थी, बल्कि चमकीले नारंगी रंग की शॉर्क थी। जिसकी आंखें दूध जैसी सफेद थी और ये किसी रहस्यमयी जीव की तरह लग रही थी क्योंकि ऐसी शॉर्क पहले किसी ने नहीं देखी थी।

विशेषज्ञों के अनुसार इस शार्क का असामान्य रंग और आँखें किसी दुर्लभ आनुवंशिक स्थिति का नतीजा हैं। दरअसल, इस शार्क में दो अलग-अलग स्थितियों ज़ैनथिज़्म और ऐल्बिनिज़्म के लक्षण पाए गए।ज़ैनथिज़्म एक ऐसी स्थिति है जिसमें शरीर में पीले रंग का पिगमेंट ज्यादा बनने लगता है। इसके कारण जानवरों का रंग गहरा पीला या नारंगी दिखाई देता है। यह स्थिति कुछ मछलियों, पक्षियों और रेपटाइल में देखा जाता है। लेकिन शार्क में इसका मिलना लगभग असंभव माना जाता है। यही वजह है कि यह खोज वैज्ञानिक समुदाय के लिए किसी चमत्कार से कम नहीं है।

इस शार्क की सफेद आंखें यह दर्शाती हैं कि इसमें ऐल्बिनिज़्म भी है। यह एक दुर्लभ आनुवंशिक अवस्था है, जिसमें शरीर में मेलानिन नामक पिगमेंट का निर्माण नहीं हो पाता। मेलानिन ही त्वचा, बाल, स्केल और आंखों को काला, भूरा, लाल या गहरा रंग देता है। जब यह पिगमेंट नहीं बनता, तो शरीर और आँखें सफेद या हल्की दिखाई देती हैं। समुद्री जीवों में ऐल्बिनिज़्म बेहद कम देखा जाता है, इसलिए यह खोज और भी महत्वपूर्ण हो जाती है।

वैज्ञानिक कहते हैं कि ज़ैनथिज़्म और ऐल्बिनिज़्म का एक साथ किसी एक ही प्रजाति में दिखाई देना बेहद दुर्लभ है। यह मामला शायद पहला है जब दोनों स्थितियों वाले गुण एक ही शार्क में मिले हैं। इससे पहले, 2023 में एक सफेद डॉल्फिन को नवविवाहित जोड़े ने देखा था, जिसने दुनियाभर का ध्यान खींचा था। बता दें कि ऐसे असामान्य रंग और रूप वाले जीवों के लिए समुद्र में जीवित रहना आसान नहीं होता। उनका चमकीला रंग उन्हें तुरंत अलग दिखा देता है। शिकारी आसानी से इन्हें निशाना बना सकते हैं, और शिकार पकड़ने में भी इन्हें दिक्कत होती है क्योंकि शिकार इन्हें दूर से देख लेता है।

यही वजह है कि ऐसी शार्क का जीवित रहना किसी चमत्कार से कम नहीं। यह नारंगी शार्क सिर्फ एक मछुआरे के लिए जीवनभर का अनुभव नहीं, बल्कि विज्ञान के लिए भी एक बड़ी खोज है। ऐसे जीव समुद्री जैव विविधता को और गहराई से समझने में मदद करते हैं और बताते हैं कि प्रकृति किस तरह अनोखे रूपों में जीवन को रचती है।

ब्लॉग

विकराल होते आनलाइन गेम पर नियंत्रण का कानून सराहनीय

ललित गर्ग

इंटरनेट के विस्तार ने आधुनिक दौर में जीवन को अनेक सुविधाएं दी हैं, लेकिन इसके साथ ही कुछ नए गंभीर संकट भी पैदा किए हैं। इनमें सबसे गंभीर संकटों में से एक है ऑनलाइन गेमिंग या कहें तो मनी गेमिंग की बढ़ती लत। यह सच है कि गेमिंग मनोरंजन का साधन हो सकती है, पर जब इसमें धन का जुड़ाव होता है, तब यह सीधा-सीधा जुए एवं सट्टे के रूप में बदल जाती है। यह एक कड़वी सच्चाई है कि ऑनलाइन मनी गेमिंग यदि लत बन जाए तो यह संपन्न व्यक्ति एवं परिवार को भी कंगाल कर सकती है। एक आंकड़े के अनुसार देश में एक साल में 45 करोड़ लोगों ने बीस हजार करोड़ गवां दिये हैं। सब कुछ गंवा कर आत्महत्या करने के मामले भी प्रकाश में आते रहे हैं। सवाल इन लालच बेचने एवं जगाने वाली मनी गेमिंग की पारदर्शिता को लेकर भी उठते रहे हैं। इन्हीं चिंताओं एवं त्रासद विडम्बनाओं के बाद ऑनलाइन गेमिंग पर नियंत्रण का एक विधेयक भारत सरकार इसी मानसून सत्र में ऑनलाइन गेमिंग संवर्धन एवं विनियमन विधेयक 2025 लेकर आई है। जिसे अब गंभीर चर्चा के बिना संसद ने पारित भी कर दिया है। यह विधेयक पैसे से खेले जाने वाले किसी भी ऑनलाइन गेम को गैरकानूनी घोषित करता है। यह स्वागत योग्य कदम है, क्योंकि गेमिंग के नाम पर अरबों रुपए का लेन-देन और करोड़ों युवाओं की मानसिक शांति को नष्ट करने वाली प्रवृत्ति दिनोंदिन विकराल रूप ले रही है।

आज स्थिति यह है कि ऑनलाइन गेमिंग की लत केवल समय और धन की बर्बादी ही नहीं कर रही, बल्कि सामाजिक और पारिवारिक रिश्तों में भी तनाव और विघटन का कारण बन रही है। स्कूल और कॉलेज के छात्र अपनी पढ़ाई की उपेक्षा कर इस आभासी दुनिया में डूबते जा रहे हैं। युवा वर्ग का एक बड़ा हिस्सा रात-दिन गेमिंग में डूबा रहता है, जिससे उनके व्यक्तित्व और भविष्य पर गहरा नकारात्मक असर पड़ रहा है। यह संकट केवल आर्थिक ही नहीं, मानसिक और सामाजिक भी है। दिन-रात स्क्रीन से चिपके रहने वाले युवक चिड़चिड़ापन, अवसाद और एकाकीपन का शिकार हो रहे हैं। उनमें हिंसक प्रवृत्तियां भी उभर रही हैं। कई ऐसी खबरें भी आ चुकी है, जिनमें लगातार आनलाइन गेम खेलते रहने से मना करने पर कोई किशोर हिंसक हो गया और उसने या तो आत्महत्या कर ली या फिर किसी की जान ले ली। ऑनलाइन गेमिंग से जुड़ी लत रिश्तों को तोड़ रही है, दोस्ती और पारिवारिक बंधनों को कमजोर कर रही है। एक पूरी पीढ़ी, जिसे राष्ट्रनिर्माण की दिशा में आगे बढ़ना चाहिए था, अपनी ऊर्जा और रचनात्मकता इस आभासी जुए में गँवा रही है।

सरकार के मुताबिक, वह ई-स्पोर्ट्स और सोशल गेमिंग को बढ़ावा देने के लिये अवश्य उत्सुक है, जिसमें कोई वित्तीय जोखिम न हो। यहां उल्लेखनीय है कि ऑनलाइन गेमिंग का वार्षिक राजस्व 31,000 करोड़ रुपये से अधिक है। इसके साथ ही यह हर साल प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष करों के रूप में बीस हजार करोड़ रुपये से अधिक का योगदान देता है। लेकिन इसके साथ चिंता का विषय यह भी है कि सुनहरे सब्जबाग दिखाने वाले कई ऑनलाइन गेमिंग एप लत, खेलने वाले आम लोगों के आर्थिक नुकसान और मनी लॉन्ड्रिंग को भी बढ़ावा देते हैं। यही वजह है कि ऑनलाइन गेमिंग में अपनी जमा पूंजी लुटाने वाले बदकिस्मत उपयोगकर्ता नाकामी के बाद आत्महत्या तक करने को मजबूर हो जाते हैं। निस्संदेह सरकार ने राजस्व की परवाह न करते हुए ऑनलाइन मनी गेमिंग पर पूर्ण प्रतिबंध लगाकर एक बड़ा जोखिम भी उठाया है। लेकिन सवाल यह भी है कि क्या केवल कानून से इस प्रवृत्ति पर अंकुश लग सकेगा? इंटरनेट का विस्तृत दायरा और विदेशी ऑनलाइन ऑपरेटर विधेयक के प्रमुख उद्देश्यों को विफल करने की कोशिश कर सकते हैं। यह नितांत अपेक्षित है कि वित्तीय प्रणालियों की अखंडता के साथ-साथ राष्ट्र की सुरक्षा और संप्रभुता की रक्षा होनी चाहिए। माना जा रहा है कि इस नये कानून को बनाने की जरूरत संभवतः छह हजार करोड़ रुपये वाले महादेव ऑनलाइन सट्टेबाजी घोटाले के बाद महसूस की गई। जिसकी जांच सीबीआई और ईडी कर रहे हैं। छत्तीसगढ़ के कुछ शीर्ष राजनेताओं और नौकरशाहों पर सट्टेबाजी एप के यूएई स्थित प्रमोटरों के साथ संबंध होने के आरोप लगे हैं। जो कथित तौर पर हवाला कारोबार और विदेशों में धन-शोधन के कार्यों में लिप्त बताये जाते हैं।

भारत सरकार का यह कदम इसलिए भी जरूरी एवं प्रासंगिक है कि इस उद्योग का टर्नओवर कई आर्थिक, राष्ट्रीय एवं सामाजिक विसंगतियों के साथ कई हजार करोड़ तक पहुंच गया है। विदेशी कंपनियां भी इस क्षेत्र में सक्रिय होकर भारतीय युवाओं को लुभाने के लिए तरह-तरह के विज्ञापन और प्रलोभन दे रही हैं। इन मंचों पर जीतने की लालच में फंसकर युवा अपने उज्ज्वल भविष्य को दांव पर लगा रहे हैं। यह प्रवृत्ति केवल व्यक्तिगत जीवन नहीं बिगाड़ती, बल्कि राष्ट्र की प्रगति में भी बाधक है, क्योंकि जिन युवाओं को शिक्षा, विज्ञान, प्रौद्योगिकी और राष्ट्रनिर्माण में योगदान देना चाहिए, वे अपना समय और ऊर्जा इन आभासी खेलों में गवां रहे हैं। आज जरूरत है कि ऑनलाइन गेमिंग की इस समस्या को केवल कानूनी दायरे में ही नहीं, बल्कि सामाजिक और पारिवारिक स्तर पर भी गंभीरता से लिया जाए। अभिभावकों को चाहिए कि वे बच्चों को समय पर समझाएं, उनका मार्गदर्शन करें और उन्हें सकारात्मक गतिविधियों की ओर प्रेरित करें। समाज को भी मिलकर यह संकल्प लेना होगा कि मनोरंजन के नाम पर फैल रहे इस जुए की घातक एवं विध्वंसक संस्कृति को बढ़ावा न दिया जाए।

यह ठीक है कि सरकार ने ऑनलाइन गेमिंग को नियंत्रित करने का प्रस्ताव पारित कर एक सही दिशा में सराहनीय कदम बढ़ाया है, लेकिन कानून से भी अधिक जरूरी है जागरूकता। जब तक लोग स्वयं यह नहीं समझेंगे कि गेमिंग का यह जुआ उनके भविष्य को तबाह कर रहा है, तब तक समस्या का समाधान संभव नहीं है। इसलिए अब समय आ गया है कि हम मनोरंजन के नाम पर छल रही इस प्रवृत्ति का पर्दाफाश करें और अपने युवाओं को सुरक्षित, रचनात्मक और सकारात्मक भविष्य की राह पर अग्रसर करें। असंख्य परिवारों को आज अपने बच्चों की इस आदत के कारण कर्ज और बर्बादी में अंधेरों में जाने से बचाये। खेल के नाम पर ऑनलाइन मंचों पर पैसा लगाना दरअसल सट्टेबाजी ही है, जिसमें जीत की संभावना क्षणिक होती है और हार की संभावना लगभग निश्चित। लाखों युवक अपने खून-पसीने की कमाई या माता-पिता की मेहनत की कमाई को इन कंपनियों की तिजोरियों में डाल रहे हैं। यह समस्या अब जुए की लत से भी अधिक खतरनाक हो चुकी है, क्योंकि इसमें तकनीक की चकाचौंध और आसानी से उपलब्धता ने युवाओं को पहले से ज्यादा असुरक्षित बना दिया है।

यह बात किसी से छिपी नहीं है कि ऑनलाइन गेमिंग का बाजार बीते कुछ वर्षों में तेजी से फैला है। विज्ञापनों, प्रलोभनों और चमकदार ऑफरों ने युवाओं को अपने शिकंजे में इस तरह जकड़ लिया है कि लाखों लोग इसमें डूबकर अपनी शिक्षा, करियर और परिवार तक को दांव पर लगा बैठे हैं। जब खेल केवल मनोरंजन तक सीमित रहता है तब तक उसकी उपयोगिता है, पर जैसे ही इसमें धन और लालच का तत्त्व जुड़ता है, यह जुए में बदल जाता है। और यही वह बिंदु है जहां से विनाश की शुरुआत होती है। सच्चाई यह है कि ऑनलाइन गेमिंग का जाल इतना व्यापक हो चुका है कि इसे रोकने के लिए कानून की सख्ती के साथ-साथ सामाजिक जागरूकता और पारिवारिक हस्तक्षेप भी उतने ही जरूरी हैं। ऑनलाइन मनी गेमिंग के सख्त नियमन और इसे भारी कराधान के अधीन लाना एक व्यावहारिक समाधान होगा। साथ ही पारदर्शिता और जवाबदेही पर जोर देकर उपभोक्ताओं के लिये सुरक्षा उपाय सुनिश्चित किए जाने की भी जरूरत है। इस अभियान में गैर-कानूनी गतिविधियों में लिप्त प्लेटफॉर्मों पर जुर्माना भी लगाना एवं बड़े-बड़े दावे करने वाली मशहूर हस्तियों पर कार्रवाई भी होते हुए दिखनी चाहिए, तभी यह कानून कारगर एवं प्रभावी बन पायेगा।

14 साल से क्राइम का सेम पैटर्न, गला काटकर... कैसे कपड़े धोने वाले का बेटा बन गया खूंखार कातिल

आर्यावर्त संवाददाता

वाराणसी। यूपी एसटीएफ की वाराणसी यूनिट की टीम ने खूंखार बदमाश शंकर कन्नौजिया को आखिरकार मुठभेड़ में ढेर कर दिया। यूपी एसटीएफ के अधिकारियों के मुताबिक, इस बदमाश के पैटर्न का विधिवत अध्ययन किया गया। इसी बीच जानकरी मिली कि शंकर आजमगढ़ के जहानागंज में है और किसी वारदात को अंजाम देने की फिराक में है।

इसके बाद आनन-फानन में टीम बनाई गई। टीम में वो पुलिस वाले रखे गए, जिन्होंने शंकर के पैटर्न का अध्ययन किया था। इस टीम ने सटीक लोकेशन के आधार पर दबिश दी। शंकर को जिंदा पकड़ने की कोशिश की गई, लेकिन बदमाश ने पुलिस पर फायरिंग की और भागने का प्रयास किया। इस पर पुलिस ने जवाबी कार्रवाई की और बदमाश मौके पर ढेर हो गया।

इन जिलों में दहशत का नाम बन चुका था बदमाश

शंकर कन्नौजिया आजमगढ़, मऊ और गोरखपुर जिले में दहशत का नाम बन चुका था। तीन जिलों की पुलिस को उसकी तलाश 14 साल से थी, लेकिन कहीं इस बदमाश कुछ पता नहीं चल पा रहा था। वहीं, इसके गुनाहों की लिस्ट भी लगातार लंबी होती जा रही थी। शंकर पर पहले पुलिस ने 50 हजार फिर एक लाख रुपये का इनाम घोषित किया। शंकर मूल रूप से आजमगढ़ के हाजीपुर थाना क्षेत्र के रौनापार का निवासी था।

शंकर की बचपन से ही प्रवृति आपराधिक थी। शंकर के पिता लालचंद्र कन्नौजिया लोगों की कपड़े धुलाई और उनको प्रेस करने का काम करते थे। शंकर बचपन से ही मनबढ़ था। पुलिस सूत्रों के अनुसार, शंकर की पहली लड़ाई गांव में हुई थी। इसके बाद शंकर गुनाह पर गुनाह करता चला गया। शंकर के खिलाफ साल 2009 में पहला केस पुलिस में दर्ज हुआ। केस था लूटपाट का।

साल 2009 में गैंग और 2011 में की पहली हत्या

शंकर मूल रूप से लोगों को लूटने का काम करता था। साल 2009 में शंकर गैंग बनाकर वारदत करने लगा। साल 2011 में शंकर ने पहली हत्या की थी। शंकर ने जिसकी हत्या की थी उनका नाम था विंध्याचल पांडेय। शंकर दोहरीघाट क्षेत्र में लूट कर था, तभी विंध्याचल पांडेय ने शंकर का विरोध किया, जिसके बाद विंध्याचल पांडेय को शंकर ने गला काटकर मार दिया था।

इसके बाद शंकर ने कई लूट की और उस दौरान लोगों का गला काटा। आखिरी बार साल 2014 में शंकर ने महाराजगंज के एक व्यक्ति का गला काटा था। उनका का नाम शैलेंद्र सिंह था। वो महाराजगंज के ही रहने वाले थे। शंकर ने उनकी लोडर गाड़ी लूटी थी और उनका सिर काट दिया था। पुलिस सुत्रों के अनुसार, शंकर के बारे में कई बार इनपुट मिला।

कई बार पकड़ने में नाकाम रही पुलिस

शंकर को पड़कने के लिए पुलिस ने जाल भी बिछाया, लेकिन हर बार इस बदमाश को पकड़ने में नाकाम रही। शंकर पुलिस के सामने ही वारदात करता और फिर गायब हो जाता था। आजमगढ़ पुलिस की ओर से इस बदमाश पर 50 हजार का इनाम घोषित किया था। बाद में शैलेंद्र सिंह की हत्या के बाद इस पर रखे इनाम की राशि बढ़ाकर एक लाख की गई। इस हत्या के बाद ही यूपी एसटीएफ शंकर की तलाश में लग गई थी।

जिलाधिकारी ने बर्जी मुकुन्दपुर गोवंश आश्रय स्थल का किया निरीक्षण

आर्यावर्त संवाददाता

मीरजापुर। जिलाधिकारी पवन कुमार गंगवार ने शुक्रवार को तहसील सदर अन्तर्गत ग्राम बर्जी मुकुन्दपुर में पहुंचकर गौ आश्रय स्थल का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान बेहतर साफ सफाई न होने पर मुख्य पशु चिकित्साधिकारी को कड़ी चेतावनी देते हुए कहा कि गौशालाओं में नियमित दिन में लगभग से दो से तीन बार सफाई कराई जाए। उन्होंने गौशाला में स्थित भूषा गोदाम, चारा चोकर, पानी आदि का निरीक्षण किया। गौशाला में भूषा, चोकर मात्रा के अनुसार पाया गया। मुख्य पशु चिकित्साधिकारी द्वारा जिलाधिकारी को बताया गया कि गौशाला में पशुओ को पर्याप्त भूषा, चारा चोकर आदि उपलब्ध कराया जाता हैं। जिलाधिकारी ने कहा कि हरा चारा की व्यवस्था करते हुए भूषा के साथ दिया जाए। पशुओ के स्वास्थ्य के बारे में जिलाधिकारी ने कहा कि स्वास्थ्य परीक्षण कराते हुए बीमार पशुओं का नियमानुसार उपचार कराया जाए। उन्होंने कहा कि गौशाला में उपलब्ध पशुओं के स्वास्थ्य पर विशेष ध्यान रखा जाए। गौशाला में कुछ पशुओं के कमजोर पाए जाने व हरा चारा न पाए जाने पर जिलाधिकारी ने मौके पर उपस्थित खण्ड विकास अधिकारी सिटी व मुख्य पशु चिकित्साधिकारी को हरा चारा प्रबंध कराने का निर्देश देते हुए मौके पर उपस्थित प्रधान व सेक्रटरी पर कड़ी नाराजगी व्यक्त करते हुए गौशाला में हरा चारा उपलब्ध कराने का निर्देश दिया। जिलाधिकारी ने खण्ड अधिकारी को निर्देशित करते हुए कहा कि गौशाला में पाई गई कमियों के प्रति लापरवाह कर्मचारी को जिम्मेदारी तय करते हुए उसके विरूद्ध कार्यवाही हेतु सोमवार तक पत्रावली उपलब्ध कराई जाए। मुख्य पशु चिकित्साधिकारी को निर्देशित करते हुए कहा कि नियमित गौशालाओं का स्वंय निरीक्षण करें। उन्होंने मौके पर उपस्थित नगर मजिस्ट्रेट को निर्देशित किया।

मुख्तार अंसारी के बेटे उमर की बदली गई जेल, अब भाई अब्बास के साथ कासगंज में कटेंगे दिन

आर्यावर्त संवाददाता

गाजीपुर। उत्तर प्रदेश की गाजीपुर जेल माफिया मुख्तार अंसारी के छोटे उमर अंसारी में बंद हैं। हालांकि अब उनकी जेल बदल दी गई है। शनिवार सुबह उमर अंसारी को कासगंज जेल में शिफ्ट कर दिया गया है। इस बदलाव के पीछे की वजह पुलिस ने सुरक्षा कारणों को बताया है। उमर फर्जी दस्तावेज मामले में जेल में बंद हैं। उमर को 4 अप्रैल को गिरफ्तार किया गया था तभी से वो जेल में बंद हैं। उमर अंसारी को कोर्ट में नकली दस्तावेज पेश करने के आरोप में गिरफ्तार कर किया गया था। यह मामला उनके पिता मुख्तार अंसारी की जब्त की गई संपत्तियों को छुड़ाने के लिए दायर एक याचिका से जुड़ा हुआ है। उमर को शनिवार सुबह कासगंज जेल शिफ्ट कर दिया गया है।

कासगंज जेल में ही उमर के भाई अब्बास अंसारी भी बंद हैं। अब्बास अंसारी पर साल 2022 के यूपी विधानसभा चुनाव के दौरान भड़काऊ भाषण देने का आरोप लगा था। स मामले में उन्हें दोषी करार देते हुए एमपी-एमएलए कोर्ट ने 31 मई को 2 साल की सजा सुनाई थी। साथ ही 3 हजार का जुर्माना भी लगाया गया था। हालांकि हाल ही में हाईकोर्ट ने उन्हें राहत दी है।

किस मामले में जेल में बंद है उमर?

दरअसल गैंगस्टर मुख्तार अंसारी के छोटे बेटे उमर अपने पिता की संपत्तियों के मामले में ही जेल में बंद हैं। उमर पर आरोप है कि उन्होंने अपनी मां अफशां अंसारी के नकली साइन करके जब्त की गई संपत्ति के फर्जी दस्तावेज तैयार किए हैं। इसी मामले में उनपर मोहम्मदाबाद थाने में मामला दर्ज किया गया था। उमर की मां और मुख्तार अंसारी की पत्नी पर भी पुलिस ने 50 हजार का इनाम घोषित किया था, जो लंबे समय से फरार चल रही हैं। अफशां खान पर करीब 13 मामले दर्ज हैं।

हार्ट अटैक से हुई थी मुख्तार अंसारी मौत

गैंगस्टर मुख्तार अंसारी की आज से लगभग 3 साल पहले बांदा जेल में हार्ट अटैक के कारण मौत हो गई थी। इस मौत को लेकर उस समय कई तरह के आरोप भी लगाए गए थे। परिवार ने अंसारी की मौत को साजिश बताया था, इसके साथ ही इसमें किसी और के शामिल होने का आरोप भी लगाया था। हालांकि इस पूरे मामले में जेल अधिकारियों की तरफ से कहा गया था कि मुख्तार को मौत से करीब 3 घंटे पहले ही इलाज के लिए मंडलीय कारागार से मेडिकल कॉलेज लाया गया था। जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई।

26 अगस्त को एक दिवसीय रोजगार मेले का होगा आयोजन

बलरामपुर। जिला सेवायोजन अधिकारी मीता गुप्ता ने बताया कि जिला सेवायोजन कार्यालय बलरामपुर द्वारा आगामी 26 अगस्त,2025 को एक दिवसीय रोजगार मेले का आयोजन जिला सेवायोजन कार्यालय परिसर नहरबालागंज बलरामपुर में किया जा रहा है जिसमें देश की विभिन्न प्रतिष्ठित कम्पनियों द्वारा प्रतिभाग किया जाएगा। विभिन्न योग्यताधारी अभ्यर्थी जैसे बी० काम० आई० टी० आई०, कोपा, ए०डी०सी०ए० एवं किसी भी इंस्टीट्यूट से ग्रेजुएट, पोस्ट ग्रेजुएट, आई० टी० आई० पास अभ्यर्थी अपनी समस्त मार्कशीट व अंकपत्र के चार फोटोकापी व आधार कार्ड के साथ रोजगार मेले में प्रतिभाग कर सकते हैं। उन्होंने बताया की ये कम्पनियां विभिन्न पदो के लिए जैसे एंकाउटेंट, कम्प्यूटर आपरेटर, सेल्स एवं मार्केटिंग की पोस्ट के लिए अभ्यर्थियों का चयन करेंगी। क्वेस कार्प कम्पनी आई० टी० आई० पास व दो साल की अप्रेंटिसशिप किये हुए अभ्यर्थियों का चयन लगभग रूपये 16500 के वेतनमान के लिए करेंगी।

तमाशा बना रखे हैं... विधायक के गुस्से पर भड़का डॉक्टर, बोले– आप जैसे बहुत देखे

आर्यावर्त संवाददाता

गाजीपुर। यूपी के गाजीपुर के विधायक बेदीराम का एक वीडियो सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रहा है। इस वीडियो में विधायक और सीएचसी डॉक्टर के बीच तीखी नोकझोंक दिखाई दे रही है। वायरल वीडियो में दिखाया गया कि दोनों के बीच बहस इस कदर बढ़ गई कि सीएचसी डॉक्टर अपनी कुर्सी से उठकर विधायक से बोले, "आपके जैसे बहुत विधायक आए और गए। मुझे काम करना होगा करूंगा वरना इस्तीफा दे दूंगा।"

दरअसल, विधायक बेदीराम सीएचसी का निरीक्षण करने अचानक वहां पहुंच गए। अस्पताल की खराब व्यवस्था को देखकर वह डॉक्टर पर भड़क गए। वायरल वीडियो में दिखाया गया है कि विधायक सीएचसी के डॉक्टर को फटकार लगाते हुए कहते हैं कि जब सरकार वेतन और संसाधन दे रही हैं, तो मरीजों को मुफ्त इलाज क्यों नहीं मिल रहा है।

'अस्पताल को बना रखा है कबाड़खाना'- विधायक

वायरल वीडियो में विधायक बेदीराम डॉक्टर पर चिल्लाते हुए कहते हैं कि अस्पताल को कबाड़खाना जैसा बना दिया गया है। संसाधन होने के बावजूद मरीजों को लाभ नहीं मिल पा रहा है। सभी मरीजों को बाहर से दवा लानी पड़ रही है। उन्होंने कहा जबकि मुख्यमंत्री का आदेश है कि सभी दवा यहां से मुफ्त मिलेगी। उन्होंने मरीजों को कहा कि किसी को पैसे से दवा खरीदने की जरूरत नहीं है, अस्पताल में सारी दवाएं फ्री हैं।

'गुटखा खाकर बात न करें'

इसके बाद विधायक डॉक्टर से कहते हैं कि अस्पताल को तमाशा बना कर रखा है। तुमको बिल्कुल तमीज नहीं है गुटखा खाकर मुझसे बात कर रहे हो। उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी मंशा को लेकर तुम अभी भी काम कर रहे हो। उन्होंने अपने कार्यकर्ताओं से कहा कि मरीजों की स्टेटमेंट लेकर इस अस्पताल की व्यवस्था के बारे में सीएम को एक पत्र लिखें।

'बहुत विधायक आए और चले गए'

विधायक के व्यवहार को देखते हुए डॉक्टर गुस्सा गए और अपनी कुर्सी से उठकर बोले की अगर बात करनी है तो ठीक से करो। मैं सरकार की मंशा के अनुसार काम करता हूं। डॉक्टर ने गुस्से में कहा कि आपके जैसे बहुत विधायक आए और चले गए। मुझे नौकरी करना होगा तो करूंगा बरना इस्तीफा दे दूंगा।

बिजली विभाग की लापरवाई से लोगों के घरों व गेट के सामने लटक रहा बिजली का तार

आर्यावर्त संवाददाता

उतरौला/ बलरामपुर। उतरौला बाजार से मुंसिफ कोर्ट को जाने वाले मार्ग पर बिजली के तार ढीले होकर सड़क से मात्र पांच फिट ऊपर लटक रहे हैं। बिजली के तार ढीले होकर इतना अधिक नीचे लटक रहे हैं कि लोगों के घरों के गेट और दरवाजों पर आ गए हैं। इससे बड़े हादसों की आशंका बनी रहती है। लेकिन बिजली विभाग खामोश है। डॉ अकील खान व अब्दुल्ला चक्की के पास बिजली का एलटी तार इतना नीचे लटक रहा कि है लोगों का घरों से निकलना मुश्किल हो गया। आस पास के लोग मौत के साए मे जीने को मजबूर है। इस रास्ते से गुजरने वालों के हाथ तार छू से जातें है। बाइक स्वरों का सर व गर्दन भी लटकते तारों के संपर्क में आ जाते हैं। इस कारण रोजाना हादसे का भय बना रहता है। डॉ अकील खान ने बताया कि फोन के माध्यम से कई बार इसकी सूचना बिजली विभाग के अधिकारियों को दी गई लेकिन समस्या का कोई समाधान नहीं किया गया। शायद बिजली विभाग किसी बड़े हादसे का इंतजार कर रहा है। इस स्थिति में मोहल्ले के लोगो में बिजली विभाग के प्रति रोष बना हुआ। बिजली विभाग किसी बड़े हादसे का इंतजार कर रहा है। मोहल्ले के बच्चे इन लटकते हुए तारों के कारण खेल भी नहीं पातें बुजुर्ग घरों में कैद होकर रह गए है। लटकते तार कई बार राहगीरों व घर आने जाने वाले लोगों को छू जाते है। इसके कारण कई बार महिलाओं को करंट भी लगा है। मोहल्ले के लोगों का कहना है कि बिजली विभाग की लापरवाही के कारण पूरे मोहल्ले को भय के माहौल में जीना पड़ रहा है। जेई पवन कुमार ने बताया कि एस्टीमेट बनाकर कार्यदाई संस्था को भेज दिया है। फिलहाल लटक रहे बिजली के तार की कोई वैकल्पिक व्यवस्था कर मोहल्ले के लोगों को राहत दी जाएगी।

NH–29 पर ट्रेलर से टकराई इनोवा कार, कालिदास संस्कृत यूनिवर्सिटी के कुलपति की मौत, पत्नी की भी गई जान

आर्यावर्त संवाददाता

मऊ। महाराष्ट्र के कविकुलगुरु कालिदास संस्कृत यूनिवर्सिटी, रामटेक के कुलपति प्रोफेसर हरेराम त्रिपाठी और उनकी पत्नी की एक सड़क हादसे में मौत हो गई। ये हादसा शनिवार की सुबह उत्तर प्रदेश के मऊ के दोहरीघाट थाना क्षेत्र में वाराणसी-गोरखपुर हाईवे पर हुआ, जिसमें दोनों पति-पत्नी की जान चली गई। वहीं उनका ड्राइवर गंभीर रूप से घायल हो गया। बताया जा रहा है कि उनकी कार की ट्रेलर से टक्कर हो गई थी।

कार और ट्रेलर की टक्कर इतनी जोरदार थी कि कार के परखच्चे उड़ गए और आगे से कार पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गई। इस हादसे में पति-पत्नी की मौके पर ही मौत हो गई, जिनके शव को कार के अंदर से कड़ी मशक्कत के बाद निकालकर पोस्टमार्ट्म के लिए अस्पताल भेजा गया। अब पुलिस मामले की जांच में जुट गई है कि ये हादसा किन कारणों के चलते हुआ। इसकी जानकारी अभी सामने नहीं आई है।

बड़हलगंज होते हुए देवरिया जा रही थी कार

मृतक कुलपति हरेराम त्रिपाठी और उनकी पत्नी बादामी देवी देवरिया के चकिया के रहने वाले थे। हरेराम त्रिपाठी संपूर्णानंद संस्कृत विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति और कविकुलगुरु कालिदास संस्कृत विश्वविद्यालय, रामटेक (नागपुर) के वर्तमान कुलपति थे। इस घटना में गंभीर रूप से घायल कार चालक वैभव मिश्रा बिहार के गोपालगंज का निवासी था। उनकी हालात गंभीर होने पर डॉक्टरों ने जिला अस्पताल रेफर कर दिया।

कुलपति हरेराम त्रिपाठी खुद चला रहे थे कार

अभी तक हादसे का कारण स्पष्ट नही हो पाया है। कार बनारस से बड़हलगंज होते हुए देवरिया जा रही थी। तभी ये हादसा हो गया। ग्रामीणों ने बताया कि कार चालक को नींद आने पर हादसे के समय हरेराम त्रिपाठी खुद कार चला रहे थे। अचानक हुए सड़क हादसे से हड़कंप मच गया। घटना के बाद फोरलेन पर गाड़ियों की लंबी लाइनें लग गईं। सूचना पर पहुंची पुलिस हाईड्रा और जेसीबी मंगा कर क्षतिग्रस्त कार फोरलेन से हटाकर थाने ले गई, जबकि हादसे के बाद ट्रेलर चालक मौके से फरार हो गया।

अनफीडिंग वर्ल्ड बैंक द्वारा जरूरतमंदों को मिलेगा नि :शुल्क ऋण व आवास

आर्यावर्त संवाददाता

मीरजापुर। अपर निदेशक अन-फीडिंग वर्ल्ड बैंक आर0एन0 गर्ग ने एक विज्ञप्ति के माध्यम से जानकारी देते हुए बताया है कि अन-फीडिंग वर्ल्ड बैंक एक अर्न्तराज्यीय परियोजना है, जो गैर संगठित क्षेत्रों के सभी किसानों, स्वयं सहायता समूहों, महिलाओं एवं अन्य सभी जरूरतमंद समूहों को सीएसआर वेलफेयर फन्ड से अनफीडिंग वर्ल्ड बैंक जीरो डिपोजिट आरडी-एकाउन्ट के द्वारा, उनके सभी चिकित्सा, शिक्षा, निश्चित रोजगार प्रशिक्षण एवं अन्य आवश्यक चयनित बिलों के भुगतान, एवं छोटे घरों के लिये 2.40 लाख रू0, तथा किसी भी आवश्यकता के लिये बिना ब्याज के ऋण, बिना किसी औपचारिकता के कैश सहायता के रूप में दुनिया में पहली बार बिल्कुल फी उपलब्ध करा रही है। प्रस्तावित, अन-फीडिंग वर्ल्ड बैंकों के लिये, सभी कार्य केवल, अन्तर्राज्यीय फन्डिंग एजेन्सी, अन-फीडिंग वर्ल्ड बैंक परियोजना, द्वारा किये जायेंगे। भारत सरकार के आत्मनिर्भर भारत अभियान के अन्तर्गत, सभी जरूरतमंद लोगों के लिए अन-फीडिंग वर्ल्ड बैंक परियोजना का, केन्द्रीय मंत्रो, आवास एवं शहरी मामले मंत्रालय, भारत सरकार, द्वारा विकास भवन लखनऊ के सभागार में शासन, प्रशासन, मीडिया एवं गणमान्य लोगों की उपस्थिति में दीप जलाकर भव्य शुभारम्भ किया गया था, तथा जिला प्रशासन द्वारा पत्रों के माध्यम से सम्बन्धित अधिकारियों को आवश्यक सहयोग करने के लिए निर्देशित किया जा चुका है तथा 20 अप्रैल 2025 को होटल ताज गोमती नगर, लखनऊ में राज्य मंत्री उत्तर प्रदेश सरकार, द्वारा अनफीडिंग वर्ल्ड बैंक परियोजना का शुभारम्भ किया गया है। अनफीडिंग वर्ल्ड बैंक परियोजना आर्थिक रूप से कमजोर लोगों एवं महिलाओं के सहायतार्थ उनको, सीएसआर वेलफेयर फन्ड से छोटे घरों के लिये 2.40 लाख रू0 एवं किसी भी आवश्यकता के लिये, बिना ब्याज के ऋण बिना किसी औपचारिकता के कैश सहायता के रूप में, उपलब्ध कराने के लिये विशेष रूप से संचालित की जा रही है।

चलती बाइक की टंकी पर बैठ बॉयफ्रेंड को कसकर लगाया गले, तोड़े ट्रैफिक रूल

आर्यावर्त संवाददाता

गोरखपुर। उत्तर प्रदेश के गोरखपुर से एक प्रेमी जोड़े का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है, जिसमें गर्लफ्रेंड और बॉयफ्रेंड चलती बाइक पर एक दूसरे से लिपट कर बैठे हुए हैं। चलती बाइक पर दोनों रोमांस करते और ट्रैफिक रूल तोड़ते नजर आ रहे हैं। वायरल वीडियो में युवक बाइक चला रहा है और उसकी गर्लफ्रेंड बाइक की टंकी पर सामने से युवक को कसकर गले लगाकर बैठी हुई है। बताया जा रहा है कि ये दोनों रामगढ़ ताल घूमने आए थे। तभी दोनों का वीडियो बना लिया गया और सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया।

वीडियो वायरल होने के बाद पुलिस ने इसका संज्ञान लेते हुए गोरखपुर पुलिस को कार्रवाई करने के लिए लिखा। ये वीडियो गोरखपुर के राम गढ़ताल का बताया जा रहा है। वीडियो में युवक हेलमेट पहनकर बाइक चला रहा है और बाइक पर युवक के आगे सामने की तरफ से उसकी गर्लफ्रेंड बैठी हुई है। युवती ने युवक को दोनों हाथ से कस कर पकड़ा हुआ है और दोनों चलती बाइक पर रोमांस करते दिखाई दे रहे हैं।

वीडियो में देखा जा रहा है कि दोनों एक दूसरे को देखकर हंसी मजाक भी कर रहें हैं। बाइक पर जा रहे इस प्रेमी जोड़े का किसी ने वीडियो रिकॉर्ड कर लिया, जो अब सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रहा है। जहां-जहां से बाइक गुजरती है। दोनों को देखकर आसपास के लोग भी हैरान हो रहे हैं, लेकिन प्रेमी जोड़े पर लोगों का कोई असर नहीं पड़ता और वह अपनी धुन में चले जा रहे हैं।

उत्तर प्रदेश पुलिस ने भी एक ऐसा ही वीडियो एक्स पर शेयर किया था, जो नोएडा से सामने आया था। पुलिस ने एक्स पर वीडियो पोस्ट करते हुए लिखा था, "रोमियो और जूलियट ने नोएडा में बाइक सीक्वल बनाने की कोशिश की। इस बार क्लाइमेक्स कोई लव सॉन्ग नहीं बल्कि, एक भारी चालान था। सुरक्षित यात्रा करें, नियमों का पालन करें, अपनी लव स्टोरी को लंबे समय तक चलने दें।"

आकाशवाणी के द्वारा गांव के विकास पर की गई चर्चा

आर्यावर्त संवाददाता

मीरजापुर। जनपद के विकासखंड जमालपुर के भाईपुर कलां गांव में शनिवार को आकाशवाणी वाराणसी की तरफ से आकाशवाणी के खेती एवं ग्रामीण विकास पर चर्चा किया गया। कार्यक्रम के अंतर्गत गांव की खेती-किसानी एवं गांव के विकास के संबंध में कार्यक्रम सहयोगी राम कृष्ण मिश्र उर्फ नन्द भईया ने ग्रामीणों से चर्चा किया गया। स्थानीय निवासी ओम प्रकाश श्रीवास्तव ने गांव के बारे में विस्तृत जानकारी दिया।किसान शिवमन्दिर सिंह ने तकनीकी खेती एवं आर्गेनिक खेती करने पर बल दिया। सब्जी के खेती पर अवधेश सिंह ने अपने विचार दिया।एस के वर्मा ने शिक्षा में नवाचार और परिवर्तनों पर प्रकाश डाला। पर्यावरण के क्षेत्र में काम करने वाले गोविंद श्रीवास्तव द्वारा पेड़ों के महत्व पर जानकारी देते हुए अधिक से अधिक वृक्षारोपण हेतु आग्रह किया गया।प्लास्टिक मुक्त के लिए भी आग्रह किया। कार्यक्रम के अंत में गांव निवासी सिंधू ने गीत सुनाया। कार्यक्रम के पश्चात आकाशवाणी वाराणसी के कार्यक्रम अधिशासी दिनेश सिंह का नागरिक अभिनन्द किया गया। वरिष्ठ कवि ओम प्रकाश श्रीवास्तव के द्वारा अभिनंदन पत्र एवं अंगवस्त्रम देकर अधिशासी अधिकारी का सम्मान किया गया। आकाशवाणी अधिशासी अधिकारी दिनेश कुमार सिंह, ओमप्रकाश श्रीवास्तव, नवल किशोर सिंह, उमेश चंद्र द्विवेदी ,आलोक कुमार श्रीवास्तव, रमेश सिंह, जय गोपाल सिंह, डॉ मुकेश, गौरव सिंह, प्रदीप सिंह, भृगुनाथ सिंह, जसवंत सिंह, विजय सिंह, सुनील सिंह, शुभम राय सहित दर्जनों लोग मौजूद रहे।

किडनी की दुश्मन हैं ये चार चीजें, नजरअंदाज करना सेहत के लिए हो सकता है खतरनाक

लाइफस्टाइल और खानपान की गड़बड़ी के चलते आज के समय में किडनी की बीमारियों का खतरा काफी बढ़ गया है। सबसे बड़ी चिंता की बात यह है कि किडनी रोग अक्सर बिना किसी शुरुआती लक्षण के धीरे-धीरे बढ़ते हैं और जब तक मरीज को पता चलता है, तब तक नुकसान काफी हद तक हो चुका होता है।

शरीर को स्वस्थ रखना चाहते हैं तो किडनी की सेहत पर ध्यान देना बहुत आवश्यक हो जाता है। हमारे शरीर के लिए किडनी एक फिल्टर के रूप में काम करती है। हर दिन हमारी किडनी लगभग 50 गैलन खून साफ करती है, अपशिष्ट पदार्थों को बाहर निकालती है और शरीर में पानी व खनिजों का संतुलन बनाए रखने में मदद करती है। अब

अगर इसमें किसी प्रकार की दिक्कत हो जाए तो संपूर्ण स्वास्थ्य पर कई प्रकार से नकारात्मक असर हो सकता है।

लाइफस्टाइल और खानपान की गड़बड़ी के चलते आज के समय में किडनी की बीमारियों का खतरा काफी बढ़ गया है। सबसे बड़ी चिंता की बात यह है कि किडनी रोग अक्सर बिना किसी शुरुआती लक्षण के धीरे-धीरे बढ़ते हैं और जब तक मरीज को पता चलता है, तब तक नुकसान काफी हद तक हो चुका होता है। शुरुआती चरणों के दौरान, 10 में से नौ लोगों को पता ही नहीं चलता कि उन्हें यह बीमारी है।

अगर किडनी की बीमारी का समय रहते पता चल जाए और उसका सही तरीके से इलाज हो जाए, तो गंभीर समस्याओं से बचा जा सकता है। आइए जानते हैं कि वो कौन सी चार स्थितियां हैं जो किडनी को सबसे ज्यादा नुकसान पहुंचाती हैं, जिनपर ध्यान देकर किडनी को बीमारियों से बचाया जा सकता है।

ब्लड शुगर हाई रहना खतरनाक

डायबिटीज किडनी रोग का सबसे बड़ा कारण है। जब शरीर में शुगर का लेवल लंबे समय तक सामान्य से अधिक बना रहता है तो इससे किडनी की छोटी-छोटी रक्त नलिकाओं को नुकसान पहुंचने लगता है। इससे किडनी को पर्याप्त मात्रा में ऑक्सीजन युक्त रक्त नहीं मिल पाता और किडनी का सामान्य कार्य बाधित हो जाता है।

नेशनल किडनी फाउंडेशन के अनुसार, लगभग 40% किडनी फेल होने के मामले डायबिटीज से जुड़े हैं। डायबिटीज रोगियों में क्रॉनिक किडनी डिजीज का खतरा सामान्य लोगों से 3 गुना ज्यादा है। अगर ब्लड शुगर को नियंत्रित न किया जाए तो इससे डायबिटिक नेफ्रोपैथी नामक स्थिति विकसित हो जाती है, जो जानलेवा भी हो सकती है।

अत्यधिक पेनकिलर का सेवन

लंबे समय तक पेनकिलर या कुछ एंटीबायोटिक्स का उपयोग भी किडनी को नुकसान पहुंचा सकता है। नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ हेल्थ की एक रिपोर्ट के अनुसार, लंबे समय तक बिना डॉक्टरी सलाह के पेनकिलर लेने वाले लोगों में किडनी डैमेज का खतरा 5 गुना तक बढ़ जाता है। इन दवाओं से किडनी की रक्त आपूर्ति कम हो जाती है, जिससे नेफ्रोटॉक्सिसिटी हो सकती है।

साल 2022 के एक अध्ययन में पाया गया कि लगभग 15-18% एक्यूट किडनी इंजरी के केस दवाओं के अधिक सेवन से जुड़े होते हैं।

धूम्रपान की आदत खतरनाक

धूम्रपान का नकारात्मक असर संपूर्ण स्वास्थ्य पर हो सकता है, पर इस आदत के कारण किडनी को गंभीर रूप से नुकसान पहुंचने का खतरा हो सकता है। धूम्रपान आपके दिल और रक्त वाहिकाओं (कार्डियोवैस्कुलर सिस्टम) को नुकसान पहुंचती है, जिससे किडनी में रक्त का प्रवाह बाधित हो सकता है। रक्त प्रवाह में होने वाली समस्याओं का जोखिम किडनी की सेहत के लिए भी बहुत हानिकारक माना जाता है। किडनी सहित संपूर्ण सेहत को ठीक रखने के लिए धूम्रपान से दूरी बनाकर रखने की सलाह दी जाती है।

ब्लड प्रेशर बढ़ा रहना नुकसानदायक

कई अध्ययनों में इस बात को लेकर चिंता जताई जाती रही है कि युवा आबादी में हाई ब्लड प्रेशर की समस्या बढ़ती जा रही है। समय के साथ उच्च रक्तचाप आपके पूरे शरीर में रक्त वाहिकाओं को नुकसान पहुंचाने लगता है, इससे किडनी जैसे महत्वपूर्ण अंगों में रक्त की आपूर्ति कम हो जाती है। उच्च रक्तचाप के कारण आपकी किडनी में मौजूद छोटी फिल्टरिंग इकाइयां भी क्षतिग्रस्त होने लग जाती हैं जिससे किडनी का सामान्य कार्य बाधित होने लगता है। रक्त से अपशिष्ट और अतिरिक्त तरल पदार्थ निकालने में होने वाली समस्या संपूर्ण स्वास्थ्य के लिए हानिकारक है।

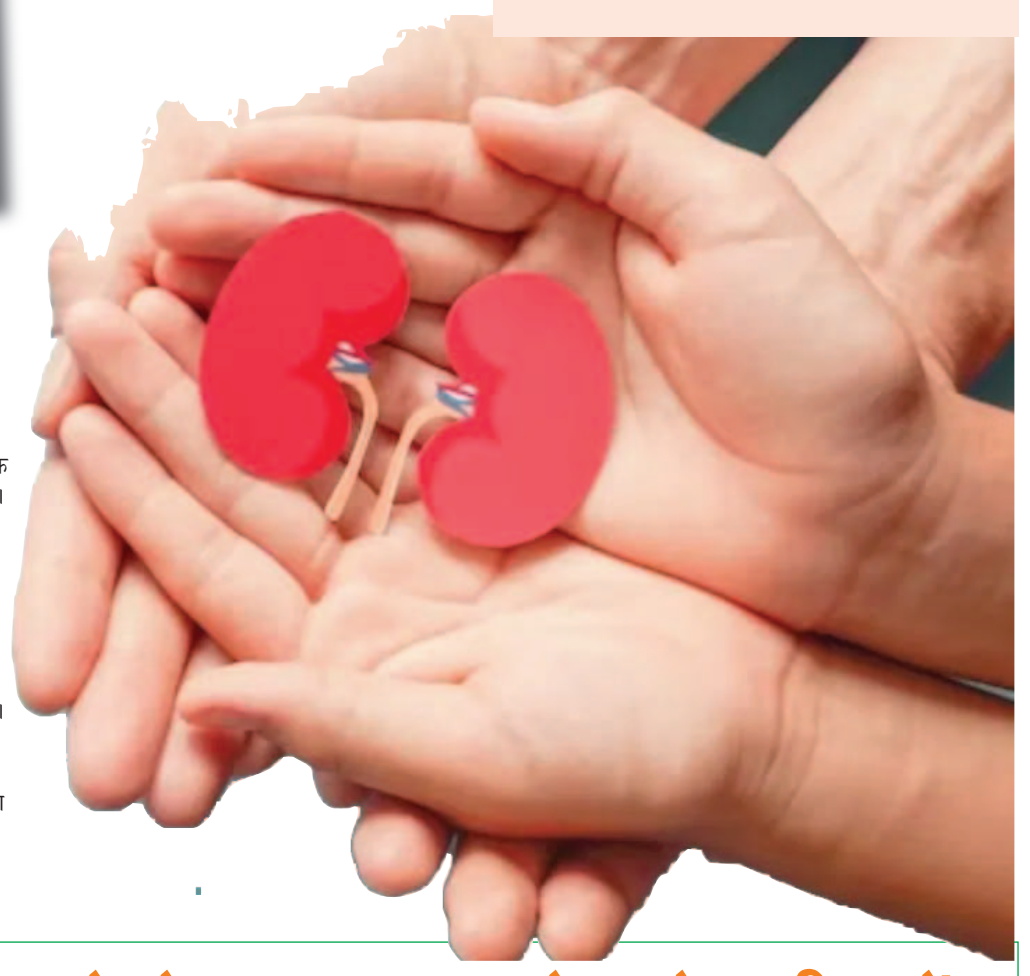

एरिका पाम को लगाने से देखभाल तक... स्टेप बाय स्टेप जानें पूरी केयर

अगर आप पहली बार पौधा लगा रहे हैं तो एरिका पाम एक बेहतरीन ऑप्शन है . ये पौधा कम देखभाल वाला होता है और घर की खूबसूरती बढ़ा देता है . साथ ही इसे घर में लगाने के कई जबरदस्त फायदे भी हैं . चलिए स्टेप बाय स्टेप जानते हैं इसे लगाने से लेकर इसके केयर करने तक के बारे में सबकुछ . एरिका पाम को लगाने से देखभाल तक ....

एरिका पाम एक ऐसा पौधा है, जिसे आप घर के अंदर और बाहर दोनों जगह रख सकते हैं। इसे कम धूप की जरूरत होती है। इस पौधे में फूल नहीं आते हैं, लेकिन इसकी लंबी हरी पत्तियां इसे बेहद खूबसूरत बनाती है। इस पौधे को कम धूप की जरूरत होती है। ऐसे में लोग इसे अपने बैडरूम और लिविंग एरिया में रखना पसंद करते हैं। एरिका पाम हवा को शुद्ध करता है और कमरे में रखने से ये एक पीसफुल माहौल देता है।

इसके अलावा ये हवा से नमी को कम करता है और ऑक्सीजन देता है। इसकी देखभाल करना भी काफी आसान है। इसे तेज धूप और ज्यादा पानी की जरूरत नहीं होती है। अगर आप भी घर में एरिका पाम पौधा लगाने की सोच रहे हैं तो ये आर्टिकल आपके लिए ही है। यहां हम आपको एरिका पाम लगाने से लेकर देखभाल तक स्टेप बाय स्टेप सब कुछ बताने जा रहे हैं।

घर में कैसे उगाएं एरिका पाम ?

घर में एरिका पाम उगाने के लिए आपको ज्यादा झंझट की जरूरत नहीं है। इसके लिए अच्छी ड्रेनेज वाली मिट्टी लें। आप गार्डन सॉइल, कोकोपीट, रेट और कंपोस्ट का मिश्रण मिला सकते हैं। फिर एक बड़ा गमला लें और उसके तले में होल करें ताकि पानी जमा न हो सके। इसके बाद आधे गमले में मिट्टी भर दें। बीच में एक होल करें और उसमें पौधे की जड़ों को जमाएं। इसके आसपास मिट्टी को दबाएं और मिट्टी को अच्छे से गीला कर दें। शुरुआत में पौधे को 3-4 दिन छांव वाली जगह पर रखें।

कितने दिन में दें पानी ?

एरिका पाम को ज्यादा पानी की जरूरत नहीं होती है। इसलिए पौधा लगाने के बाद मिट्टी 23 सेमी मिट्टी सूखी लगे तभी पानी दें। जैसे गर्मियों के मौसम में हफ्ते में 23 बार पानी देना काफी है। वहीं, अगर सर्दी का मौसम है तो हफ्ते में 1 से 2 बार पानी देना काफी होगा। ध्यान रखे की पानी गमले में जमा न हो, क्योंकि इससे पौधे की जडें सड़ सकती हैं।

इस तरह से करें कटाई

एरिका पाम की पत्तियों की कटाई भी समय -समय पर करनी चाहिए। जब इसकी पत्तियां पीली पड़ने लगे या सूखने लगें तब पत्तियों को कैंची की मदद से कट कर दें। हरी भरी पत्तियों को भूल से भी न काटें। महीने में एक बार सूखी और पीली पत्तियों को हटाने से पौधा, तंदुरुस्त और हरा भरा रहता है। इसके अलावा महीने में 12 बार गीले नरम कपड़े से पत्तियों को पोंछें।

सही जगह पर रखें पौधा

एरिका पाम को तेज धूप की आदत नहीं होती है। ऐसे में आप इसे हमेशा ऐसी जगह पर रखें ज्यादा सीधी धूप न पड़ती हो। जैसे बालकनी या खिड़की के पास इसे रखना सबसे अच्छा होता है। इसे वेंटिलेशन की भी जरूरत होती है। इसे सही तापमान पर रखें। ज्यादा गर्मी या ज्यादा ठंड की वजह से पौधा सूख सकता है। हो सके तो इसे एसी में रखने से बचाएं।

घर में एरिका पाम लगाने के जबरदस्त फायदे

एरिका पाम को घर में लगाने के कई फायदे हैं। जैसे ये हवा को शुद्ध करता है। एक रिसर्च के मुताबिक, एरिका पाम स्ट्रेट को कम करने में भी मदद करता है। इससे माइंड फ्रेश होता है और फोकस बढ़ता है। ऐसा भी कहा जाता है कि एरिका पाम भाग्यशाली होता है। इसे घर में लगाने से धन, शांति और समृद्धि बनती रहती है। साथ ही ये घर में पॉजिटिव एनर्जी भी लाता है। इसकी सबसे खास बात की ये जानवरों और छोटे बच्चों को कोई नुकसान नहीं पहुंचाता हैं।

आखिर केले का आकार हमेशा टेढ़ा ही क्यों होता है? वजह जानकर हैरान रह जाएंगे आप

केला सेहत के लिए बहुत अच्छा होता है। इसलिए कई लोग इसे प्यार से खाते हैं। केला शरीर को तुरंत ऊर्जा देता है। इसमें कई पोषक तत्व होते हैं। इसलिए इसे सुपरफूड कहा जाता है। कई लोग सुबह नाश्ते में केला खाते हैं। कुछ लोग एनर्जी के लिए शाम को केला खाते हैं। मांसपेशियों के निर्माण से लेकर शरीर में इलेक्ट्रोलाइट संतुलन बनाए रखने तक, केला सेहत के लिए वरदान है। हालांकि, केले हमेशा थोड़े मुड़े हुए या टेढ़े-मेढ़े होते हैं। यह सवाल आपके मन में भी आता होगा कि केले का आकार टेढ़ा क्यों होता है ? आइए अब इसके पीछे के विज्ञान के बारे में जानते हैं।।।

केले का आकार थोड़ा टेढ़ा होने का सबसे बड़ा कारण फोटोट्रोपिज्म है। जिसका अर्थ है कि पौधे प्रकाश की ओर झुकते हैं। वहीं, केले के पेड़ में जब फल लगने लगते हैं, तो कलियां (जो बाद में केले के गुच्छे बन जाती हैं) नीचे की ओर झुक जाती हैं। ऐसा इसलिए होता है क्योंकि केले का फल गुरुत्वाकर्षण के प्रभाव में नीचे की ओर विकसित होता है। जैसे-जैसे फल बढ़ते हैं, वे सूर्य के प्रकाश की ओर मुड़ने लगते हैं, जिससे केले का आकार टेढ़ा हो जाता है।। यह एक प्राकृतिक प्रक्रिया है।

अधिकांश पौधों की जड़ें गुरुत्वाकर्षण की दिशा में, यानी नीचे की ओर बढ़ती हैं, जबकि तना ऊपर की ओर बढ़ता है। लेकिन केले के फल के मामले में, यह थोड़ा अलग है। केले का फल पहले गुरुत्वाकर्षण की दिशा में नीचे की ओर बढ़ता है, लेकिन फिर धीरे-धीरे सूर्य के प्रकाश की तलाश में ऊपर की ओर मुड़ जाता है। इस प्रक्रिया को नकारात्मक भू-आकृतिवाद कहा जाता है।

क्या केले का टेढ़ा आकार उसके स्वाद को प्रभावित करता है?

इस प्रश्न का उत्तर निश्चित रूप से नहीं है। केले के आकार का उसके स्वाद से कोई लेना-देना नहीं है। इसका स्वाद मुख्यतः किस्म, मिट्टी, जलवायु और पकने की अवस्था पर निर्भर करता है। स्वाद इस बात पर निर्भर नहीं करता कि केला सीधा है या टेढ़ा। केला पकने पर मीठा लगता है। इसके अलावा, यह कई पोषक तत्वों से भरपूर होता है।

केले के स्वास्थ्य लाभ

केले नेचुरल शुगर और फाइबर का एक उात स्रोत हैं। ये शरीर को तुरंत एनर्जी देत हैं। केला खाने से थकान और कमजोरी कम होती है। इसलिए, विशेषज्ञों का कहना है कि नाश्ते में या व्यायाम से पहले केला खाना अच्छा होता है। केले में मौजूद फाइबर पाचन तंत्र को स्वस्थ रखने में मदद करता है। यह कब्ज की समस्या को दूर करता है। केले में पोटैशियम भरपूर मात्रा में होता है। यह हार्ट हेल्थ के लिए बहुत अच्छा होता है। पोटैशियम ब्लड प्रेशर को नियंत्रित रखता है। यह हार्ट डिजीज के जोखिम को कम करता है। केले में ट्रिप्टोफैन एमिनो एसिड होता है, जो शरीर में सेरोटोनिन हार्मोन के उत्पादन को बढ़ाता है। यह स्ट्रेस के कम करने में मदद करता है। वैसे, केला खाने के कई फायदे हैं।

ओपनएआई खोलेगा भारत में पहला ऑफिस, दिल्ली में होगी शुरुआत

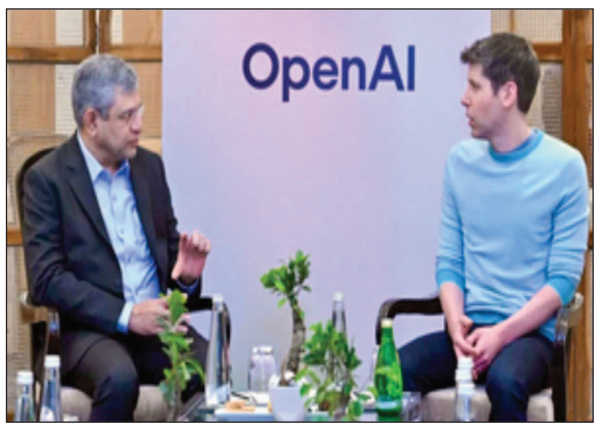

नई दिल्ली, एजेंसी। चैटजीपीटी बनाने वाली कंपनी ओपनएआई ने शुक्रवार को घोषणा की कि वह इस साल के अंत तक भारत में अपना पहला ऑफिस नई दिल्ली में खोलेगी। कंपनी ने बताया कि भारत उसके लिए अमेरिका के बाद दूसरा सबसे बड़ा और सबसे तेजी से बढ़ने वाला बाज़ार है। पिछले एक साल में भारत में साप्ताहिक सक्रिय यूजर्स की संख्या 4 गुना से अधिक बढ़ गई है।

ओपनएआई का कहना है कि भारत में ऑफिस खोलने का फैसला सरकार के इंडियाएआई मिशन को समर्थन देने की दिशा में एक अहम कदम है। कंपनी ने स्पष्ट किया कि भारत की टेक्नोलॉजी प्रतिभा, मजबूत डेवलपर इकोसिस्टम और सरकारी सहयोग से देश को ग्लोबल एआई लीडर बनाने की क्षमता है। ओपनएआई के सीईओ सैम ऑल्टमैन ने कहा, भारत में एआई के प्रति जो उत्साह और अवसर मौजूद हैं, वह अद्भुत है। यहां ऑफिस खोलना और लोकल टीम बनाना एआई को भारत के लिए और भारत के साथ मिलकर बनाने की दिशा में पहला कदम है।

केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने ओपनएआई के इस फैसले का स्वागत किया और कहा कि भारत डिजिटल इनोवेशन और एआई अपनाने में दुनिया का नेतृत्व कर रहा है। उन्होंने कहा, इंडियाएआई मिशन के तहत हम भरोसेमंद और समावेशी एआई इकोसिस्टम बना रहे हैं। ओपनएआई की साझेदारी से यह सुनिश्चित होगा कि एआई के फायदे हर नागरिक तक पहुंचें।

भारत दुनिया में चैटजीपीटी इस्तेमाल करने वाले छात्रों की सबसे बड़ी संख्या वाला देश है। साथ ही, यह ओपनएआई प्लेटफॉर्म पर डेवलपर्स के लिहाज़ से भी टॉप-5 देशों में शामिल है। स्थानीय ऑफिस और टीम बनने से भारतीय छात्रों, पेशेवरों और डेवलपर्स को सीधे तौर पर फायदा मिलेगा।

कंपनी ने कहा कि भारत में पहले से ही ओपनएआई के टूल्स का इस्तेमाल कृषि सेवाओं, भर्ती प्रक्रिया और बेहतर गवर्नेंस जैसे क्षेत्रों में हो रहा है। आगे चलकर ओपनएआई भारत के लिए विशेष टूल्स और फीचर्स भी तैयार करेगा, ताकि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और किफायती और सुलभ हो सके। कंपनी इस महीने भारत में अपना पहला एजुकेशन समिट आयोजित करेगी और साल के अंत तक पहला डेवलपर डे भी।

अगर पुलिस करे एफआईआर लिखने से मना तो फिर क्या कर सकते हैं आप? यहां जानें अपने अधिकार

कई पुलिस वाले कई मामलों में आम आदमी की एफआईआर नहीं लिखते हैं जिसके कारण लोगों को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। ऐसे में आपको अपने अधिकार के बारे में पता होना जरूरी हो जाता है।

आज के इस समय में कब किसके साथ क्या हो जाए कुछ कहा नहीं जा सकता। कई बार कई ऐसी घटनाएं मामले हो जाते हैं जिनमें हमें पुलिस की तक मदद लेनी पड़ती है। कभी सड़क पर कोई दुर्घटना हो या फिर कोई आपको परेशान कर रहा हो या फिर आपका मोबाइल चोरी हो जाए आदि। ऐसे में लोगों को पुलिस की मदद लेनी पड़ती है। पुलिस की मदद लेने का सबसे सरल तरीका है कि अपने नजदीकी थाने या चौकी में जाएं और वहां पर जाकर अपनी एफआईआर लिखवाए।

वहीं, कई बार ऐसे मामले सामने आते हैं जिनमें पुलिस आम आदमी की एफआईआर नहीं लिखती। ऐसे में आम आदमी काफी परेशान हो जाता है और उसे लगता है कि अब आगे तो सब खत्म हो गया है आदि। पर ऐसा नहीं है, क्योंकि अगर पुलिस आपकी एफआईआर लिखने से मना कर रही है तो आपके पास कानूनी तौर पर कुछ अधिकार हैं जिनका इस्तेमाल कर आप अपनी एफआईआर लिखवा सकते हैं। तो चलिए जानते हैं इस बारे में और बात करते हैं आपके अधिकारों की...

एफआईआर लिखने से पुलिस नहीं कर सकती है मना

ये जान लें कि पुलिस किसी की भी एफआईआर लिखने से मना नहीं कर सकती। पुलिस को लिखित और या मौखिक दोनों तरह से आप अपनी शिकायत दे सकते हैं। पुलिस को एफआईआर लिखवाने के बाद इसकी कॉपी लेना न भूलें, क्योंकि ये आपको आगे काम आती है और ये प्रूफ होता है कि आपने एफआईआर दर्ज करवाई है।

यहां कर सकते हैं शिकायत

पुलिस वाले अगर आपकी एफआईआर नहीं लिख रहे हैं तो आपको परेशान नहीं होना है। ऐसे में आप अपनी शिकायत आगे करवा सकते हैं। जैसे, आप अपनी लिखित शिकायत बड़े अफसर यानी एसपी या डीएसपी को अपनी शिकायत दे सकते हैं। यहां से आपको उचित मदद मिल सकती है।

ये भी है विकल्प

आपकी बात अगर एसी या डीएसपी के पास भी नहीं बनती है तो आप अपनी शिकायत दर्ज करवाने के लिए मजिस्ट्रेट के पास रिक्वेस्ट कर सकते हैं। आप एफआईआर दर्ज करने का अनुरोध धारा 156(3) CrPC के तहत कर सकते हैं।

यहां से भी करवा सकते हैं एफआईआर

अगर आप चौकी या थाने में गए हैं और पुलिस वाले आपकी एफआईआर नहीं लिख रहे हैं, तो आप ऑनलाइन एफआईआर दर्ज करवा सकते हैं। इसके अलावा आप पुलिस के हेल्पलाइन नंबर पर कॉल करके भी अपनी शिकायत दर्ज करवा सकते हैं। यहां दर्ज हुए मामलों पर पुलिस को एक्शन लेना ही पड़ता है।

ड्रीम 11 और जूपी समेत कई कंपनियों ने पैसा आधारित ऑनलाइन खेल बंद किया

नई दिल्ली, एजेंसी। संसद के मानसून सत्र में ऑनलाइन गेमिंग संवर्धन एवं विनियमन विधेयक, 2025 पारित होने के बाद ऑनलाइन गेमिंग कंपनियों ने अपने पैसे आधारित खेलों को बंद कर दिया है।

रिपोर्ट के मुताबिक, फैंटेसी स्पोर्ट्स की दिग्गज कंपनी ड्रीम 11 ने बिल पारित होने के बाद अपने सभी नकदी गेम बंद करने की घोषणा की है। मोबाइल प्रीमियर लीग (एमपीएल) ने भी अपने सभी रियल-मनी ऑफरिंग को निलंबित कर दिया है। जूपी लूडो ने भी भुगतान खेल बंद किए हैं। एमपीएल ने कहा,कंपनी कानून का सम्मान करती है और प्रतिबंध का पालन करेगी। हम एमपीएल प्लेटफॉर्म पर पैसे से जुड़े सभी गेम तत्काल प्रभाव से निलंबित कर रहे हैं। अब नई राशि स्वीकार नहीं होगी, लेकिन ग्राहक अपनी शेष राशि निकाल सकेंगे। एमपीएल प्लेटफॉर्म पर अब ऑनलाइन मनी गेम्स उपलब्ध नहीं होंगे। जूपी के प्रवक्ता ने कहा कि जूपी पूरी तरह से चालू है, नए बिल के अनुरूप, हम भुगतान गेम्स बंद कर रहे हैं, लेकिन मुफ्त गेम उपलब्ध रहेंगे। एमपीएल के एशिया, यूरोप और उत्तरी अमेरिका में 12 करोड़ से अधिक पंजीकृत उपयोगकर्ता हैं और जूपी के 15 करोड़ से अधिक उपयोगकर्ता भारत में हैं। इस कदम से लाखों उपयोगकर्ता तो प्रभावित होंगे ही, साथ में भारत के रियल-मनी गेमिंग क्षेत्र में बड़े पैमाने पर छंटनी और निवेश रुकने की आशंका भी बनी हुई है। केंद्र सरकार ने ई-स्पोर्ट्स और गैर-मौद्रिक कौशल-आधारित गेमिंग को भविष्य के उद्योग के रूप में स्थापित किया है।

इस कानून के तहत एक राष्ट्रीय ऑनलाइन गेमिंग प्राधिकरण बनाया जाएगा। नए कानून में ऐसे गेम चलाने या बढ़ावा देने पर 3 साल तक की जेल और 1 करोड़ रुपये तक का जुर्माना हो सकता है। विज्ञापन करने पर 2 साल तक की जेल या 50 लाख रुपये तक का जुर्माना लगेगा। वित्तीय लेन-देन से जुड़े मामलों पर भी समान सजा होगी। बार-बार अपराध करने पर 5 साल तक कैद और 2 करोड़ रुपये तक का जुर्माना लग सकता है।

नॉर्थ कोरिया की चेतावनी- तनाव न बढ़ाओ, वरना मुश्किल होगी, साउथ कोरिया पर फायरिंग का आरोप

सियोल, एजेंसी। नॉर्थ कोरिया ने साउथ कोरिया की सेना पर आरोप लगाया है कि उसने बॉर्डर के पास उसके सैनिकों पर गोलियां चलाईं। नॉर्थ कोरिया ने कहा कि इस घटना से तनाव इतना बढ़ सकता है, जिसमे बाद में कंट्रोल करना मुश्किल होगा।

नॉर्थ कोरियाई आर्मी के लेफ्टिनेंट जनरल जोंग चोल के मुताबिक, यह टकराव मंगलवार को उस समय हुआ, जब नॉर्थ कोरियाई सैनिक बॉर्डर को स्थायी तौर पर सील करने के लिए काम कर रहे थे। साउथ कोरिया ने इस घटना की पुष्टि नहीं की है।

अप्रैल में भी सैनिकों पर गोलीबारी हुई थी

दोनों देशों के बीच पिछली झड़प अप्रैल में शुरू हुई थी, जब साउथ कोरिया की आर्मी ने 10 नॉर्थ कोरियाई सैनिकों पर गोलियां चलाई थीं। साउथ कोरिया ने कहा कि सैनिक सीमा पार करने की कोशिश कर रहे थे, इसलिए चेतावनी दी गई थी। नॉर्थ कोरियाई सैनिकों को दोनों देशों के बीच डिमिलिटराइज्ड जोन में देखा गया था। इस जोन के कुछ हिस्से में भारी मात्रा में बारूदी सुरंगें और घने जंगल हैं।

नॉर्थ कोरिया ने अक्टूबर 2024 में ऐलान किया था कि वह दक्षिणी सीमा को पूरी तरह से बंद करने जा रही है। कुछ ही समय बाद नॉर्थ कोरिया ने उत्तर को दक्षिण से जोड़ने वाली सड़कों और रेलवे रूट्स को बम से उड़ा दिया था। हालांकि ये सड़कें और रेलमार्ग किसी भी काम में नहीं आते थे। अब नॉर्थ कोरिया का कहना है कि अगर साउथ कोरिया ने बॉर्डर सील करने के उनके प्रयासों में दखल दिया, तो जवाब दिया जाएगा।

पिछले साल दोनों देशों ने गुब्बारे उड़ाए थे

नॉर्थ और साउथ कोरिया के बीच बॉर्डर को लेकर अक्सर अहिंसक झड़पें होती रहती हैं। पिछले साल नॉर्थ कोरिया ने हजारों की संख्या में कचरा ले जाने वाले गुब्बारे दक्षिण की ओर भेजे थे। नॉर्थ कोरिया ने कहा था कि ये साउथ कोरियाई कार्यकर्ताओं की ओर से उड़ाए गए उत्तर-विरोधी प्रचार गुब्बारों का बदला है।

इसके बाद साउथ कोरिया ने बॉर्डर पर लाउडस्पीकर से के-पॉप गाने और अंतर्राष्ट्रीय समाचार बजाए। ऐसा 6 साल में पहली बार हुआ था। नॉर्थ कोरिया ने भी बॉर्डर पर अजीबोगरीब आवाजें बजाईं, जिससे साउथ कोरियाई नागरिक परेशान हो गए। जून में ली जे म्युंग साउथ कोरिया के राष्ट्रपति चुने गए। इसके बाद डिमिलिटराइज्ड जोन में ब्रॉडकास्ट रोक दिया गया। नॉर्थ कोरियाई सैनिकों ने भी बॉर्डर से स्पीकर हटा लिए।

नॉर्थ कोरिया के बातचीत का प्रस्ताव खारिज किया

राष्ट्रपति ली ने नॉर्थ कोरिया के साथ बिना किसी शर्त के बातचीत जारी रखने का वादा किया है। उन्होंने पिछले हफ्ते कहा था कि उनकी सरकार तनाव कम करने और विश्वास बहाली के लिए लगातार कदम उठाएगी।

हालांकि नॉर्थ कोरियाई नेता किम जोंग उन की बहन किम यो जोंग ने कहा कि हमारी साउथ कोरिया के साथ संबंध सुधारने की कोई इच्छा नहीं है। दोनों कोरिया तकनीकी रूप से युद्ध ही कर रहे हैं। क्योंकि 1950-53 का कोरियाई युद्ध शांति संधि के बजाय युद्धविराम के साथ खत्म हुआ था।

अमेरिका ने कहा– भारत सबसे महत्वपूर्ण देशों में से एक, सर्जियो गोर राजदूत बनने पर बधाई दी

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सर्जियो गोर को भारत में अगला अमेरिकी राजदूत नियुक्त किया। अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने गोर को बधाई दी। उन्होंने कहा, 'सर्जियो गोर को भारत में राजदूत नियुक्त किए जाने के फैसले से उत्साहित हूं।' रुबियो ने कहा कि भारत दुनिया में अमेरिका के सबसे महत्वपूर्ण संबंधों में से एक देश है। गोर यहां अमेरिका के एक उत्कृष्ट प्रतिनिधि होंगे।

गोर की भारत में नियुक्ति ऐसे समय हुई है, जब भारत-अमेरिका के बीच व्यापार को लेकर तनाव बना हुआ है। अमेरिका ने भारत पर 50% टैरिफ लगाया है, जिसमें 25% टैरिफ पेनल्टी के तौर पर लगाई गई है। रूस से तेल खरीदने की वजह से भारत पर ये पेनल्टी लगी है।

38 साल के गोर फिलहाल व्हाइट हाउस के प्रेसिडेंशियल पर्सनेल ऑफिस के डायरेक्टर हैं। वे भारत में 26वें अमेरिकी राजदूत होंगे। एरिक गार्सेटी के पद छोड़ने के 7 महीने बाद अमेरिका ने भारत में अपना स्थायी राजदूत नियुक्त किया है। गार्सेटी मई 2023 से जनवरी 2025 तक राजदूत थे।

सर्जियो गोर को बताया करीबी सहयोगी

इसके साथ ही डोनाल्ड ट्रंप ने सर्जियो गोर को अपना करीबी सहयोगी, मित्र और विश्वासपात्र बताया, जिस पर वह पूरी तरह भरोसा कर सकते हैं। ट्रंप ने ट्रुथ सोशल पर पोस्ट कर गोर नियुक्ति का ऐलान किया। उन्होंने कहा, 'मुझे यह घोषणा करते हुए खुशी हो रही है कि मैं सर्जियो गोर को भारत में हमारे अगले अमेरिकी राजदूत और दक्षिण एवं मध्य एशियाई मामलों के लिए विशेष दूत के तौर पर प्रमोट कर रहा हूं।'

ट्रंप ने कहा कि प्रेसिडेंशियल पर्सनेल के डायरेक्टर के तौर पर गोर और उनकी टीम ने रिकॉर्ड समय में हर डिपार्टमेंट में लगभग 4 हजार देशभक्तों की नियुक्ति की है। हमारे विभाग और एजेंसियां 95% से ज्यादा भर चुकी हैं। सर्जियो अपनी नियुक्ति की पुष्टि होने तक व्हाइट हाउस में अपनी वर्तमान भूमिका में बने रहेंगे।

भारतीयों को लेकर जा रही बस हादसे का शिकार, 5 लोगों की मौत

न्यूयॉर्क, एजेंसी। न्यूयॉर्क के एक हाइवे पर शुक्रवार को एक टूरिस्ट बस के दुर्घटनाग्रस्त हो जाने से उसमें सवार पांच यात्रियों की मौत हो गई। पुलिस के अनुसार यह हादसा उस समय हुआ जब बस ड्राइवर का ध्यान भटक गया। यह हादसा बफेलो शहर से करीब 25 मील (करीब 40 किलोमीटर) पूर्व में उस समय हुआ जब पर्यटक नियाग्रा फॉल्स घूमने के बाद न्यूयॉर्क शहर लौट रहे थे। अधिकारियों ने जानकारी दी कि मृतकों में भारतीय, चीनी और फिलीपीनी मूल के यात्री शामिल हैं।

न्यूयॉर्क स्टेट पुलिस के कमांडर मेजर आंद्रे रे ने बताया कि शुरुआती जांच से संकेत मिलता है कि ड्राइवर का ध्यान भटक गया था जिससे उसने बस से नियंत्रण खो दिया। किसी अन्य व्यक्ति की हालत गंभीर नहीं है, कुछ यात्रियों को प्राथमिक इलाज देकर अस्पताल ले जाया गया जहां उनको इलाज के बाद छुट्टी दे दी गई। अमेरिकी मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, दुर्घटना के समय बस में 54 यात्री सवार थे। किसी भी बच्चे की जान नहीं गई। यह जानकारी पहले पुलिस द्वारा दी गई ब्रीफिंग से अलग है।

यह बस कनाडा की सीमा के पास स्थित प्रसिद्ध नियाग्रा फॉल्स से वापस लौट रही थी। लौटते समय पेमब्रोक के पास एक हाईवे पर यह हादसा हुआ। आंद्रे रे ने कहा कि न ही कोई मकैनिकल फेलियर पाया गया, न ही किसी नुकसान या फिर नशे की कोई आशंका पाई गई है। घटना स्थल पर पीड़ितों से बातचीत करने के लिए ट्रांसलेटरों की तैनाती की गई है। जानकारी के मुताबिक राहत और बचाव अभियान में कुल आठ हेलीकॉप्टरों की मदद ली गई थी। पुलिस प्रवक्ता ने कहा कि ड्राइवर ज़िंदा है और ठीक है ।

अमेरिकी सीनेटर चक शूमर ने जताया शोक

राज्य की गवर्नर कैथी होचुल ने बताया कि उनकी टीम राज्य पुलिस और स्थानीय एजेंसियों के साथ मिलकर काम कर रही है। ब्लड और अंग दान से जुड़े नेटवर्क कनेक्ट लाइफ ने दुर्घटना को देखते हुए लोगों से ब्लड डोनेट करने की अपील की है। न्यूयॉर्क से वरिष्ठ अमेरिकी सीनेटर चक शूमर ने इस घटना को लेकर गहरा शोक व्यक्त किया है।

भारत के करीब तैयार हो रहा वॉर का एक और फ्रंट? दो मुस्लिम देशों में बढ़ी तनातनी

तेहरान। भारत की सरहद से सटे इलाके में एक नया विवाद गहराता दिख रहा है. अफगानिस्तान में तालिबान और पड़ोसी ईरान के बीच पानी को लेकर तनातनी तेज हो गई है। ईरान इस वक्त पानी के भीषण संकट से जूझ रहा है। 90 फीसदी से ज्यादा इलाके सूखने की कगार पर हैं और कई नदियाँ लगभग खत्म हो चुकी हैं। ऐसे में तालिबान का रवैया तेहरान की मुश्किलें और बढ़ा रहा है।

दरअसल तेहरान की एक प्रमुख अख़बार जम्हूरी इस्लामी ने हाल ही में तालिबान पर आरोप लगाया कि वह जानबूझकर ईरान की ओर जाने वाले पानी को रोक रहा है ताकि दबाव बनाया जा सके। अखबार ने सरकार से कहा है कि अब सिर्फ चुप्पी से काम नहीं चलेगा, बल्कि राजनीतिक और आर्थिक तरीक़ों से तालिबान को जवाब देना होगा।असल में विवाद अफगानिस्तान में बने बांधों को लेकर है। हाल ही में हेरात प्रांत में पशदान डैम शुरू हुआ है। इससे ईरान की ओर आने वाली हरिरूद नदी का पानी रुक गया और ईरान-तुर्कमेनिस्तान सीमा पर बना दोस्ती डैम लगभग सूख गया। ये वही बांध है जो ईरान के दूसरे सबसे बड़े शहर मशहद को पीने का पानी देता है।

ये पहला मौका नहीं है। इससे पहले हेलमंद नदी पर बने कमल खान डैम ने भी ईरान की परेशानी बढ़ा दी थी। 1973 की संधि के मुताहिक ईरान को हेलमंद नदी से सालाना लगभग 820 मिलियन क्यूबिक मीटर पानी मिलना चाहिए लेकिन अफगानिस्तान बार-बार अलग-अलग कारणों से पानी रोक देता है। नतीजा ये हुआ कि सिस्तान-बलूचिस्तान इलाके की हमून झीलें वहाँ की जिंदगी बुरी तरह प्रभावित हुई।

ईरान का तालिबान पर क्या आरोप है?

ईरानी मीडिया का मानना है कि तालिबान पानी को एक तरह से हथियार की तरह इस्तेमाल कर रहा है। कभी तेल के बदले पानी की बात होती है, तो कभी इस बहाने तालिबान चाहता है कि ईरान उसकी सरकार को मान्यता दे। तेहरान की सरकार पर भी सवाल उठ रहे हैं। आलोचकों का कहना है कि पहले की सरकारें, ख़ासकर दिवंगत राष्ट्रपति इब्राहीम रईसी के दौर में, तालिबान को रियायतें देती रहीं लेकिन पानी के मुद्दे पर सख्ती नहीं दिखाई। अख़बार ने लिखा कि इस नरमी से तालिबान और बेधड़क हो गया है।

तालिबान ऐसा क्यों कर रहा है?

'पाकिस्तान के मामले में कभी भी किसी की मध्यस्थता स्वीकार नहीं की', जयशंकर ने ट्रंप को दिखाया आईना

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत-पाकिस्तान संघर्ष विराम कराने का दावा कर रहे अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को विदेश मंत्री डॉ. एस जयशंकर ने आईना दिखाया। विदेश मंत्री ने साफ तौर पर कहा कि हमने पाकिस्तान के मामले में कभी भी किसी की मध्यस्थता स्वीकार नहीं की। पाकिस्तान के साथ मध्यस्थता को लेकर भारत का रुख हमेशा स्पष्ट रहा है और आगे भी रहेगा।

एक कार्यक्रम में विदेश मंत्री डॉ. एस जयशंकर ने कहा कि भारत-पाकिस्तान संघर्ष के मुद्दे पर हमने 1970 से लेकर अब तक 50 साल में कभी भी किसी की मध्यस्थता स्वीकार नहीं की। भारत में हमेशा से राष्ट्रीय सहमति रही है कि हम पाकिस्तान के साथ अपने संबंधों में मध्यस्थता स्वीकार नहीं करते हैं। जब व्यापार की बात आती है, किसानों के हितों की बात आती है, जब हमारी रणनीतिक स्वायत्तता की बात आती है, जब मध्यस्थता के विरोध की बात आती है, तो सरकार बहुत स्पष्ट है। उन्होंने कहा कि अगर कोई हमसे असहमत है, तो भारत के लोगों को बताए कि क्या वे किसानों के हितों की रक्षा के लिए तैयार नहीं हैं। क्या वे रणनीतिक स्वायत्तता को महत्व नहीं देते हैं। लेकिन हम देते हैं। इसे बनाए रखने के लिए हमें जो कुछ भी करना होगा, हम करेंगे।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को लेकर विदेश मंत्री ने कहा कि हमने कभी ऐसा कोई अमेरिकी राष्ट्रपति नहीं देखा, जिसने विदेश नीति को ट्रंप की तरह सार्वजनिक रूप से संचालित किया हो। यह बदलाव केवल भारत तक सीमित नहीं है। राष्ट्रपति ट्रंप का दुनिया के साथ व्यवहार करने का तरीका, यहां तक कि अपने देश के साथ व्यवहार करने का तरीका, पारंपरिक रूढ़िवादी तरीके से बहुत बड़ा बदलाव है। मैं कुछ उदाहरण देना चाहता हूं कि जैसे केवल व्यापार के लिए इस तरह से टैरिफ लगाना सामान्य है, लेकिन गैर व्यापार मुद्दों पर टैरिफ लगाना सही नहीं है।

'किसान और छोटे उत्पादकों के हित से कोई समझौता नहीं'

विदेश मंत्री ने कहा कि भारत-अमेरिका व्यापार वार्ता अभी भी जारी है। लेकिन मूल बात यह है कि हमारे सामने कुछ लाल रेखाएं हैं। किसी ने भी यह नहीं कहा कि बातचीत बंद है। लोग एक-दूसरे से बात करते हैं। ऐसा नहीं है कि वहां कोई कुट्टी है। जहां तक हमारा सवाल है कुछ रेड लाइन हैं। हम अपने किसानों और कुछ हद तक हमारे छोटे उत्पादकों के हित के लिए काम कर रहे हैं। हम उनके मुद्दों पर समझौता नहीं कर सकते हैं। मैं आपसे सवाल पूछता हूं कि क्या आप किसानों और व्यापारियों को लेकर समझौता करेंगे। मैं कहना चाहता हूं कि हम एक सरकार के रूप में अपने किसानों और अपने छोटे उत्पादकों के हितों की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध हैं। हम इस पर बहुत दृढ़ हैं। हम ऐसा कुछ नहीं करेंगे, जिससे उनके हितों से समझौता हो। मैं इसकी आलोचना करने वालों से पूछता हूं कि क्या वे ऐसा समझौता करेंगे?

विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कहा कि यह हास्यास्पद है कि जो लोग व्यापार समर्थक अमेरिकी प्रशासन के लिए काम करते हैं, वे दूसरे लोगों पर व्यापार करने का आरोप लगा रहे हैं। अगर आपको भारत से तेल या रिफाइंड उत्पाद खरीदने में समस्या है, तो इसे न खरीदें। कोई आपको इसे खरीदने के लिए मजबूर नहीं करता। यूरोप खरीदता है, अमेरिका खरीदता है, इसलिए अगर आपको यह पसंद नहीं है, तो इसे न खरीदें।

'भारत-रूस शिखर वार्ता की योजना बना रहे'

रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के साथ बैठक को लेकर विदेश मंत्री डॉ. एस जयशंकर ने कहा कि रूसियों के साथ हमारी वार्षिक शिखर वार्ता की परंपरा रही है। हम साल के अंत में एक शिखर वार्ता की योजना बना रहे हैं। यह एक वार्षिक अभ्यास है। इसी तरह संबंध बढ़ते हैं।

टीएमसी नेता डेरेक का केंद्र सरकार पर बड़ा हमला ; कहा– मानसून सत्र को बाधित करने के तरीके खोजती रही सरकार

नई दिल्ली, एजेंसी। संसद का मानसून सत्र समाप्त होने के बाद टीएमसी नेता डेरेक ओ ब्रायन ने केंद्र सरकार पर हमला बोला। उन्होंने कहा कि केंद्र पूरे मानसून सत्र के दौरान बचाव की मुद्रा में रहा। केंद्र सरकार मानसून सत्र को बाधित करने के तरीके खोजती रही

टीएमसी ने एक्स पर सत्तारूढ़ गठबंधन को कमजोर कहा। उन्होंने कहा कि पूरे मानसून सत्र में 239 सीटों वाला मोदी गठबंधन रक्षात्मक मुद्रा में रहा। भारत के उपराष्ट्रपति लापता हो गए और भाजपा को अभी तक नया राष्ट्रीय अध्यक्ष नहीं मिला। वोट चोरी घोटाला भी हुआ। दबाव में आकर उन्होंने पूरे सत्र को प्रभावित करने और बाधित करने के तरीके खोज निकाले।

21 अगस्त को खत्म हुआ संसद का मानसून सत्र

ऑपरेशन सिंदूर से लेकर बिहार में मतदाता सूची विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) पर हुए हंगामे के साथ संसद का मानसून सत्र 21 अगस्त बृहस्पतिवार को अनिश्चितकाल के लिए स्थगित हो गया। यह सत्र सरकार और विपक्ष के बीच लगातार टकराव, अंतिम दो सप्ताह में थोक में निपटाए गए विधायी कामकाज, जगदीप धनखड़ के उपराष्ट्रपति पद से अचानक इस्तीफे और जस्टिस यशवंत वर्मा के खिलाफ महाभियोग प्रस्ताव की प्रक्रिया शुरू करने के कारण चर्चा में रहा।

27 विधेयक हो सके पारित

एसआईआर पर विपक्ष के हंगामे के कारण संसद के 166 घंटे बर्बाद हो गए। इससे जनता के टैक्स के करीब 248 करोड़ रुपये डूब गए। हंगामे के कारण लोकसभा के 84.5 घंटे, जबकि उच्च सदन राज्यसभा के 81.12 घंटे बर्बाद हो गए। राज्यसभा की कार्यवाही 38.88 घंटे ही चल सकी। हालांकि, अंतिम नौ कार्य दिवसों में ताबड़तोड़ विधायी कामकाज निपटाए गए। राज्यसभा में 15 तो लोकसभा में 12 विधेयक पारित किए गए। विपक्ष के हंगामे के बीच सभी विधेयक या तो बिना किसी चर्चा के या चर्चा की औपचारिकता निभाकर ध्वनिमत से पारित कराए गए। देश के अंतरिक्ष कार्यक्रम पर विशेष चर्चा में भी विपक्ष ने हिस्सा नहीं लिया और यह चर्चा अधूरी रही।

द बैड्स आफ बालीवुड : आर्यन खान की सीरीज की स्टार कास्ट, रिलीज डेट और मिस्ट्री कैमियो समेत जानें सब कुछ

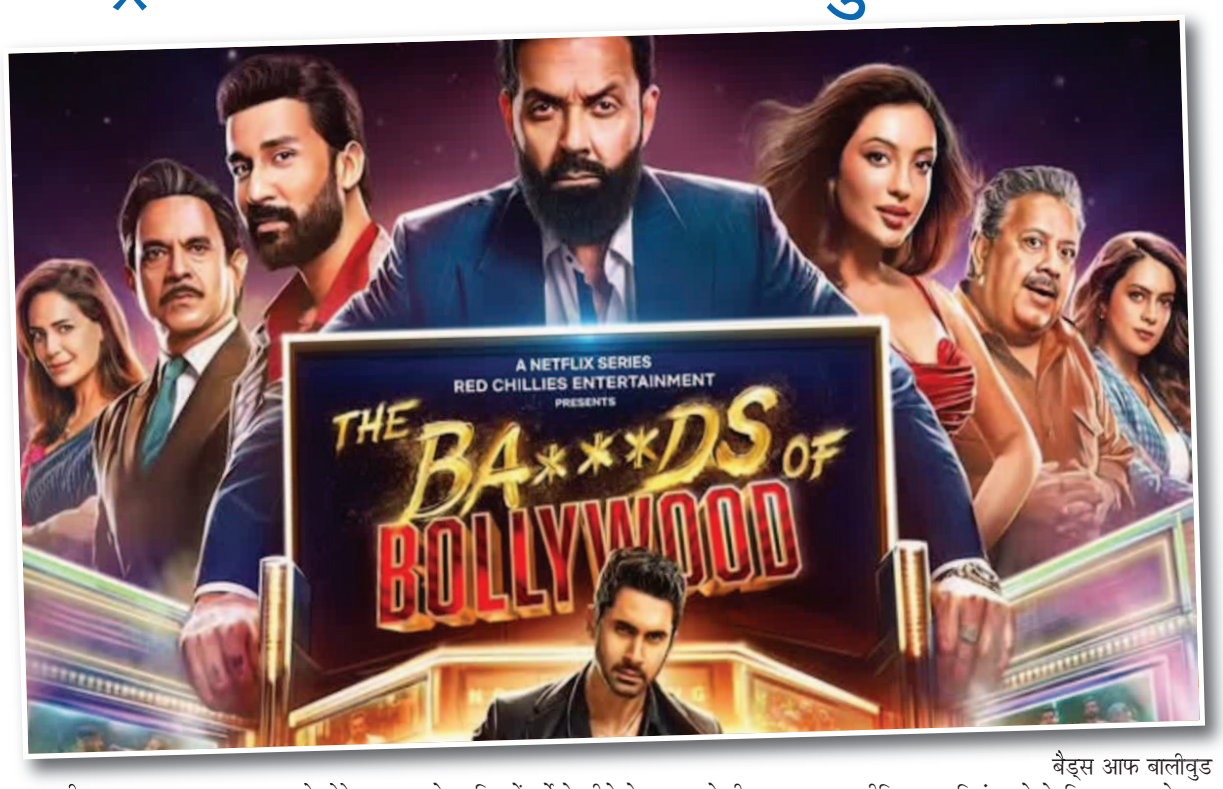

बैड्स आफ बालीवुड

बालीवुड सुपरस्टार शाहरुख खान के बेटे आर्यन खान नेटफ्लिक्स सीरीज द बैड्स आफ बालीवुड के साथ निर्देशन में डेब्यू कर रहे हैं। यह शो इंडस्ट्री की चमक-दमक और गपशप को उजागर करता है। शो का फर्स्ट लुक पहले ही सुर्खियों में छाया हुआ था। ऐसे में शो के प्रीव्यू ने दर्शकों की उत्साह और बढ़ा दी है। प्रीव्यू पुराने जमाने के रोमांस से लेकर एक तीखे, आधुनिक ड्रामा की ओर एक स्टाइलिश बदलाव का संकेत देता है।

इस सीरीज में लक्ष्य और सहर बाम्बा मुख्य भूमिका में हैं। इनके अलावा, सीरीज में बाबी देओल, मोना सिंह, राघव जुयाल, अन्या सिंह, मनोज पाहवा, गौतमी कपूर और रजत बेदी भी महत्वपूर्ण भूमिकाओं में हैं।

अपनी पहली फिल्म किल से सबको प्रभावित करने वाले लक्ष्य इस शो में मुख्य भूमिका निभा रहे हैं। बाबी देओल एक सुपरस्टार की भूमिका निभा रहे हैं।राघव जुयाल, जो किल में लक्ष्य के साथ नजर आए थे, भी इस सीरीज में उनके दोस्त का किरदार निभा रहे हैं। मोना सिंह लक्ष्य की मां की भूमिका निभाएंगी। अन्या सिंह उनकी सीधी-सादी मैनेजर की भूमिका निभाएंगी।

आर्यन खान ने अपने पहले निर्देशन वाली सीरीज को दमदार बनाने में कोई कसर नहीं छोड़े है। उनके इस शो मे बालीवुड की बड़ी हस्तियां अपनी एक्टिंग का तड़का लगाते हुए दिखेंगी। सलमान खान द बैड्स आफ बालीवुड में कैमियो करने वाले स्टार्स में से एक हैं। करण जौहर भी इस सीरीज में कैमियो रोल निभा रहे हैं। इन दोनों के अलावा रणवीर सिंह भी कैमियो रोल में नजर आएंगे मीडिया रिपोर्ट की मानें तो शाहरुख खान, आमिर खान, रणबीर कपूर समेत अन्य बड़े सितारे इसमें नजर आ सकते हैं।

यह शो सिर्फ बालीवुड की चमक-दमक और ग्लैमर दिखाने के बारे में नहीं है, बल्कि उम्मीद है कि यह इंडस्ट्री के डार्क साइड को भी उजागर करेगा, जिसमें पर्दे के पीछे के पावर प्ले भी शामिल हैं।

रेड चिलीज एंटरटेनमेंट की निर्मित द बैड्स आफ बालीवुड का प्रीमियर 18 सितंबर, 2025 को होगा। इस सीरीज को आर्यन खान ने बिलाल सिद्दीकी और मानव चौहान के साथ मिलकर लिखा और बनाया है, जबकि बोनी जैन और अक्षत वर्मा सह-निर्माता हैं।

द बैड्स आफ बालीवुड का प्रीमियर 18 सितंबर से नेटफ्लिक्स पर होगा। आर्यन खान की यह सीरीज ब्लैक रैबिट, प्लेटोनिकः ब्लू मून होटल और सेम डे विद समवन से टकराएगी। ये सभी 18 सितंबर को नेटफ्लिक्स पर आ रही हैं।

प्राइम वीडियो के फिल्म सान्स आफ पैराडाइज के प्रीमियर की घोषणा को हो गई

मैं जल्दबाजी में नहीं, बस सही प्रोजेक्ट चुनना चाहती हूं : सई मांजरेकर

अभिनेत्री सई मांजरेकर ने अपने अभिनय करियर की शुरुआत 16 साल की उम्र से की थी। उनका कहना है कि वह सिर्फ व्यस्त रहने या फिर कैलेंडर भरने के लिए काम नहीं करना चाहती बल्कि उन प्रोजेक्ट्स पर काम करना चाहती हैं जो उनको दिल से खुशी दें।

अभिनेत्री का मानना है कि उन प्रोजेक्ट्स पर काम करना चाहिए, जो आपको सच में दिल से या रचनात्मक रूप से संतुष्ट करें।

अभिनेत्री ने कहा, मैंने बहुत कम उम्र में काम करना शुरू कर दिया था। इन सालों में मैंने यही सीखा है कि कई प्रोजेक्ट्स पर काम करने से ज्यादा जरूरी है, कि सही प्रोजेक्ट्स पर काम करें। मैं सिर्फ व्यस्त रहने के लिए काम नहीं करना चाहती हैं।

वह कहती हैं, इस समय मैं उन कहानियों पर काम करना चाहती हूं जो मुझे करने में सच में अच्छी लगें, ऐसे किरदार जो मुझे सच में चुनौती दें, और मेरे अंदर के एक कलाकार को अच्छे से निखारें।

सई का मानना है कि प्रोजेक्ट्स में खुद को निखारने, अपनी कला को आजमाने और कुछ अनोखा करने की आजादी मिलनी चाहिए।

उन्होंने कहा, जब आप जुनून के साथ काम करते हैं, तो उसका असर आपके काम पर नजर आने लगता है। मैं जल्दबाजी में कोई भी गलत फैसला नहीं लेना चाहती, इसलिए सही मौके का इंतजार कर रही हूं।

अभिनेत्री ने अपने फिल्मी करियर की शुरुआत साल 2012 में मराठी फिल्म काक्षपर्श में खुशी दामले के छोटे से किरदार से की थी। 2019 में उन्होंने सलमान खान के साथ हिंदी एक्शन-कामेडी दबंग 3 में खुशी चौटाला के किरदार से मुख्य अभिनेत्री के रूप में शुरुआत की थी। फिर, साल 2020 में वह आयुष शर्मा के साथ गाने मंझा के म्यूजिक वीडियो में नजर आईं थीं।

2022 में उन्होंने वरुण तेज के साथ तेलुगु फिल्म घनी से तेलुगु सिनेमा में कदम रखा, हालांकि यह फिल्म व्यावसायिक रूप से असफल रही। उसी साल, उन्होंने तेलुगु-हिंदी द्विभाषी बायोपिक मेजर में संदीप उीकृष्णन की प्रेमिका ईशा अग्रवाल का किरदार निभाया। हाल ही में वह गुरु रंधावा के साथ कुछ खट्टा हो जाए में दिखीं।

सोनी राजदान और सबा आजाद की सान्स आफ पैराडाइज का ऐलान, कश्मीर की पहली सिंगर पर बेस्ड है फिल्म, मोशन पोस्टर आउट

है. यह फिल्म पद्मश्री पुरस्कार विजेता राज बेगम की खास कहानी और सफर पर आधारित है. एक्सेल एंटरटेनमेंट के प्रेजेंटेशन में और एप्पल ट्री पिक्चर्स प्रोडक्शन और रेनज़ू फिल्म्स प्रोडक्शन के प्रोडक्शन में बनी यह कहानी संगीत, हिम्मत और कश्मीर की पहली मशहूर प्लेबैक सिंगर की मजबूत भावना को दिखाती है, जिन्होंने न सिर्फ वहां की महिलाओं को प्रेरित किया बल्कि इंडस्ट्री में एक नई दिशा भी दी.

डायरेक्टर दानिश रेनज़ू द्वारा निर्देशित और उनके साथ निरंजन अयंगर और सुनयना काचरू द्वारा लिखित, सान्स आफ पैराडाइज में शानदार कास्ट है, जिसमें सबा आज़ाद और सोनी राज़दान मुख्य भूमिका में नूर बेगम के रूप में दो अलग-अलग समयों में नजर आएंगी, साथ ही ज़ैन खान दुर्रानी, शीबा चड्ढा, तारुक रैना और लिलेट दुबे भी हैं. घाटी की खूबसूरत पृष्ठभूमि के साथ यह फिल्म हिम्मत, पहचान और साहस को दिखाती है. सान्स आफ पैराडाइज 29 अगस्त को भारत और 200 से ज्यादा देशों और क्षेत्रों में सिर्फ प्राइम वीडियो पर प्रीमियर होगी.

मनीष मेंघानी, डायरेक्टर और हेड आफ कंटेंट लाइसेंसिंग, प्राइम वीडियो, इंडिया ने कहा, प्राइम वीडियो में, हम ऐसी कहानियों में विश्वास रखते हैं जो मनोरंजन करें, प्रेरित करें और हमारे दर्शकों से गहरा जुड़ाव बनाएं. उन्होंने आगे कहा, सान्स आफ पैराडाइज एक नई और भावनात्मक कहानी पेश करती है, जो कश्मीर के समृद्ध संगीत परंपरा पर आधारित है और हिम्मत और स्वतंत्रता की कम जानी-पहचानी सच्ची कहानी दिखाती है, जिसमें शानदार अभिनय और विरासत है. हमें खुशी है कि हम इस दिल छू लेने वाली कहानी को एक्सेल एंटरटेनमेंट के साथ अपनी साझेदारी के जरिए 200 से ज्यादा देशों और क्षेत्रों में दर्शकों तक पहुँचा रहे हैं.

एक्सेल एंटरटेनमेंट के रितेश सिधवानी ने कहा, सान्स आफ पैराडाइज एक ऐसी कहानी है जो कश्मीर की संस्कृति, भावनाओं और उम्मीदों को दिखाती है. यह फिल्म पद्म श्री विजेता नूर बेगम के जीवन के पों को खूबसूरती से खोलती है, जिनकी आवाज ने न केवल कश्मीर को गर्व महसूस कराया बल्कि आने वाली पीढ़ियों को भी प्रेरित किया. हमें दानिश रेनज़ू के साथ मिलकर इस खास और दमदार कहानी को प्राइम वीडियो के साथ मिलकर पेश करने की खुशी है. प्राइम वीडियो हमारा सच्चा साथी है, जो हमारे विजन को शेयर करता है और हमें इस कहानी को दुनियाभर के दर्शकों तक पहुंचाने में मदद करता है.

फिल्म के डायरेक्टर और राइटर दानिश रेनज़ू ने कहा, फिल्म सान्स आफ पैराडाइज, पद्म श्री विजेता राज बेगम को एक दिल से दी गई श्रद्धांजलि है. वह रेडियो कश्मीर की पहली महिला आवाज़ थीं. यह फिल्म उनकी संगीत, विरासत और हिम्मत से प्रेरित एक भावुक कहानी बताती है, खासकर उस समय की जब समाज ने महिलाओं को भावनात्मक और सांस्कृतिक रूप से बांध रखा था. यह एक ऐसी महिला की कहानी है जिसने सपने देखने की हिम्मत की, जबकि उस समय सपने देखना भी एक तरह से मना था.

सबा आज़ाद और सोनी राज़दान ने इस खास कहानी में मुख्य किरदार को दो अलग-अलग उम्र में बहुत खूबसूरती से निभाया है। इनके साथ-साथ और भी कई कलाकारों ने बेहतरीन काम किया है. प्राइम वीडियो की वजह से अब दुनिया भर के दर्शक उनकी कहानी देख पाएंगे, एक ऐसी कहानी जो सम्मान की हकदार है.

स्वामी, प्रकाशक व मुद्रक प्रभात पांडेय द्वारा साई ऑफसेट प्रिंटर्स 40, वासुदेव भवन कैसरबाग, लखनऊ (उत्तर प्रदेश) से मुद्रित एवं 2/74, विक्रांत खंड, गोमती नगर, लखनऊ से प्रकाशित । शाखा कार्यालय: S-15/109, सेक्टर -15, इंदिरा नगर, लखनऊ। समस्त लेख, रचनाओं एवं विज्ञापन में लेखन और विज्ञापनदाताओं के अपने विचार हैं। इसके लिए आर्यावर्त क्रांति की कोई जिम्मेदारी नहीं है। किसी भी विवाद की स्थिति में न्याय क्षेत्र लखनऊ, उत्तर प्रदेश ही होगा। RNI No: UPHIN/2014/57034 Website : aryavartkranti.com
*सम्पादकः प्रभात पांडेय सम्पर्क: 9839909595, 8765295384 Email: aryavartkrantidainik@gmail.com